3 राजधानी
दूसरे दिन भी लोगों की कम नहीं हुई मुसीबत

6 अभिमत
जीएसटी में विवाद समाधान प्रक्रिया

11 विदेश
प्रबोवो सुबिआंतो होंगे इंडोनेशिया के राष्ट्रपति

12 स्पोर्ट्स
सिंधू की जीत के साथ वापसी

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 100
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 15 फरवरी, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

महिलाएं आर्थिक विकास को गति दें : मुर्मू

राष्ट्रीय-9

केंद्र और किसानों में गतिरोध

पंजाब-हरियाणा शंभू बॉर्डर पर लगातार दूसरे दिन किसानों के दिल्ली चलो मार्च को रोकने के लिए आंसू गैस का प्रयोग करती पुलिस

राजेश कुमार। नई दिल्ली/चंडीगढ़

तीन केंद्रीय मंत्रियों और किसान नेताओं के बीच तीसरे दौर की वार्ता बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ में होगी। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल के मुताबिक बैठक केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पीयूष गोयल और नित्यानंद राय के साथ होगी। इससे पहले दोनों पक्षों के बीच दो बैठकें बेनतीजा रही हैं। किसानों के चल रहे दिल्ली चलो मार्च के बीच राजनाथ सिंह और अर्जुन मुंडा सहित वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों ने बुधवार को किसानों के साथ चल रहे विरोध प्रदर्शन और बृहस्पतिवार को किसानों के साथ तीसरे दौर की वार्ता से पहले मुद्दों के समाधान के तरीकों पर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक, पंजाब से किसानों के दिल्ली की ओर मार्च करने और हरियाणा पुलिस द्वारा दोनों राज्यों के बीच शंभू सीमा पर उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय राजधानी में होने वाली बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। केंद्र और किसान यूनियनों के बीच बृहस्पतिवार को तीसरे दौर की बातचीत वर्चुअल होने की उम्मीद है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जो एक पूर्व कृषि मंत्री भी हैं, ने मुंडा के साथ विभिन्न किसान मुद्दों पर विचार-विमर्श किया, जो वर्तमान में कृषि मंत्रालय के प्रभारी हैं। सूत्रों ने बताया कि मुंडा भी उन मंत्रियों में से एक हैं जिन्होंने किसान समूहों के साथ चर्चा की। इससे पहले कृषि मंत्री ने कहा कि किसान संघ के साथ रचनात्मक बातचीत के प्रयास जारी हैं। मंत्री ने सभी दृष्टिकोणों पर विचार करते हुए चर्चा करने की तत्परता भी व्यक्त की और बातचीत के लिए अनुकूल माहौल की अपील की। दूसरी ओर, चंडीगढ़ में किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल ने कहा कि वे न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सहित अपनी मांगों पर केंद्र के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा, कृषि मंत्री ने किसान संगठनों से दैनिक जीवन को बाधित करने वाले कार्यों से बचने का आग्रह किया। जैसे ही प्रदर्शनकारी किसानों ने दूसरे दिन मार्च शुरू किया, जिसे मंगलवार रात पंजाब-हरियाणा सीमा पर रोक दिया गया, एक ताजा झड़प के बाद पंजाब में शंभू सीमा पर अराजकता फैल गई, जिससे हरियाणा पुलिस को आंसू गैस और पानी की बौछार का इस्तेमाल करना पड़ा। हरियाणा के जींद जिले में दाता सिंहवाला-खनौरी सीमा पर भी इसी तरह का गतिरोध था, जहां हरियाणा पुलिस ने बैरिकेड लगाकर किसानों को अपने ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर दिल्ली जाने से रोक दिया था। बुधवार दोपहर खनौरी बॉर्डर पर हरियाणा पुलिस और किसानों के बीच उस वक्त झड़प हो गई जब किसानों ने बैरिकेड्स पार करने की कोशिश की। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े, जिससे कुछ किसान घायल हो गये।

'दिल्ली चलो' मार्च में भाग लेने के लिए पंजाब के कई स्थानों से किसानों का शंभू सीमा पर आना जारी है। पंजाब की ओर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉलियां खड़ी देखी जा सकती हैं। प्रदर्शनकारी किसानों ने कहा कि वे राष्ट्रीय राजधानी की ओर मार्च करने के लिए दृढ़ हैं। कई युवा किसानों ने शंभू सीमा पर बहुस्तरीय सीमेंटेड ब्लॉकों को हटाने के लिए अपने ट्रैक्टर तैयार किए हैं। उन्होंने हरियाणा (शेष पेज 9)

अबू धाबी में बुधवार को बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा बनाए गए हिंदू मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर संतों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

मोदी ने मां भारती को किया नमन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/दुबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि दुनिया को आज ऐसी सरकारों की जरूरत है जो समावेशी और भ्रष्टाचार से मुक्त हों। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्षों से उनका मंत्र 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' रहा है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा के दूसरे दिन दुबई में विश्व सरकार शिखर सम्मेलन को संबोधित करने के दौरान यह दावा करते हुए मोदी ने कहा कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में लोगों का सरकार पर भरोसा बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए अपने दुबई समकक्ष शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम से मुलाकात की, हालांकि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर करने और बढ़ते आर्थिक संबंधों का स्वागत किया। मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात के उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद को अपनी सुविधानुसार जल्द से जल्द भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच व्यापार और निवेश, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और लोगों से लोगों के संबंधों सहित द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक क्षेत्रों पर चर्चा हुई। मोदी और शेख मोहम्मद बिन राशिद, जो रक्षा मंत्री और दुबई के शासक भी हैं, ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर का स्वागत किया और भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच तेजी से बढ़ते आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों पर संतोष व्यक्त किया। विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्व शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'लोगों को भारत सरकार की मंशा और प्रतिबद्धता पर भरोसा है। यह केवल इसलिए संभव हो सका क्योंकि हमने जनता की भावनाओं को प्राथमिकता दी।' मोदी ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने सरकार में 23 साल बिताए हैं और उनका सिद्धांत 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' है। (शेष पेज 9)

केजरीवाल को ईडी ने भेजा छठा समन, 19 को बुलाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को छठा समन जारी किया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को 19 फरवरी को ईडी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। दिल्ली की एक अदालत ने इस मामले में भेजे गए समन की अवज्ञा करने के लिए ईडी द्वारा दायर एक शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पिछले सप्ताह केजरीवाल को 17 फरवरी को उसके समक्ष पेश के लिए कहा था। अदालत ने कहा था कि केजरीवाल प्रथम दृष्टया इसका अनुपालन करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य हैं। इस मामले में ईडी द्वारा भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के पूर्व अधिकारी को भेजा गया यह छठा समन है। ईडी ने अपनी शिकायत में दावा किया कि केजरीवाल को उनके सहित अन्य लोगों की भूमिका और अपराध से अर्जित आय का पता लगाने के वास्ते कई बार पूछताछ के लिए बुलाया गया था। एजेंसी ने दावा किया कि केजरीवाल ने प्रत्येक समन की जानबूझकर अवज्ञा की। इससे पहले उन्हें इस साल तीन जनवरी, 18 जनवरी और दो फरवरी तथा 2023 में दो नवंबर एवं 21 दिसंबर को बुलाया गया था। मुख्यमंत्री ने हमेशा इन नोटिस को अवैध बताया है। मामले में ईडी द्वारा दायर आरोप पत्र में केजरीवाल के नाम का कई बार उल्लेख किया गया है। एजेंसी ने कहा है कि आरोपी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 की तैयारी के संबंध में उनके (केजरीवाल) संपर्क में थे। इस मामले में ईडी अब तक आप नेताओं मनीष सिसोदिया और संजय सिंह के अलावा पार्टी के संचार प्रभारी विजय नायर और कुछ कारोबारियों को गिरफ्तार कर चुकी है। ईडी ने अपने आरोपपत्र में दावा किया था कि आम आदमी पार्टी ने गोवा में अपने चुनाव अभियान में लगभग 45 करोड़ रुपए की अपराध से अर्जित आय का इस्तेमाल किया था। एजेंसी द्वारा मामले में एक नया पूरक आरोप पत्र दाखिल किए जाने की भी उम्मीद है।

चुनावी राजनीति से हटीं सोनिया, जाएंगी राज्यसभा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चुनावी राजनीति से संन्यास लेने का वस्तुत: संकेत देते हुए यूपीए अध्यक्ष और सबसे लंबे समय तक कांग्रेस अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी ने बुधवार को राज्यसभा में प्रवेश के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा सहित शीर्ष भाजपा नेताओं को इस बार गुजरात से नामांकित किया गया, क्योंकि हिमाचल प्रदेश में उनकी वर्तमान राज्यसभा सीट खाली हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, एल मुरुगम सहित अन्य को भी ओडिशा और मध्य प्रदेश से फिर से चुनाव के लिए भाजपा से हरी झंडी मिल गई है। उम्मीदवारों के रूप में नड्डा और वैष्णव की घोषणा के साथ, जो निश्चित है, उनके लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलों पर विराम लग गया है। नड्डा को हिमाचल प्रदेश से बाहर रहना था जबकि वैष्णव को राजस्थान या ओडिशा से। नड्डा वर्तमान में हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा सदस्य हैं लेकिन भाजपा के पास कांग्रेस शासित राज्य से एकमात्र सीट जीतने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है।

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण, जो कांग्रेस के साथ लंबे समय तक जुड़े रहने के बाद इसे छोड़कर एक दिन पहले ही भाजपा में शामिल हुए थे, उन्हें राज्य परिषद में पार्टी का प्रतिनिधित्व करने के लिए महाराष्ट्र से नामित किया गया है, जिसके लिए चुनाव 27 फरवरी को होने हैं और 15 फरवरी नामांकन की अंतिम तिथि है। सोनिया के साथ-साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय माकन और अभिषेक सिंघवी को भी 27 फरवरी को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी ने नामित किया है। सोनिया गांधी, जिनके साथ उनके बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा के अलावा राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी थे, ने जयपुर में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

जयपुर में बुधवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र जमा कराने राजस्थान विधानसभा पहुंचीं। साथ में राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा और अशोक गहलोत भी थे।

77 वर्षीय पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष पहली बार राजस्थान से उच्च सदन में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। गांधी उस सीट को भरेंगी जो अप्रैल में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के राज्यसभा कार्यकाल पूरा होने के बाद खाली हो जाएगी। सोनिया गांधी ने 2019 में घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी लोकसभा चुनाव होगा। वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद राज्यसभा में प्रवेश करने वाली गांधी परिवार की दूसरी सदस्य होंगी, जो अगस्त 1964 से फरवरी 1967 तक उच्च सदन की सदस्य थीं। भाजपा ने कहा कि सोनिया गांधी का राज्यसभा के लिए चयन करने का निर्णय आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी की 'आसन्न हार' की स्वीकारोक्ति है। उन्होंने कहा, 'अमेठी में कांग्रेस की करारी हार के बाद अगला नंबर रायबरेली का था। सोनिया गांधी का राज्यसभा जाने का फैसला आसन्न हार की स्वीकारोक्ति है।' राज्यसभा की 56 सीटों को भरने के लिए द्विवार्षिक चुनाव 27 फरवरी को होंगे। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 फरवरी है। कांग्रेस कोषाध्यक्ष माकन को कर्नाटक से और अभिषेक सिंघवी को हिमाचल प्रदेश से मैदान में उतारा गया है। दोनों राज्यों में पार्टी की सरकार है। माकन ने पिछले साल हरियाणा से राज्यसभा चुनाव लड़ा था लेकिन असफल रहे थे।

कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका चौधरी को तेलंगाना से राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में नामित किया। साथ ही स्थानीय नेता एम अनिल कुमार यादव को दक्षिणी राज्य से नामित किया, जहां पार्टी दिसंबर में सत्ता में आई थी। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा हिमाचल से राज्यसभा की सीट चाह रहे थे, जो उनका गृह राज्य है। यह सीट खाली हो जाएगी क्योंकि भाजपा प्रमुख जे.पी.नड्डा का कार्यकाल इस साल अप्रैल में समाप्त हो जाएगा। कांग्रेस ने सैयद नसीर हुसैन को भी फिर से उम्मीदवार बनाया है, जो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यालय में समन्वयक हैं। कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य के रूप में हुसैन का यह दूसरा कार्यकाल होगा। एक बयान के अनुसार, पार्टी ने अपनी बिहार इकाई के प्रमुख अखिलेश प्रसाद सिंह को भी राज्य से फिर से उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने मंगलवार को अपना नामांकन दाखिल किया। बुधवार को घोषित सूची में कर्नाटक से पार्टी नेता जी सी चंद्रशेखर को भी पार्टी ने फिर से नामांकित किया है। मध्य प्रदेश से पार्टी ने स्थानीय नेता अशोक सिंह को मैदान में उतारा है। उसने महाराष्ट्र से चंद्रकांत हंडोरे को अपना उम्मीदवार बनाया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने घोषणा की कि मौजूदा राज्यसभा सदस्य मनोज कुमार झा और संजय यादव बिहार में राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार होंगे। मध्य प्रदेश में भाजपा के 'महिला मोर्चा' की प्रमुख माया नारोलिया, धार्मिक व्यक्ति उमेश नाथ महाराज, और इसके 'किसान मोर्चा' के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर, मध्य प्रदेश में अन्य उम्मीदवार हैं। मुरुगन तमिलनाडु से हैं, एक ऐसा राज्य जहां भाजपा के पास राज्यसभा सीट जीतने के लिए विधानसभा में पर्याप्त संख्याबल नहीं है। मध्य प्रदेश में भाजपा चार सीटें जीतने का दम रखती है, जबकि कांग्रेस एक सीट जीत सकती है। ओडिशा के मुख्यमंत्री और बीजद अध्यक्ष ने चुनाव में वैष्णव को अपनी पार्टी के समर्थन की घोषणा की, जिससे उनकी जीत तय हो गई। बीजद ने 2019 में राज्य से राज्यसभा उपचुनाव में भी उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया था।

बुंदेलखंड गौरव महोत्सव में विस्फोट, दो लोगों की मौत

भाषा। बांदा

बांदा से सटे चित्रकूट जिले में आयोजित दो दिवसीय बुंदेलखंड गौरव महोत्सव कार्यक्रम में बुधवार को भीषण विस्फोट हो गया जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई तथा इतने ही अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच के लिए अपर पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने हादसे में मारे गए लोगों के परिजन को पांच-पांच लाख रुपए और गंभीर रूप से घायल लोगों को 50-50 हजार रुपए की सहायता का भी ऐलान किया है। चित्रकूट के जिलाधिकारी (डीएम) अभिषेक आनंद ने बताया कि पर्यटन विभाग की ओर से दो दिवसीय बुंदेलखंड गौरव महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन चित्रकूट इंटर कॉलेज के मैदान में किया जा रहा है। बुधवार शाम आतिशबाजी का कार्यक्रम निर्धारित था, इसके लिए मंच के पीछे पटाखे रखे थे। उन्होंने बताया कि आतिशबाजी से पहले अपराह्न करीब सवा तीन बजे अचानक पटाखों में विस्फोट हो गया और जिससे वहां काम कर रहे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। डीएम ने बताया कि अभी मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो पाई। दोनों घायलों को प्रयागराज भेजा गया है। हादसे की गहराई से जांच की जा रही है। जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, जनपद चित्रकूट में दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। अपर पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर जांच के निर्देश दिए गए हैं। आदित्यनाथ ने कहा, संबंधित अधिकारियों को मृतकों के परिजनों को तत्काल पांच-पांच लाख रुपए और गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने के भी निर्देश दिए गए हैं।

मथुरा-वृंदावन में बुधवार को श्री बांके बिहारी मंदिर में बसंत पंचमी पर्व के उपलक्ष्य में गुलाल खेलते श्रद्धालु

केरल में ट्रैंकुलाइजर से जान गंवा रहे वन्य पशु

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

केरल वन विभाग के पशु चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा मंगलवार शाम को ट्रैंकुलाइज्ड किया गया एक तेंदुआ कन्नूर जिले में कुछ घंटों के भीतर मृत पाया गया। बताया जाता है कि ग्रामीण कन्नूर में एक खेत में घुस आया तेंदुआ स्टील की बाड़ में फंस गया और कुछ ही मिनटों में बेहोश हो गया। मौके पर पहुंची पशु चिकित्सा टीम ने अपनी ट्रैंकुलाइजर गन से एक शॉट दिया ताकि जंगली जानवर नींद से न उठे। शांत किए गए तेंदुए को त्रिशूर के सार्वजनिक उद्यान में ले जाया जा रहा था उसी समय साथ आए वन कर्मचारियों ने पाया कि तेंदुएं की मौत हो गई है। पिछले दो माह में ट्रैंकुलाइजर से मरने वाला यह चौथा जंगली जानवर है। पिछले दो महीनों में वन टीमों द्वारा ट्रैंकुलाइज किए जाने के बाद एक बाघ और दो तेंदुओं की मौत हो गई। हेरिटेज एनिमल टास्क फोर्स के अध्यक्ष वी के वेंकटचलम जैसे वन्य जीवन कार्यकर्ताओं ने पशु चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ-साथ मिशन में नियोजित ट्रैंक्विलाइज़र की योग्यता और प्रभावकारिता पर सवाल उठाया था। वेंकटचलम ने कहा, 'हमें डर है कि ऑपरेशन में पुराने ट्रैंक्विलाइज़र का प्रयोग किया जा रहा है और इससे जानवरों का जीवन खतरे में पड़ गया है।'

इस बीच, वायनाड में बुधवार सुबह एक और तेंदुए की मौजूदगी की

सूचना के बाद जिले भर में अलर्ट जारी किया गया है। लिसी जोसेफ, एक गृहिणी, सुबह की प्रार्थना सभा में भाग लेने के लिए चर्च जा रही थी, तभी चर्च के पास एक तेंदुए को देख वह दूसरी दिशा में भाग गई। स्थानीय सीपीआई (एम) नेताओं ने अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों पर हमले के लिए तेंदुए को दोषी ठहराया और वन मंत्री ए के ससींद्रन ने विधानसभा में एक कानून पेश किया, जिसमें घोषणा की गई कि मानव बस्तियों में प्रवेश करने वाले सभी जंगली जानवरों को बिना किसी चेतावनी के खत्म कर दिया जाए।

हालाँकि वन विभाग एक जंगली हाथी को मार गिराने की कोशिश कर रहा है जिसने एक 47 वर्षीय व्यक्ति को उसके घर में मार डाला था। इस उद्देश्य के लिए गठित एक विशेष टास्क फोर्स से तीन से चार बार हाथियों को निशाना बनाने में विफल रहा क्योंकि वे गहरे जंगलों में छिप जाते हैं। मंत्री ने सदन में कहा कि कर्नाटक से जंगली हाथी, जिसके साथ वायनाड की साझा सीमा है, भोजन और पानी के लिए जिले में घुस रहे हैं। ससींद्रन, (जिन्होंने केपीसीसी अध्यक्ष के सुधाकरन के अनुसार जंगल नहीं देखा है) ने कहा कि बस्तियों में घुसपैठ करने वाले सभी जंगली जानवरों को बिना किसी चेतावनी के मार दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नोएडा को देंगे 19 हजार करोड़ की आईटी प्रोजेक्ट की सौगात

● 80 हजार से ज्यादा लोगों को मिलेगा रोजगार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा शहर आईटी और इलेक्ट्रोनिक्स के क्षेत्र में विश्व भर में अपनी खास पहचान स्थापित करने के लिए तैयार है। देश के पीएम नरेन्द्र मोदी नोएडा गौतमबुद्धनगर को 19 हजार करोड़ की आईटी और इलेक्ट्रोनिक सेक्टर में दो प्रोजेक्ट की सौगात देंगे। जिसमें 80 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा।

दरअसल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लखनऊ में 19 फरवरी को होने वाले भूमि पूजन समारोह में 60 आईटी प्रोजेक्ट का शुभारंभ करेंगे। पिछले साल फरवरी में हुए वैश्विक निवेशक सम्मेलन में आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में 5.29 लाख करोड़ के 321 निवेश प्रस्ताव आए थे। इन्हीं प्रस्तावों के तहत पीएम मोदी आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स के 60 मेगा प्रोजेक्ट का शुभारंभ करेंगे।

इनमें 91.456 करोड़ रूपये का निवेश प्रस्तावित है। पीएम मोदी जिन 60 मेगा प्रोजेक्ट का शुभारंभ करेंगे उनमें नोएडा डाटा सेंटर पार्क भी शामिल है। जिसे एनआईडीपी डेवलपर्स 20 एकड़ जमीन पर बना रहा है। 30 हजार करोड़ की लागत से तैयार हुई ये परियोजना 2100 से ज्यादा रोजगार का सृजन करेगी। टीएआरक्यू सेमीकंडक्टर्स अपनी परियोजना यमुना एक्सप्रसव औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र यीडा में ला रही है। यह परियोजना 28440 करोड़ के निवेश के साथ इंटीग्रेटेड कंपाउंड सेमीकंडक्टर्स का निर्माण और असेंबल करेगी।

इस परियोजना से एक हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। सिफी इन्फि निट स्पेस लिमिटेड 19000 करोड़ की दो परियोजनाएं लगा रहा है। इनमें से एक न्यू ऐज हॉरीजेन्टल डाटा सेंटर में 11 हजार करोड़ का निवेश होगा, दूसरी परियोजना में 8000 करोड़ का निवेश होगा। दोनों परियोजनाएं गौतमबुद्ध नगर में आ रही हैं। पीएम द्वारा इन प्रोजेक्ट के शुभारंभ से नोएडा गौतमबुद्धनगर शहर 80 हजार से ज्यादा लोगों को आईटी व इलेक्ट्रोनिक्स के क्षेत्र में रोजगार देगा। इन प्रोजेक्ट के शुरू होने के बाद नोएडा शहर दुनिया के पटल पर अपनी खास पहचान स्थापित कर देगा।

16 फरवरी से 4 मार्च तक आयोजित होगा सरस आजीविका मेला

● नोएडा हाट में 28 राज्यों के 400 से अधिक शिल्पकार शामिल होंगे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में चौथी बार पर्यटन, परंपरा, कला एवं संस्कृति का मनोरम माहौल थीम के साथ, 16 फरवरी से लेकर 04 मार्च 2024 तक प्रसिद्ध सरस आजीविका मेला 2024 का आयोजन, सेक्टर 33 के नोएडा हाट में किया जा रहा है।

उक्त विषय में प्रैस वार्ता के दौरान स्वाति शर्मा, संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम जिलाधिकारी मनीष वर्मा तथा चिरंजीलाल कटारिया ने विस्तृत जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान एनआईआरडीपीआर द्वारा आयोजित इस सरस आजीविका मेला 2024 में ग्रामीण भारत की शिल्प कलाओं का मुख्य रूप से प्रदर्शन किया जाएगा।

16 फरवरी से 04 मार्च 2024 तक चलने वाले इस उत्सव में नोएडा के नोएडा हाट में मौजूद करीब 28 राज्यों के 400 से अधिक महिला शिल्प कलाकार, जो परंपरा, हस्तकला एवं ग्रामीण संस्कृति तथा स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं, इसके साथ ही 85 से ज्यादा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। सरस मेले वर्ष 1999 से निरंतर आयोजित हो रहे हैं। इन मेलों के माध्यम से लाखों महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। मेले में बच्चों के खेलकूद व मनोरंजन के लिए भी संसाधन मौजूद रहेंगे।

तीन टुकड़ों में मेरठ में मिला शव

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर थाना क्षेत्र से 5 दिन पहले लापता युवक का शव तीन टुकड़ों में मेरठ से मिला है। युवक का इलाके की एक शादीशुदा महिला से प्रेम प्रसंग था। आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा के दनकौर थाना क्षेत्र के मंडपा गांव निवासी सोहेल पुत्र दीन मोहम्मद लापता हो गया था। परिजनों ने काफी तलाशने के बाद दनकौर थाने में सोहेल की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सोहेल को तलाश कर रही पुलिस को मेरठ पुलिस से सूचना मिली कि एक युवक का शव बोरे में मिला है।

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्जदारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	उषा/ दीपकसिंह भाटी/ LBNOD00004699590/ LBNOD00004749132	यूनिट नंबर 937, गौर अतुल्यम, फ्लोर 9, टॉवर ई, गौर अतुल्यम, प्लॉट नंबर जीएच 01ए, सेक्टर ओमीक्रॉन 1 गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा में स्थित है।/ फरवरी 09, 2024	सितम्बर 18, 2023 रु. 28,00,515/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	हर्ष वर्धन/ सचिन कुमार/ LBNOD00006523888/ TBNOD00006520258	यूनिट नंबर 1902, 19वीं मंजिल, टॉवर एम, द एक्सप्रेस पार्क व्यू-2, प्लॉट नंबर जीएच03, सेक्टर- सीएचआई-वी, ग्रेटर नोएडा/ फरवरी 09, 2024	सितम्बर 26, 2023 रु. 31,10,322/-	दिल्ली/ एनसीआर
3.	नवीन कुमार त्यागी/ अनुपमा/ LBDEL00002361230	फ्लैट नंबर 1706, 17वीं मंजिल, टॉवर ए, गायत्री ऑरा, प्लॉट नंबर जीएच 11, सेक्टर-1, नोएडा एक्सटेंशन, ग्रेटर नोएडा/ फरवरी 09, 2024	सितम्बर 26, 2023 रु. 32,92,412/-	दिल्ली/ एनसीआर और मुजफ्फरनगर/ जामनगर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : फरवरी 15, 2024
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

RAMPUR FERTILIZERS LIMITED

CIN: L15136UP1988PLC010084
Registered Office: Judges Bareilly Road, Rampur 244 901 (U.P.)
Email id- rkumar@rampurfert.com, Web.: www.rampurfert.com

EXTRACT OF UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER ENDED ON 31ST DEC. 2023

(Rs. In Lacs)

S. No.	Particulars	Standalone Results				Consolidated Results	
		Quarter Ended			Year Ended	Quarter ended	Year ended
		Unaudited 31.12.2023	Unaudited 30.09.2023	Unaudited 31.12.2022	Audited 31.03.2023	Unaudited 31.12.2023	Audited 31.03.2023
1	Total Income from Operations	566.41	547.85	544.81	3230.03	566.41	3230.03
2	Net Profit / (Loss) for the period (before tax, exceptional items)	-55.04	-26.76	-115.94	-331.55	-55.04	-331.55
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after exceptional items)	-55.04	-28.62	-115.94	-331.55	-55.04	-331.55
4	Net Profit / (Loss) for the period after tax	-55.04	-28.62	-115.94	-338.21	-55.04	-338.21
5	Net Profit / (Loss) after other comprehensive income	-27.95	-30.18	-129.26	-345.55	-27.95	-345.55
6	Net Profit / (Loss) after taxes, & Share of Profit / (Loss) of Associtates	-27.95	-30.18	-129.26	-345.55	-26.96	-334.76
7	Paid up Equity Share Capital	494.82	494.82	494.82	494.82	494.82	494.82
8	Earnings/(loss) per share (of Rs. 10/- each) (not annualised, in Rs.) Basic / Diluted	-0.56	-0.61	-2.61	-6.98	-0.54	-6.77

NOTES:

1 The above is an extract of the financial results for the quarter ended on 31st Dec. 2023 filed with the stock exchanges under regulation 33 of SEBI (LODR) Regulation, 2015. The full Financial results for the quarter ended 31st Dec. 2023 are available on www.msei.in, www.cse-india.com and www.rampurfert.com.

By order of the Board
Sd/-
Anshuman Khaitan
(Managing Director)

Place : Rampur
Date : 14/02/2024

पीरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

Piramal Capital & Housing Finance

पंजीकृत कार्यालय पता: यूनिट नं. 601, 6वीं मंजिल पीरामल अमिटी बिल्डिंग, पीरामल अगस्त्य कॉर्पोरेट पार्क, कमानी जंक्शन, फायर स्टेशन के सामने, एलबीएस मार्ग, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई-400070
सीआईएन: L65910MH1984PLC032639, वेबसाइट : www.piramalfinance.com
शाखा का पता: धीरज बाग, बिल्डिंग "ए" भूतल और प्रथम तल, एक्सिस बैंक के साथ में, मोनालिसा बिल्डिंग के समाने, आगरा रोड, हरि निवास सर्कल, नौपाड़ा, ठाणे (पश्चिम)-400602

मांग सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) के साथ पठित। अधोहस्ताक्षरी वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 (उक्त अधिनियम) के प्रवर्तन के तहत पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पीसीएचएफएल) का प्राधिकृत अधिकारी है। सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस जारी कर आह्वान किया है निम्नलिखित उधारकर्ता(ओं) ("उक्त उधारकर्ता") को जारी किए गए संबंधित मांग नोटिस में उल्लिखित राशि चुकाने के लिए नीचे दिया गया है। उपरोक्त के संबंध में, एक बार फिर उक्त उधारकर्ता को इस नोटिस के प्रकाशन से 60 दिनों के भीतर पीसीएफएल को भुगतान करने का नोटिस दिया जाता है। नीचे दी गई तारीखों से भुगतान और/या वसूली की तारीख तक, अन्य दस्तावेजों/लेखों के साथ पठित ऋण समझौते के तहत देय, उक्त मांग नोटिस में बताए गए अतिरिक्त ब्याज के साथ, नीचे दर्शाई गई राशियाँ, यदि कोई हो, उक्त उधारकर्ता(ओं) द्वारा निष्पादित। ऋण के उचित पुनर्भुगतान के लिए सुरक्षा के रूप में, निम्नलिखित परिसंपत्तियों को क्रमशः उक्त उधारकर्ता द्वारा पीसीएफएल को गिरवी रखा गया है।

उधारकर्ता/गारंटर्स का नाम	मांग सूचना की तिथि और राशि साथ में एन पी ए की तिथि	सम्पत्ति का पता
(गुड़गांव शाखा का एलसी नं. M0035284) सतीश कुमार (उधारकर्ता) बबीता (सह-उधारकर्ता 1)	03.01.2024/रु. 41,64,045/- (रु. इकतालीस लाख चौसठ हजार पैतालीस मात्र) एनपीए (04.10.2023)	प्लॉट नं. 49-बी, ब्लॉक बी, इंद्रपुरी कॉलोनी एबीसीडी, हदबस्त ग्राम धरोती खुर्द, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, पिन कोड-201001
(लखनऊ-गोमती नगर शाखा का एलसी नं. M0221580) कपिल गौड़ (उधारकर्ता) नीरू गौड़ (सह-उधारकर्ता 1)	03-01-2024/रु. 46,65,775.34 (रु. छियालीस लाख पैंसठ हजार सात सौ पचहत्तर और पैसे चौंतीस मात्र) एनपीए (04-10-2023)	फ्लैट नं. 302ए, तीसरी मंजिल, प्लॉट नं. 17 एवं 17ए पर निर्मित, खसरा नं. 1202, जिसका क्षेत्रफल 1350 वर्ग फुट, मोहल्ला-शिव विहार कॉलोनी, (ग्राम-गुडियन का पुरवा), वार्ड- जानकीपुरम, तहसील एवं जिला- लखनऊ
(दिल्ली-द्वारका शाखा का एलसी नं. HLSA0000773B) सितिना (उधारकर्ता) राकेश (सह-उधारकर्ता 1)	03-01-2024/रु. 53,74,255.29 (रु. तिरेप्पन लाख चौहत्तर हजार दो सौ पच्चपन और पैसे उनतीस मात्र) एनपीए (04-10-2023)	डीडीए एमआईजी फ्लैट नं. 875, द्वितीय तल, पॉकेट जीएच-14/जी 17 पश्चिम विहार नई दिल्ली 110087
(दिल्ली शाखा का एलसी नं. BLSA00008D20) सुरेंद्र पाल (उधारकर्ता) दयावती देवी (सह-उधारकर्ता 1) मुनेश (सह-उधारकर्ता 2)	03-01-2024/रु. 8,92,573/- (रु. आठ लाख बान्वे हजार पाँच सौ तिहत्तर मात्र) एनपीए (05-12-2023)	खसरा नं. 484 तिरंगा कॉलोनी, नंबरदार स्विमिंग पूल के पास, ग्राम असालतपुर फरख नगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201003
(दिल्ली-कालकाजी शाखा का एलसी नं. HLSA0000A60B) नदीम मियां (उधारकर्ता) फरहा (सह-उधारकर्ता 1)	03-01-2024/रु. 10,74,771.48 (रु. दस लाख चौहत्तर हजार सात सौ इकहत्तर और पैसे अडतालीस मात्र) एनपीए (04-10-2023)	फ्लैट नं. जीएफ-04, भूतल (पीछे दाएं हाथ की ओर) बिना छत के अधिकार के, एलआईजी, प्लॉट नं. ए-52, खसरा नं. 351, रेल विहार सहकारी आवास समिति लिमिटेड, ग्राम सादुल्लाबाद, परगना लोनी, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, यूपी 201102
(आगरा शाखा का एलसी नं. HLSA0002A40C) अखलेश कुमार (उधारकर्ता) शशि यादव (सह-उधारकर्ता 1)	03-01-2024/रु. 27,75,242.63 (रु. सत्ताईस लाख पिचहत्तर हजार दो सौ ब्यालीस और पैसे तिरेसठ मात्र) एनपीए (19-10-2023)	खसरा नं. 62 का भाग, जोकि सरस्वती विहार, सराये मूलकचंद, मौजा- चक पंचम, तहसील एवं जिला आगरा 282001
(दिल्ली शाखा का एलसी नं. HLSA0002CE72) विनोद कुमार (उधारकर्ता) दीपा सैनी (सह-उधारकर्ता 1)	03-01-2024/रु. 81,20,534.2 (रु. इक्यासी लाख बीस हजार पाँच सौ चौंतीस और पैसे बीस मात्र) एनपीए (19-10-2023)	प्लॉट नं. 47, बेसमेंट और भूतल, बिना छत के अधिकार के, ब्लॉक-V, इरोज गार्डन, सूरज कुंड रोड, सेक्टर 39, फरीदाबाद, हरियाणा - 121009
(दिल्ली शाखा का एलसी नं. M0118495) वतन कुमार (उधारकर्ता) देव राजी देवी (सह-उधारकर्ता 1)	03-01-2024/रु. 15,89,155/- (रु. पद्रंह लाख नवासी हजार एक सौ पच्चपन मात्र) एनपीए (03-09-2023)	संपत्ति नं. 117 (न्यू सं. ई-126), भूतल और दूसरी मंजिल (छत के अधिकार सहित), खसरा नं. 118/18 में से, ब्लॉक-ई, ग्राम पालम, महावीर एन्क्लेव, नई दिल्ली-110059
(वारंगल शाखा का एलसी नं. HLSA0004BFB3) अजय कुमार (उधारकर्ता) कीर्ति (सह-उधारकर्ता 1)	22-01-2024/रु. 95,72,324.56 (रु. पिच्चान्वे लाख बहत्तर हजार तीन सौ चौबीस और पैसे छप्पन मात्र) एनपीए (04-01-2024)	प्लॉट नं. 56 ब्लॉक-डी, टीएफ-(बिना छत के) सेक्टर 8 एमसीडी स्कूल के पास द्वारका नई दिल्ली 110077

यदि उक्त उधारकर्ता उपरोक्तानुसार पीसीएचएफएल को भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो पीसीएचएफएल अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, लागत और परिणामों के संबंध में पूरी तरह से उक्त उधारकर्ताओं के जोखिम पर होगा। अधिनियम के तहत उक्त उधारकर्ताओं को पीसीएचएफएल की पूर्व लिखित सहमति के बिना, बिक्री, पट्टे या अन्यथा उपरोक्त संपत्तियों को स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है। कोई भी व्यक्ति जो उक्त अधिनियम या उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या उल्लंघन के लिए उकसाता है, अधिनियम के तहत प्रावधान के अनुसार कारावास और/या दंड के लिए उत्तरदायी होगा।

दिनांक: 15.02.2024, स्थान: दिल्ली — पीरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

हिंदुस्तान ऑटो फाइनेंस लिमिटेड

सीआईएन:L65910DL1980PLC010617
ई-मेल: hindaf1980@gmail.com, वेबसाइट: www.hindaf.in
रजि. कार्या. केबिन नंबर डीए-8, 02वीं मंजिल, विकास मार्ग, शकरपुर, नई दिल्ली-110092

दिनांक 31.12.2023 को समाप्त तिमाही और नौ माह हेतु स्टैंडअलोन अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विवरण का सारांश

(लाख रूपये में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्ति 31.12.2023	नौ माह समाप्ति 31.12.2023	तिमाही समाप्ति 31.12.2022
		अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित
1	संचालनों से कुल आय	12.10	13.97	5.03
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पूर्व, आपवादिक और/या असाधारण मदे)	8.19	-1.12	0.39
3	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मद पश्चात्)	8.19	-1.12	0.39
4	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मद पश्चात्)	8.19	-1.12	0.39
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	8.19	-1.12	0.39
6	इक्विटी शेयर पूंजी	35.03	35.03	35.03
7	रिजर्व (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर) जैसा कि दिनांक 31.03.2023 लेखापरीक्षित तुलन पत्र में दर्शाया है	-	-106.94	-
8	प्रति शेयर आय			
	1. मूलभूत	0.23	-0.03	0.01
	2. तरलीकृत	0.23	-0.03	0.01

टिप्पणियाँ:

(1) उपरोक्त 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के नियम-33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ दायर विस्तृत त्रैमासिक वित्तीय परिणामों का एक सारांश है। 31 दिसंबर,2023 को समाप्त तिमाही के पूर्ण तिमाही वित्तीय परिणाम कंपनी की वेबसाइट www.hindaf.in और मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (www.msei.in) की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

(2) 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के उपरोक्त अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों की समीक्षा ऑडिट समिति द्वारा की गई और उसके बाद 14 फरवरी, 2024 को आयोजित उनकी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित और रिकॉर्ड पर लिया गया। कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षकों ने उपरोक्त वित्तीय परिणामों की सीमित समीक्षा की है।

कृते मैसर्स हिंदुस्तान ऑटो फाइनेंस लिमिटेड
हस्ता/-
प्रबंध निदेशक
सुभाष सपरा
डीआईएन: 00241940

दिनांक: 14.02.2024
स्थान: नई दिल्ली

कोस्को (इंडिया) लिमिटेड

सीआईएन: L25199DL1980PLC010173
रजि. कार्यालय: 2/8, रूप नगर, दिल्ली-110007
वेबसाइट: www.cosco.in ईमेल: mail@cosco.in
टेलीफोन: 91-11-23843000, फैक्स: 91-11-23846000

दिनांक 31.12.2023 को समाप्त तिमाही और नौ माह हेतु स्टैंडअलोन अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का सारांश

(रु. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्ति			नौ माह समाप्ति		वर्ष समाप्ति
		31.12.2023	30.09.2023	31.12.2022	31.12.2023	31.12.2022	31.03.2023
		अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1	संचालनों से कुल आय	4,066.23	4,180.82	3,952.51	12,802.54	11,170.63	15,318.31
2	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ	110.18	122.83	48.48	355.59	78.56	90.50
3	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ	115.27	65.83	53.35	235.43	67.37	68.05
4	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	116.02	66.58	53.35	237.68	67.37	71.04
5	इक्विटी शेयर पूंजी	416.10	416.10	416.10	416.10	416.10	416.10
6	अन्य इक्विटी						4,239.43
7	प्रति शेयर आय (प्रत्येक 10 रु. का)						
	(क) मूलभूत (रु.)	2.77	1.58	1.28	5.66	1.62	1.64
	(ख) तरलीकृत (रु.)	2.77	1.58	1.28	5.66	1.62	1.64

टिप्पणियाँ:

1 उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्ट,क एक्सचेंज में दायर किए गए त्रैमासिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। त्रैमासिक/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइटों (www.bseindia.com/corporates) और कंपनी की वेबसाइट www.cosco.in पर उपलब्ध है।

2 उपरोक्त परिणामों की समीक्षा ऑडिट समिति द्वारा की गई है और कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा 14 फरवरी, 2024 को आयोजित उनकी संबंधित बैठक में अनुमोदित किया गया है।

बोर्ड के आदेश द्वारा
कोस्को (इंडिया) लिमिटेड
अरुण जैन
पूर्णकालिक निदेशक और सीएफओ
डीआईएन: 01054316

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 14.02.2024

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री संदीप कुमार पुत्र स्व. केदार प्रसाद मकान नंबर डी-306, क्षेत्रफल 27.5 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 193, अनाधिकृत कॉलोनी, त्रिपाठी एन्कालवे, प्रेम नगर नांगलोई II, ग्राम मुंडका दिल्ली में स्थित राजस्व संपत्ति के मालिक हैं। DDA-PM-UDAY सेल रजि. क्रमांक 1076, दिनांक 24.02.2021 SR-VI D नई दिल्ली द्वारा निष्पादित पंजीकृत प्राधिकरण पर्ची के माध्यम से। उपरोक्त संपत्ति फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास बंधक होने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/बैंक/वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा/अधिकार, ग्रहणाधिकार, कोई आपत्ति है, तो उसे दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर पंजीकृत अधिवक्ता के माध्यम से सलाहकार/अधोहस्ताक्षरी विशाल मेहन, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली-110092 के पते पर सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर किसी भी दावे, ग्रहणाधिकार या आपत्ति को माफ कर दिया गया माना जाएगा। **एडवोकेट विशाल मेहन, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली-110092, मोबाइल 9811215181**

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that **Anjana Chopra** claims to be owner and in possession of **First Floor of Prop. No. 254 Block-E, Greater Kailash-I, New Delhi 48 (hereinafter called the said property)** by virtue of Will Dated 28.03.2003, Doc No. 3370 Executed by Mangal Das Bajaj r/w Family Settlements dated 10.07.2012 and 19.08.2012, said late Mangal Das Bajaj was the owner of said property by virtue of sale Deed Dated 20.08.1962 Doc No. 6304 and Said **Anjana Chopra along with other legal heirs as confirming party** has agreed to sell the said Property to **Vandana Seth** And Said **Vandana Seth** has agreed to create a mortgage in favour of our clients Axis Bank Ltd., East of Kailash Branch, New Delhi, any person/shaving claim against the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, lien or otherwise howsoever, are hereby intimated to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within **10 days** from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned and our client shall proceed with the disbursement of loan and subsequent creation of mortgage in respect thereof.

Vishal Diwan (Advocate)
For Diwan and Company LLP
H. No.2 (LGF), NRI Complex New Delhi-19
Mobile No. 9818399999

PUBLIC NOTICE

All general public is hereby informed that my clients Sh. Krishan Kumar Chhabra and Smt. Kavita Chhabra W/o Sh. Krishan Kumar Chhabra both R/o Flat No. 18, Saraswati Enclave Apartments, Sector-9, Rohini, Delhi-110085 have severed their relation and disowned their son, namely Mr. Hitesh Chhabra and Daughter-in-Law namely Mrs. Nidhi Jhandai from all the movable and immovable properties owned by my clients due to their misbehavior and disobedience towards my clients. My clients shall not be liable for any loss, whatsoever in nature, caused to anyone because of them.

Vishva Nath Kumar, Advocate.
Ch. No. 718, Rohini District Courts, New Delhi -110085

PUBLIC NOTICE

My client Tulsi Ram Sablania S/O desu Ram Sablania, R/O 3063, Beadenpura. Karol Bagh, New Delhi have disowned / debarred to his son NEERAJ SABLANIA from his all moveable and immovable properties and have also severed all the relationship with him due to his anti-social activities and is not under his control, whosoever deals with him shall be responsible, for which my client shall not be responsible for him in any manner whatsoever. Sd/-

S.S. RAGHAV, ADVOCATE
CH. NO. K-7, TIS HAZARI COURT, DELHI-110054

GAZETTE PUBLICATION

In the Court of the Principal Judge, Family Court at Seraikella
O.S. (Matrimonial) Suit No. 78 / 2022

Gyan Prakash .... Petitioner
Vrs
Mrs. Sarita Sahni .... Respondent

To,
Mrs. Sarita Sahni, W/o Mr. Gyan Prakash and Daughter of Mr. Ram Bilas Sahni, Resident of at B-312, Mathur House, Lal Bag, Azadpur, New Delhi, P.I.N. 110033.

Whereas the petitioner Gyan Prakash has instituted a matrimonial case against you Under Section 9 of the Hindu Marriage Act for restitution of Conjugal Rights. In spite of notices served through registered post as well as Nazarat you did not appear in court. You are hereby summoned to appear before the court in this case personally or through your lawyer duly instructed to answer the question raised by the petitioner and to file Written Statement on that day of your appearance. The date is fixed for your appearance on this the 4th day of March 2024 at 10:30 A.M. If no appearance made on the date fixed, the matter will be heard and necessary order will be passed in your absence.

Given under my hand and seal of this court this the 5th day of February 2024.

Sd/- Principal Judge, Family Court at Seraikella

आई एस टी लिमिटेड

रजि. कार्यालय: धारूहेड़ा औद्योगिक परिसर, दिल्ली-जयपुर राजमार्ग सं. 8, कापड़ीवास, धारूहेड़ा, रेवाड़ी (हरियाणा)-123106
प्रधान कार्यालय: ए-23, नया कार्यालय परिसर, दूसरी मंजिल, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024
सीआईएन: L33301HR1976PLC008316, फोन नं. 011-41044511-14, फैक्स: 011-24625694, ईमेल: istgroup.ho@gmail.com; वेबसाइट: www.istindia.com

31 दिसंबर, 2023 को तिमाही और वर्ष समाप्ति हेतु वित्तीय परिणाम का सारांश

(रुपये लाख में)

क्र. सं.	विवरण	स्टैण्डअलोन				समेकित			
		तिमाही समाप्ति			वर्ष समाप्ति	तिमाही समाप्ति			वर्ष समाप्ति
		31.12.2022 अलेखापरीक्षित	30.09.2023 लेखापरीक्षित	31.12.2022 अलेखापरीक्षित	31.03.2023 लेखापरीक्षित	31.12.2023 अलेखापरीक्षित	30.09.2023 लेखापरीक्षित	31.12.2022 अलेखापरीक्षित	31.03.2023 लेखापरीक्षित
1	कुल आय	1758.05	1559.38	983.40	3925.58	5776.62	4495.10	3548.64	16241.95
2	आपवादिक मद और कर पूर्व शुद्ध लाभ	1172.86	1040.97	378.33	921.48	4781.84	3757.84	2679.10	10679.22
3	कर पूर्व आपवादिक मद पश्चात् शुद्ध लाभ	1172.86	104097	378.33	921.48	4781.84	3757.84	2679.10	10679.22
4	कर पश्चात् शुद्ध लाभ	914.63	835.18	310.93	777.50	3215.51	3211.97	2052.49	8130.42
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय (निवल कर)	915.11	835.64	311.93	779.38	5887.64	4904.34	2799.39	7687.45
6	इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रु. 5/- प्रति शेयर)	584.68	584.68	584.68	584.68	584.68	584.68	584.68	584.68
7	अन्य इक्विटी	-	-	-	20900.75	-	-	-	110358.31
8	प्रति शेयर आय (अंकित मूल्य रु. 5/- प्रति शेयर)								
	- मूलभूत (रु.)	7.84	7.16	2.67	6.67	27.66	27.61	17.67	70.07
	- तरलीकृत (रु.)	7.84	7.16	2.67	6.67	27.66	27.61	17.67	70.07

टिप्पणी:- उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई लिमिटेड) के साथ दायर 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है।.

स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (www.bseindia.com) और कंपनी की वेबसाइट www.istindia.com पर उपलब्ध है।

आईएसटी लिमिटेड के लिए बोर्ड के आदेश द्वारा
हस्ता/-
(एस.सी. जैन)
निदेशक
डीआईएनरू 00092079

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13.02.2024

ओके प्ले इंडिया लिमिटेड

सीआईएन नं. L28219HR1988PLC030347
पंजी. कार्यालय: प्लॉट नं. 17, रोज-का-मेओ इंडस्ट्रियल ईस्टेट, तहसील नूंह, जिला मेवात, हरियाणा-122103 भारत
ईमेल: investor.realations@okplay.in, वेबसाइट: www.okplay.in

31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों हेतु स्टैंडअलोन और समेकित अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का सारांश

(रु. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन						समेकित					
		तिमाही समाप्ति			नौ माह समाप्ति		वर्ष समाप्ति	तिमाही समाप्ति			नौ माह समाप्ति		वर्ष समाप्ति
		31.12.2023 अलेखापरीक्षित	30.09.2023 अलेखापरीक्षित	31.12.2022 अलेखापरीक्षित	31.12.2023 अलेखापरीक्षित	31.12.2022 अलेखापरीक्षित	31.03.2023 लेखापरीक्षित	31.12.2023 अलेखापरीक्षित	30.09.2023 अलेखापरीक्षित	31.12.2022 अलेखापरीक्षित	31.12.2023 अलेखापरीक्षित	31.12.2022 अलेखापरीक्षित	31.03.2023 लेखापरीक्षित
1	संचालनों से कुल आय	3,621.14	3,073.50	3,622.36	10,178.03	9,700.19	13,305.86	4,092.83	4,044.71	4,700.40	12,462.67	12,831.56	18,169.37
2	आपवादिक मद और कर पूर्व शुद्ध लाभ/(हानि)	8.92	57.75	451.73	151.07	131.35	30.53	174.30	68.89	431.51	296.04	34.03	308.11
3	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक मद पश्चात्)	9.42	53.86	446.91	148.02	105.97	7.69	174.80	65.00	426.69	292.99	8.65	285.27
4	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक मद पश्चात्)	9.42	53.86	446.91	148.02	105.97	(390.08)	106.79	41.47	448.68	184.46	6.94	(195.77)
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय/(हानि) [अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	9.42	53.86	446.91	148.02	105.97	(446.66)	106.79	41.47	448.68	184.46	6.94	(252.35)
6	इक्विटी शेयर पूंजी	2,856.61	2,646.10	1,920.81	2,856.61	1,920.81	1,919.61	2,857.61	2,646.10	1,920.81	1,919.61	1,920.81	1,919.61
7	अन्य इक्विटी शेयर (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर)	-	-	-	-	2,589.13	2,036.51	-	-	-	7,962.44	1,968.31	1,708.88
8	प्रति शेयर आय (प्रत्येक 10 रुपये का) (जारी और बंद किए गए परिचालनों हेतु)-												
	(क) मूलभूत (रु. में)	0.03	0.20	2.33	0.52	0.55	(2.33)	0.37	0.16	2.34	0.65	0.04	(1.31)
	(ख) तरलीकृत (रु. में)	0.03	0.16	2.33	0.41	0.55	(2.33)	0.29	0.13	2.34	0.51	0.04	(1.31)

टिप्पणियाँ:

1 उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ दायर अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (www.bseindia.com) और कंपनी की वेबसाइट (www.okplay.in) पर उपलब्ध है।

2 उपरोक्त स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों की समीक्षा लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई है और बुधवार, 14 फरवरी, 2024 को आयोजित बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है।

कृते ओके प्ले इंडिया लिमिटेड
हस्ता/-
राजन हांडा
प्रबंध निदेशक
(डीआईएन 00194590)

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 14 फरवरी, 2024

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 15 फरवरी, 2024

छात्रों को 10 बजे से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने की सलाह

10वीं, 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं आज से हो रही शुरू

संजय राय। नई दिल्ली

किसानों के दिल्ली चलो मार्च को मद्देनजर दिल्ली की तीन प्रमुख सीमाओं सिंघू, टीकरी, गाजीपुर बॉर्डर पर लोहे और कंक्रीट के बैरिकेड लगाए गए हैं।

साथ ही कंटीलेतार, कंटेनर और डंपर लगाकर भी रास्ते बंद कर दिए गए हैं। जिसके चलते सीमा के आसपास भारी जाम लगा रहा है। मौजूदा हालात को देखते हुए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड स्कूलों, अभिभावकों और छात्रों को सलाह दी है कि वे परीक्षा केंद्र पर सुबह 10 बजे या उससे पहले पहुंचे। इसके अलावा छात्र ज्यादा से ज्यादा मेट्रो का उपयोग करने को कहा क्योंकि मेट्रो सुचारु रूप से चल रही है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से देशभर में 15 फरवरी से कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाएं शुरू की जा रही हैं। बोर्ड परीक्षा से एक दिन पहले यानी 14 फरवरी को सीबीएसई की ओर से स्कूलों, छात्रों और अविभावकों के लिए निर्देश जारी कर परीक्षा केंद्रों पर तय समय पर पहुंचने की सलाह दी गयी है।

सीबीएसई की ओर से जारी की गयी नोटिस में बताया गया है कि बोर्ड परीक्षाओं की शुरुआत सुबह 10 : 30 बजे से शुरू की जाएगी। ऐसे में सभी छात्रों को सुबह 10.00 बजे या उससे पहले अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचने का निर्देश दिया है।

दिल्ली की मौजूदा स्थिति को देखते हुए उम्मीद की जाती है कि यातायात संबंधी समस्याएं होंगी जिसके कारण परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में देरी हो सकती है। इसलिए सभी छात्रों को सलाह दी जाती हैं कि वे अपने घरों से जल्दी निकलें ताकि वे सीबीएसई द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार समय पर अपने गंतव्य परीक्षा केंद्रों पर पहुंच सकें।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. संयम भारद्वाज ने इसके अलावा पूरे भारत और अन्य देशों में सीबीएसई के सभी छात्रों से भी अनुरोध किया है कि वे स्थानीय परिस्थितियों, यातायात, मौसम की स्थिति, दूरी आदि को ध्यान में रखते हुए 10.00 बजे (आईएसटी) या उससे पहले परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के लिए अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

केवल उन्हीं छात्रों को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी जो सुबह 10.00 बजे परीक्षा केंद्र में प्रवेश कर लेंगे। इसके बाद किसी भी छात्र को अनुमति नहीं दी जाएगी। सीबीएसई ने सभी स्कूलों से अनुरोध है कि वे अभिभावकों और छात्रों की मदद करें और उनका मार्गदर्शन करें।

पुलिस बैरिकेडिंग के चलते सराये काले के पास वाहनों की लंबी कतारें लग गई। फोटो: रंजन डिमरी

दूसरे दिन भी लोगों की कम नहीं हुई मुसीबत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

किसान आंदोलन के मद्देनजर पुलिस ने सिंघू और टिकरी सीमाओं पर कई स्तर के अवरोधक लगाकर वाहनों की आवाजाही रोक दी, जिससे बुधवार को दिल्ली के सीमावर्ती इलाकों में यातायात प्रभावित हुआ। हरियाणा से सटी सिंघु और टिकरी सीमाएं यातायात के लिए पूरी तरह से बंद कर दी गई हैं जबकि गाजीपुर बॉर्डर पर अभी भी विनियमित तरीके से वाहनों की आवाजाही की अनुमति है।

किसानों के दिल्ली मार्च को रोकने के लिए सिंघु बॉर्डर के पास एक गांव में सड़क का एक हिस्सा खोद दिया गया।

उत्तर प्रदेश से लगी अप्सरा और गाजीपुर सीमाएं यातायात के लिए खुली हैं लेकिन दोनों पर भारी सुरक्षा बल तैनात है। शाहदरा से नोएडा सेक्टर-62 की ओर यात्रा कर रहे अंकित सिंह ने कहा कि गाजीपुर बॉर्डर पर यातायात थोड़ा प्रभावित हुआ है। सिंह ने कहा, मुझे लगा कि यातायात बंद हो सकता है और मैं अपने कार्यालय तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग लेने की योजना बना रहा था। हालांकि, गाजीपुर बॉर्डर पर वाहनों की आवाजाही मामूली रूप से प्रभावित हुई है। वहां भारी सुरक्षा तैनाती है। लोगों को मंगलवार को दिल्ली और हरियाणा के बीच सिंघू बॉर्डर को पैदल पार करना पड़ा क्योंकि पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी की ओर किसानों के मार्च के मद्देनजर वाहनों की आवाजाही रोक दी थी।

हरियाणा के करनाल में रहने वाले हेम सिंह ने कहा कि वह एक शादी में शामिल होने के लिए उत्तर-पूर्वी दिल्ली जा रहे थे लेकिन उनकी बस को सीमा से लगभग एक किलोमीटर पहले रुकना पड़ा। सिंह ने कहा, बुधवार को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी में मेरे भतीजे की शादी है और हम यातायात प्रतिबंध के कारण फंस गए हैं। बस चालक ने सीमा से एक किलोमीटर पहले वाहन रोक दिया। हम दिल्ली की ओर पैदल जा रहे हैं और निश्चित नहीं हैं कि हमें कोई वाहन मिलेगा या नहीं। उन्होंने कहा, हमें किसानों के मार्च के बारे में पता था, लेकिन यह अंदाजा नहीं था कि हम यहां फंस जाएंगे।

टिकरी, सिंघु बॉर्डर पर दुकानदारों के लिए मुश्किल दौर

- किसान आंदोलन के चलते दो साल पहले हुआ था भारी नुकसान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

टिकरी और सिंघु बॉर्डर पर करीब दो वर्ष पहले किसानों ने विशाल विरोध प्रदर्शन किया था, जिससे दुकानदारों और व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था और आज जब फिर वहीं सब चीजें दोहराई जा रही है, तो यहां रहने वाले व्यापारियों के मन में एक बार फिर उथल-पुथल मची है।

यातायात सहित विभिन्न प्रतिबंधों के कारण स्थानीय लोगों को भी आने-जाने में काफी कठिनाई हो रही है और दुकानें अपराह्न दो बजे से पहले ही बंद हो रही हैं। कॉस्ट टू कॉस्ट नाम के खरीदारी परिसर के प्रबंधक निकेश ने कहा, हमारे कर्मी कार्यस्थल तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। पिछले दो दिनों से दुकानें बंद पड़ी हैं, जिससे रोजाना 40 से 50 हजार रुपए का नुकसान हो रहा है। जिस इमारत को दुकान किराए पर लिया हुआ है उसका दिन का किराया 20 हजार रुपए पड़ता है। उन्होंने सवाल किया कि कौन नुकसान की भरपाई करेगा, सरकार या किसान। स्थानीय बाजार में भी गिनी-चुनी दुकानें ही खुली हैं लेकिन ग्राहकों की कम संख्या और समय से पहले दुकान बंद करने से उन्हें भी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। इलाके के ही एक दुकानदार करण ने कहा, जब से यह प्रतिबंध लागू किए गए हैं तब से उनकी दुकानें 95 फीसदी घाटे में जा रही हैं। ग्राहक सिंघु बॉर्डर के साथ-साथ हरियाणा के इलाकों से भी आते थे। करण की इलाके में तीन दुकानें हैं, जिनमें से एक दुकान कपड़े की है। जब पिछली बार किसानों का आंदोलन हुआ था तो हमें अपनी तीनों दुकानें एक साल के लिए बंद करनी पड़ी थीं। अब यहां कोई ग्राहक नहीं है। पता नहीं, अब क्या होगा।

दिल्ली में अब भी सुरक्षा कड़ी

नई दिल्ली। किसानों के राष्ट्रीय राजधानी की ओर कूच करने के आह्वान के मद्देनजर बुधवार को भी कड़ी सुरक्षा है और मध्य दिल्ली तथा हरियाणा के साथ लगती सीमाओं पर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर अवरोधक लगाए गए हैं जिससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। एक अधिकारी ने बताया कि सिंघु और टिकरी सीमा पर यातायात की आवाजाही रोक दी गई है। दंगा रोधी साजो-सामान के साथ सुरक्षाकर्मी तैनात हैं और स्थिति पर नजर रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। सिंघु, टिकरी और गाजीपुर सीमा पर कई चरणों में अवरोधक, लोहे की कीलें और कंटेनर लगाए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर सीमाओं पर तथा मध्य दिल्ली में सुरक्षा और बढ़ाई जा सकती है।

एनसीआर से आने वाले ग्राहकों का पड़ा सूखा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं की नाकेबंदी से कारोबार प्रभावित हो रहा है। यहां दिल्ली एनसीआर से आने वाले ग्राहकों का सूखा पड़ गया है।

व्यापारियों एक संगठन ने बताया कि यहां के बाजारों में ग्राहकों की संख्या में 75 प्रतिशत तक की गिरावट आई है, वहीं 15 हजार से ज्यादा व्यवसायिक वाहनों के पहिए प्रवेश से पहले ही फंस गए हैं और 25 हजार से ज्यादा व्यवसायिक वाहन दिल्ली में ही फंसे हैं। दिल्ली के बाजारों में रोजाना सोनीपत, पानीपत, रेवाड़ी, बहादुरगढ़, नारनौल, गुड़गांव, बावल, नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद आदि एनसीआर के शहरों से लगभग 3 लाख ग्राहक आते हैं लेकिन किसान आंदोलन के कारण इनकी संख्या में पिछले 2 दिनों में भारी गिरावट आई है और 1 लाख से भी कम लोग बाजारों में खरीददारी के लिए आ रहे हैं।

चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने बताया कि बुधवार को बसंत पंचमी के कारण दिल्ली में लगभग 40 हजार शादियां हैं लेकिन किसान आंदोलन के कारण बैंक्वेट हॉल, होटल मालिकों की चिंता बढ़ गई है क्योंकि 200 से ज्यादा बैंक्वेट हॉल, होटल, रिसोर्ट, मोटेल बॉर्डर पर स्थित हैं।

एलजी व केजरीवाल ने 350 नई ई. बसों की किया रवाना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- बसें दिल्ली के सुखदेव विहार, रोहिणी सेक्टर-37 डिपो-दो और बुराड़ी बस डिपो-एक से अलग-अलग रूटों पर संचालित की जाएंगी

केजरीवाल सरकार ने सड़कों पर 350 नई इलेक्ट्रिक बसें उतार कर दिल्ली वालों को सौगात दी है। नई बसों के आने से दिल्ली परिवहन निगम के बेड़े में कुल 1650 इलेक्ट्रिक बसें हो गई हैं।

इसके साथ ही, सबसे अधिक इलेक्ट्रिक बसों के मामले में दिल्ली देश का पहला और विश्व का तीसरा शहर बन गया है। जबकि दो हजार ई-बस बेड़े के साथ चिली की राजधानी सैंटियागो दुनिया का दूसरा शहर है।

यह इलेक्ट्रिक बसें दिल्ली के सुखदेव विहार, रोहिणी सेक्टर-37 डिपो-दो और बुराड़ी बस डिपो-एक से अलग-अलग रूटों पर संचालित की जाएंगी। सभी लो-फ्लोर ई-बसें हैं। यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर ये बसें जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन समेत अन्य सुविधाओं से लैस हैं।

सराय काले खां बस डिपो में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान एलजी वीके सक्सेना के साथ सीएम अरविंद केजरीवाल ने नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और यात्रियों के लिए बसों में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

उपराज्यपाल ने भूमि अधिग्रहण को मंजूरी दी

- शहरी विस्तार मार्ग-दो परियोजना पूरी होने से उत्तर और दक्षिण पश्चिम दिल्ली के बीच यातायात कम करना मकसद है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दक्षिण पश्चिम दिल्ली में भूमि अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है जो अरसे से लंबित शहरी विस्तार मार्ग-दो (यूईआर-2) परियोजना के पूरी होने के लिए जरूरी था। यूईआर-2 की योजना उत्तर और दक्षिण पश्चिम दिल्ली के बीच बाईपास बनाकर दिल्ली में यातायात कम करने के मकसद से बनाई गई है।

उपराज्यपाल कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि एलजी सक्सेना ने भरथल गांव में दो बीघा से अधिक जमीन अधिग्रहण के लिए मंजूरी दी थी जो परियोजना के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि परियोजना के लिए अकेले इस भूखंड का अधिग्रहण नहीं होने से सात वर्ष की देरी हो गई। दिल्ली विकास प्राधिकरण ने अप्रैल 2016 में दक्षिण पश्चिम दिल्ली के भरथल गांव में जमीन अधिग्रहण का अनुरोध किया था। हालांकि अनेक वादों के लंबित होने की वजह से अधिग्रहण पूरा नहीं हो सका।

विस का बजट सत्र आज से, हंगामे के आसार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के अभिभाषण से शुरू होगा विधानसभा का बजट सत्र। पहले दिन हंगामे के आसार हैं। राजनिवास सरकार के बीच चल रही तनातनी के चलते पक्ष-विपक्ष दोनों के ही आक्रामक तेवर रहने के आसार हैं।

सत्ता पक्ष केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग का आरोप लगा भाजपा घेरने की रणनीति बनाई है तो वहीं विपक्षी दल भाजपा ने दिल्ली की समस्याओं को लेकर आप सरकार को घेरने की योजना बनाई है। नेता प्रतिपक्षा रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बताया कि 15 फरवरी से शुरू होने वाले विधानसभा के बजट सत्र भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देने के लिए दो प्रस्ताव पेश करेगी। साथ ही दिल्ली की समस्याओं पर चर्चा के लिए भी विधानसभा सचिवालय को नोटिस भेजकर सूचना दी है। बिधूड़ी ने कहा कि कहा कि देश के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों चै चरण सिंह और नरसिंह राव, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर और कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित करने के लिए प्रधानमंत्री को विधानसभा की तरफ से धन्यवाद दिया जाना चाहिए।

इसी प्रकार कतर में मौत की सजा से मुक्त कराए गए 8 पूर्व नौसेनिक अधिकारियों के स्वदेश लौटने पर भी पूरा राष्ट्र पीएम के प्रति कृतज्ञ है। विधानसभा की ओर से इसके लिए उन्हें धन्यवाद देने का भी प्रस्ताव पेश किया जाएगा। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली वाले भीषण समस्याओं से जूझ रही है।

यहां कोई नया स्कूल कॉलेज नहीं खोला गया और स्कूलों में शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। अस्पतालों की स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है।

फैकल्टी ऑफ टेक्नॉलॉजी के नए भवन का निर्माण शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय फैकल्टी ऑफ टेक्नॉलॉजी के नए भवन का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बुधवार को भूमि पूजन के साथ नारियल फोड़ कर कुदाली के साथ नींव खुदाई के कार्य की शुरुआत की। इसके साथ ही नए भवन का काउंटडाउन 14 फरवरी को शुरू हो गया। 541 दिनों में इसके निर्माण कार्य को करने का रखा गया है। 16 अगस्त 2025 तक यह भवन बन कर तैयार हो जाएगा।योगेश सिंह ने बताया कि फैकलटी ऑफ टेक्नॉलॉजी के लिए 195.65 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस शैक्षणिक भवन का निर्माण कार्य एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। इस नये भवन का कुल क्षेत्रफल लगभग 285000 वर्ग फुट है। यह भवन एक अत्याधुनिक भवन होगा जिसमें कक्षा कक्ष, प्रयोगशालाएं और अकाउंट कार्यालय, बहुउद्देशीय हॉल आदि होंगे। इस परियोजना का लक्ष्य 3 स्टार गृह रेटेड प्रोजेक्ट बनना है। इस इमारत में लैंड स्केप इरिगेशन और फ्लशिंग के लिए ग्रे वाटर रीसाइक्लिंग, सोलर फोटोवोल्टिक एनर्जी जनरेशन और रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की सुविधाएं होगी।

चिकित्सक बताकर घूम रहा नीट अभ्यर्थी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- आरएमएल के आपातकालीन विभाग में आरोपी आशुतोष त्रिपाठी गले में स्टेथोस्कोप लटकाया हुआ था, बैग से कोट मिला

राष्ट्रीय राजधानी में स्थित राम मनोहर लोहिया अस्पताल में खुद को चिकित्सक बताकर घूमने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। बुराड़ी के रहने वाले आशुतोष त्रिपाठी को गत मंगलवार को आपातकालीन विभाग से पकड़ा गया तो उसके गले में स्टेथोस्कोप लटका हुआ था। उसके बैग से चिकित्सक का कोट मिला।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ रेजिडेंट चिकित्सक (सर्जरी विभाग) राहुल धमीजा द्वारा दर्ज कराई गई एक शिकायत के आधार पर नॉर्थ एवेन्यू पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 170 (खुद को एक सरकारी कर्मचारी बताना) के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अधिकारी ने कहा कि जब अस्पताल के अधिकारियों ने त्रिपाठी से पूछताछ की तो उसने पहले खुद को एक चिकित्सक बताया और बाद में खुद को एक मेडिकल छात्र के रूप में पेश किया। उस पर संदेह होने पर अस्पताल ने पुलिस को सूचना दी। आरोपी ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वह राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहा था और बीते वर्ष परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हुआ। उसे चिकित्सक का कोट और स्टेथोस्कोप पहनना अच्छा लगता है।

लेकिन वह यह नहीं बता सका कि उसने यह चीजें कहां से प्राप्त कीं। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि वह चोरी के मकसद से अस्पताल में आया था। त्रिपाठी ने पुलिस को यह भी बताया कि उसके एक मित्र ने उसे मिलने के लिए अस्पताल बुलाया था लेकिन अभी उसके दावों की पुष्टि नहीं हुई है।

मेट्रो में 13 फरवरी को 71.09 लाख लोगों ने किया सफर, बना रिकॉर्ड

किसान आंदोलन को देखते हुए टिकरी, सिंघू और गाजीपुर सीमा पर की गई नाकाबंदी की वजह मेट्रो पहुंचे यात्री

- पिछले साल चार सितंबर 2023 को 71.03 लाख लोगों ने यात्रा किया था

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो

किसानों के दिल्ली चलों मार्च के मद्देनजर दिल्ली की सीमाओं पर जबरदस्त बैरिकेडिंग कर नाकेबंदी की गई है। इसके चलते दिल्ली एनसीआर की सीमाओं पर भारी जाम लग रहा है।

ऐसे में अब लोग जाम की समस्या से निजात पाने के लिए मेट्रो से सफर कर रहे हैं। इससे दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने एक नया रिकॉर्ड बनाया है। डीएमआरसी ने एक आंकड़ा जारी कर बताया कि गत मंगलवार को 71.09 लाख यात्रियों ने दिल्ली मेट्रो से सफर किया। इस आंकड़े ने मेट्रो के चार सितंबर 2023 के 71.03 लाख आंकड़े का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे पहले 29 अगस्त 2023 को 69.94 लाख लोगों ने ट्रेन में सफर किया था।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने एक्स जानकारी झासा करते हुए बताया कि 13 फरवरी को एक दिन में 71.09 लाख से अधिक लोगों ने दिल्ली मेट्रो में यात्रा की। यह अब तक दर्ज की गई संख्याओं में सबसे ज्यादा यात्रियों की संख्या है। दरअसल, सैकड़ों किसान बुधवार सुबह एक बार फिर दिल्ली चलो मार्च शुरू करने के लिए पंजाब हरियाणा की सीमाओं पर डटे रहे। ऐसे में मेट्रो में यात्रियों की संख्या बढ़ गई है।

यात्रियों द्वारा दिखाया गया यह विश्वास डीएमआरसी को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का एक प्रमुख सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बनाता है। दिल्ली मेट्रो यात्रियों के समग्र आवागमन अनुभव को और बेहतर बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है और यात्रियों को उनके संरक्षण और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया है। मेट्रो के एक अधिकारी ने कहा कि मेट्रो एक पर्यावरण अनुकूल परिवहन प्रणाली है, जब अधिक यात्री अपने निजी वाहनों के बजाय मेट्रो को प्राथमिकता देते हैं, तो वाहन उत्सर्जन में कमी आती है, जो शहर और इसकी परिधि की वायु गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करती है।

मालूम हो कि डीएमआरसी ने सफर की गणना यात्रियों द्वारा अपने गंतव्यों तक पहुंचने के लिए प्रयोग किए गए मेट्रो लाइन के गलियारों की संख्या के आधार पर की गई है। यानी अगर कोई यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने में मेट्रो की दो लाइन पर यात्रा करता है तो उसकी गिनती दो बार की जाएगी। मेट्रो को राष्ट्रीय राजधानी का लाइफ लाइन कहा जाता है। मेट्रो के जरिए दिल्ली में एक कोने से दूसरे कोने तक की यात्रा करते हैं। इसके अलावा से दिल्ली से गुरुग्राम और नोएडा/वैशाली, गाजीयाबाद के लाखों लोग भी यात्रा करते हैं। आमतौर रोजाना मेट्रो से लगभग 50 लाख लोग सफर करते हैं। लेकिन जब यातायात जाम की समस्या होती है तो लोग मेट्रो का सहारा लेते हैं।

गत मंगलवार को दिल्ली मेट्रो ने किसानों के दिल्ली मार्च के मद्देनजर नौ स्टेशनों पर कुछ गेट को कई घंटों के लिए बंद करते हुए यात्रियों के प्रवेश और निकास को नियंत्रित किया था। यात्रियों को अन्य द्वारों से इन स्टेशनों में प्रवेश करने या बाहर निकलने की अनुमति दी गई थी।

ऐप के जरिये भर सकते हैं केन्द्रीय विद्यालय की फीस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- केवीएस ने जनवरी से भारत बिल भुगतान प्रणाली को अपनाया

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने जनवरी 2024 से स्कूल फीस के भुगतान के लिए भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) को अपना लिया है। इस कदम से, केवीएस ने विभिन्न बैंकों और एनबीएफसी के साथ-साथ गूगल पे, फोनपे और अमेजन पे सहित 400 अतिरिक्त प्लेटफार्मों के साथ केवीएस के लिए शुल्क भुगतान विकल्पों का विस्तार किया है।

केंद्रीय विद्यालयों में पढ़ रहे 14 लाख से अधिक विद्यार्थियों के माता-पिता को भीम यूपीआई और अन्य भारत बिल-पे-सक्षम ऐप जैसे फोनपे, गूगल पे आदि के माध्यम से स्कूल की फीस का भुगतान करने की सुविधा होगी। केवीएस को शिक्षा शुल्क बिलर के रूप में जोड़ना, भारत के शैक्षिक परिदृश्य में डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ाने हेतु बीबीपीएस (भारत बिल भुगतान प्रणाली) के दायरे का विस्तार करने के भारतीय रिजर्व बैंक के अनुरूप है।

यह कदम भारत सरकार की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और डिजिटल इंडिया पहल का एक हिस्सा है, जो आधुनिक वित्तीय समाधानों की दिशा में प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे शुल्क भुगतान प्रक्रिया माता-पिता के लिए और आसान हो जाएगी।

सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में नगर निगम गुरुग्राम ने बनाई योजना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सफाई एजेंसियों तथा निगम रोल सफाई कर्मचारियों की अलग-अलग क्षेत्रों में जिम्मेदारी की गई तय

कोताही मिलने पर संबंधित के खिलाफ की जाएगी कड़ी कार्रवाई

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ के निर्देशानुसार निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में व्यवस्थित योजना तैयार की गई है। इसके तहत सफाई एजेंसियों तथा निगम रोल के सफाई कर्मचारियों को अलग-अलग क्षेत्रों में जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं।

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा जोन-1 क्षेत्र में बनाई गई व्यवस्थित योजना के अनुसार इस जोन को 5 हिस्सों में बांटकर सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी 4 सफाई एजेंसियों तथा निगम रोल कर्मचारियों को सौंपी गई है। जोन-1 क्षेत्र के आनन्द गार्डन, अशोक गार्डन, भीम कॉलोनी, दौलताबाद औद्योगिक क्षेत्र, धनवापुर, महालक्ष्मी गार्डन, न्यू पालम विहार फेज-1 व 3, निहाल कॉलोनी, राजेन्द्रा पार्क, राम विहार, सराय अलावर्दी, सेक्टर-100, 101, सूरत नगर फेज-1 व 2, टेकचन्द नगर में सफाई की जिम्मेदारी सफाई एजेंसी सुकमा एंड संस को दी गई है। इसके साथ ही सेक्टर-37बी, सरस्वती इन्कलेव, उद्योग विहार फेज-6, खांडसा, पुराना औद्योगिक क्षेत्र खांडसा रोड, सेक्टर-36, नरसिंहपुर, मोहम्मदपुर झाड़सा व

निगमायुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़।

खेडकी दौला आदि क्षेत्रों में सफाई का कार्य सफाई एजेंसी केसी इंटरप्राईजिज को सौंपा गया है। इन क्षेत्रों में सफाई से संबंधित शिकायत या सुझाव के लिए कर्नल रमेश गिल के मोबाइल नंबर-7042822940 पर संपर्क करें। इसके अलावा बाबूपुर, बजघेड़ा, दौलताबाद, धनकोट, धर्मपुर, हरसरू, खेडकी माजरा, मोहम्मदहेड़ी, न्यू पालम विहार फेज-2, पवारा खुसरूपुर, सेक्टर-102ए, 103, 106 व 109 में सफाई की जिम्मेदारी सफाई एजेंसी आर्मी डेकोरेर्टस को दी गई है। यहां के नागरिक एजेंसी के प्रतिनिधि संदीप सांगवान के मोबाइल नंबर 9910062936 पर संपर्क कर सकते हैं। इसी प्रकार बसई इन्कलेव पार्ट-1 व 2, बसई गांव, सेक्टर-37सी, 37डी, गाड़ौली कलां व खुर्द, कादीपुर औद्योगिक क्षेत्र, कादीपुर इन्कलेव, लक्ष्मण विहार फेज-1 व 2, कैनकैन इन्कलेव, सेक्टर-4, 9ए व सूर्या विहार में सफाई संबंधी शिकायत के लिए सफाई एजेंसी भारती एचआर सॉल्यूशन के प्रतिनिधि प्रदीप के मोबाइल नंबर-8800440475 पर संपर्क किया जा सकता है।

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा गांधीनगर, देवीलाल कॉलॉनी, राजीव चौक से हीरो होंडा चौक, सेक्टर-37 पेस सिटी-1, हरीनगर, ज्योतिपार्क, सेक्टर-9, शिवाजी नगर, सेक्टर-7 हाऊसिंग बोर्ड कॉलॉनी, बसई चौक, सेक्टर-10, न्यू कॉलोनी, नियर एनके फैक्टरी, कादीपुर ओल्ड कॉम्प्लेक्स, 4/8 मरला, जेल रोड़, अमर कॉलोनी, शिव नगर, न्यू कॉलोनी पार्ट-2, राजनगर, खांडसा रोड, फिरोजगांधी कॉलोनी-2, अंबेडकर नगर, विकास नगर, लक्ष्मी नगर, ओमनगर, शक्ति नगर, भूतेश्वर मंदिर से एनके फैक्टरी, सेक्टर-10ए, भवानी इन्कलेव, उमंग भारद्वाज चौक से हीरो होंडा चौक, फिरोजगांधी कॉलोनी-1 व धर्मपुरा आदि क्षेत्रों में नगर निगम गुरुग्राम के सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। यहां के नागरिक किसी भी प्रकार की शिकायत के लिए सफाई निरीक्षक बलजीत के मोबाइल नंबर-9911708421 व सफाई निरीक्षक गौरव के मोबाइल नंबर-8800874651 पर संपर्क करें।

घाटी में सड़क किनारे मिला युवक का लावारिश शव

सोहना। तावडू मार्ग की घाटी क्षेत्र में अज्ञात वाहन के कूचले जाने से 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने अज्ञात युवक के लावारिश शव को नागरिक अस्तपाल में पहचान के लिए रख दिया है। बीतें 12 घंटा में मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। मंगलवार की शाम को तावडू जाने वाले मार्ग की घाटी में बना टूरिज्म कॉम्पलेक्स के निकट सड़क किनारे 18 वर्षीय अज्ञात युवक का लावारिश शव पड़ा मिला। मृतक की मौत अज्ञात वाहन के कूचले जाने से हुई है।

नशा मुक्त हरियाणा के लिए डा. हनीष बजाज ने शुरू की मुहर मुहिम

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

मरीजों के कार्ड पर नशा छोडने का संदेश लिखी मुहर लगाते हैं डा. बजाज

हरियाणा सरकार की नशा मुक्ति मुहिम में बन रहे भागीदार

आमतौर पर कोई भी डॉक्टर मरीजों का उपचार ही करता है। उन्हें दवाइयां समय पर लेने के लिए गाइड करता है। उन्हें दवा के साथ परहेज बताता है। गुरुग्राम में एक डॉक्टर ऐसे हैं जो मरीजों का उपचार करने के साथ उन्हें नशा छोडने या नशा ना करने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके लिए उन्होंने खास तौर पर एक मुहर बनवाई है, जिसे वे मरीज के कार्ड पर लगाकर नशे के प्रति जागरुक, प्रेरित करते हैं। ये डॉक्टर हैं हेल्थ फॉर चिल्ड्रन एंड वूमेन (एसीडब्ल्यू) फाउंडेशन के निदेशक एवं नारायणा अस्पताल सेक्टर-15 में बाल रोग विशेषज्ञ डा. हनीश बजाज।

अपने अस्पताल में युवा को नशे के प्रति जागरुक करते डा. हनीष बजाज।

डा. हनीश बजाज अपने अस्पताल में आने वाले हर मरीज के कार्ड पर एक मुहर लगाते हैं, जिस पर लिखा है-नशा मुक्त हरियाणा हमारा। बच्चे, बड़े उन शब्दों को ध्यान से पढ़ते हैं। किसी को यह बताने की जरूरत नहीं है कि यह क्या है। डॉ. हनीश बजाज इस पर अच्छा-खासा ज्ञान भी बांटते हैं, ताकि लोग आगे से आगे उनकी इस मुहिम को बढ़ाते रहें और जागरुक करे रहें। अपनी मुहिम का हर उस व्यक्ति को वे हिस्सा बना रहे हैं, जो सीधे जनता से जुड़ा है। चाहे वह प्रशासनिक अधिकारी हों या पुलिस अधिकारी। चाहे कोई दूसरे डॉक्टर हों या निजी क्षेत्र के अधिकारी।

उन्होंने जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव से मुहर बांटने की शुरुआत की है। इसके बाद वे सभी अधिकारियों को मुहर दे रहे हैं। उनका मानना है कि जिस किसी की भी आम जनता से सीधा जुड़ाव है तो वह नशे के प्रति जागरुकता वाली इस मुहर को उनके कागजों पर लगाएं। डा. हनीश बजाज अपनी इस मुहिम के तहत गुरुग्राम के सरकारी कार्यालयों, पुलिस स्टेशनों, प्राइवेट डॉक्टर्स और दुकानदारों को भी नशे के प्रति जागरुकता वाली मुहर उपलब्ध कराएंगे। ताकि कागजों, बिलों पर भी यह मुहर लगाई जाए तो लोग उसे पढक़र सोचें, जागरुक बनें। जल्द ही वे गुरुग्राम में ऑटो रिक्शा के माध्यम से एक जागरुकता रैली करेंगे। गुरुग्राम के चारों कोनों से ऑटो चलेंगे, जिन पर नशा छोडने, नशा ना करने के बैनर लगे होंगे। सभी ऑटो लेजरवैली पार्क में जाकर एकत्रित होंगे। इस तरह से पूरे शहर को नशे के प्रति एक बड़ा संदेश जाएगा। सामाजिक कार्यों से हमेशा जुड़े रहने वाले डा. हनीश बजाज समाज में फैले नशे से सबसे अधिक चिंतित हैं। उनका कहना है कि नशा हमारी पीढियों को बर्बाद कर रहा है। नशे की लत में सबसे अधिक हमारी युवा पीढ़ी आ रही है। 65 फीसदी से अधिक युवा आबादी वाला हमारा देश दुनिया में जिस मजबूती से खड़ा है, वह प्रभावित होगा। इसलिए समाज के हर उस व्यक्ति को नशे के खात्मे के लिए काम करना चाहिए, जो इस विषय पर चिंतित हैं।

रिया शर्मा बनी सर्वश्रेष्ठ एथलीट, सुनील बने बेस्ट एथलीट

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-9 में आयोजित दो दिवसीय एथलीट मीट में रिया शर्मा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही। सुनील सर्वश्रेष्ठ छात्र खिलाड़ी बने। इन प्रतियोगिताओं में छात्रों की 100 मीटर दौड़ में मोहम्मद साहिल प्रथम, विकास द्वितीय तथा राहुल तृतीय स्थान पर रहा।

गुरुग्राम के सेक्टर-9 राजकीय महाविद्यालय में बेस्ट एथलीट को सम्मानित करते अतिथि।

200 मीटर रेस में सुनील प्रथम, रोहित द्वितीय रहा। 400 मीटर दौड़ में सुनील प्रथम, रोहित दूसरे स्थान पर रहा। 800 मीटर दौड़ में सुनील प्रथम, चिराग द्वितीय तथा अमित तीसरे स्थान पर रहा। 1500 मीटर दौड़ में सुनील प्रथम, रोहित द्वितीय तथा चिराग तृतीय स्थान पर रहा। पांच किलोमीटर दौड़ में सुनील प्रथम, चिराग द्वितीय तथा रोहित तीसरे स्थान पर रहा। शॉटपुट में जतिन प्रथम, चिराग द्वितीय तथा साहित तृतीय स्थान पर रहा। डिशक्स थ्रो में नवीन प्रथम, अभिषेक द्वितीय तथा हिमांशु तृतीय स्थान पर रहा। जैवलिन थ्रो में राहुल प्रथम, आदित्य द्वितीय तथा नवीन तृतीय स्थान पर रहा। लंबी कूद में दिनेश्वर प्रथम, गौरव द्वितीय तथा साहिल तृतीय स्थान पर रहा। लड़कियों की 100 मीटर दौड़ में कोमल प्रथम, चिंकी द्वितीय तथा खुशबू तीसरे स्थान पर रही। 200 मीटर दौड़ में रिया प्रथम, नैंसी द्वितीय तथा खुशबू तीसरे स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ में रिया प्रथम, कोमल द्वितीय तथा खुशबू तीसरे स्थान पर रहे। 800 मीटर दौड़ में रिया प्रथम, भावना द्वितीय तथा प्रियंका तीसरे स्थान पर रही।

शॉटपुट में रिया प्रथम, नैंसी द्वितीय तथा प्रियंका तृतीय स्थान पर रहे। डिसकस थ्रो में रिया प्रथम, दीक्षा द्वितीय तथा प्रियंका तीसरे स्थान पर रही। जैवलीन थ्रो में प्रियंका प्रथम, नैंसी द्वितीय तथा बिंदु तीसरे स्थान पर रही। लंबी कूद में रिया प्रथम, खुशबू द्वितीय तथा कोमल तीसरे स्थान पर रही। इस अवसर पर शिक्षाविद् अशोक दिवाकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विद्यार्थी सरकारी व निजी अस्पतालों में करेंगे इंटर्नशिप

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में नर्सिंग की पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं नागरिक अस्पताल, आर्टेमिस अस्पताल और आर्वी अस्पताल से इंटर्नशिप करेंगे। इसके लिए विवि का इन संस्थानों के साथ करार हुआ है। नए शैक्षणिक सत्र 2024-25 से शुरू हो रहे बीएससी नर्सिंग कोर्स के विद्यार्थियों को सरकारी व निजी अस्पतालों में इंटर्नशिप का अवसर मिला है। बीएससी नर्सिंग कोर्स के विद्यार्थी गुरुग्राम में स्थित तीनों अस्पताल में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार के मार्गदर्शन में जीयू की ओर से डीन अकादमी अफेयर्स प्रो. सुभाष कुंडू और सिविल

गुरुग्राम विवि में सरकारी व निजी अस्पतालों के साथ करार फाइल प्रदर्शित करते सभी संस्थानों के अधिकारी।

अस्पताल गुरुग्राम की तरफ से सीएमओ डॉ. वीरेंद्र यादव, आरवी हेल्थकेयर की ओर से विनीत कुमार, यूनिट हेड मार्केटिंग एंड सेल्स, आर्टेमिस अस्पताल की ओर से असगर अली, यूनिट हेड मार्केटिंग ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत यह तीनों अस्पताल गुरुग्राम विवि से बीएससी नर्सिंग कोर्स करने वाले छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण, छात्रों की इंटर्नशिप और प्लेसमेंट, कौशल विकास कार्यक्रम, संकाय विकास कार्यक्रम, पाठ्यक्रम डिजाइन में सहायता करेंगे। इससे गुरुग्राम विवि के विद्यार्थियों को नर्सिंग सेवाओं के नवीनतम विकास/आवश्यकताओं के बारे में जानकारी मिलेगी। इसके तहत प्रौद्योगिकी रुझानों और घरेलू आवश्यकताओं पर गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के छात्रों को अतिथि व्याख्यान देने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। यह अकादमिक और अनुसंधान सहयोग दो संस्थानों को करीब लाने की संभावना है। एमओयू साइन के मौके पर प्रो. अभय यादव, प्रो. धर्मेंद्र कुमार, प्रो. धीरेन्द्र कौशिक समेत विवि के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

रेरा गुरुग्राम के अध्यक्ष ने अटके हुए रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स का किया निरीक्षण

गुरुग्राम में रियल एस्टेट प्रोजेक्ट की मौके पर निरीक्षण करते रेरा गुरुग्राम के अध्यक्ष अरुण कुमार।

गुरुग्राम। जिला में विभिन्न रिहायशी परियोजनाओं में आवंटियों द्वारा अधिकांश भुगतान करने उपरान्त भी आवंटियों को अभी तक उनकी इकाइयों का कब्जा नहीं सौंपा गया। ऐसे में रेरा गुरुग्राम के अध्यक्ष अरुण कुमार ने बुधवार को अपनी टीम के साथ निर्माण की वास्तविक प्रगति जानने के लिए सभी अटके हुए रियल एस्टेट प्रोजेक्टों की साइटों का निरीक्षण किया। उन्होंने जिन साइटों का निरीक्षण किया, उनमें माहिरा की सभी पांच परियोजनाएं, ओएसबी की तीन परियोजनाएं और ग्रीनोपोलिस और रहेजा डेवलपर की एक-एक परियोजना शामिल है। इन दस परियोजनाओं के आवंटियों को अभी तक उनकी इकाइयों का कब्जा नहीं सौंपा गया है, जिन्हें उन्होंने वर्षों पहले बुक किया था। आवंटियों ने अपनी इकाइयों के विरुद्ध अधिकांश पैसे बिल्डर को दे दिए हैं।

नगर परिषद प्रशासन 6 माह में भी नहीं तलाश सका है डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली एजेंसी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर परिषद बीते छह माह में डोर टू डोर कूड़ा उठाने के लिए एजेंसी की तलाश नहीं कर सकी है। परिषद पुरानी एजेंसी से ही डोर टू डोर कूड़ा के नाम पर खानापूर्ति कर रही है। जबकि शहरवासियां से एजेंसी संपत्ति के साथ-साथ डोर टू डोर की वसूली कर ले रही है।

नगर परिषद के सभी 21 वार्डों में डोर टू डोर कूड़ा उठाने के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। जबकि डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली एजेंसी का ठेका 31 जुलाई का पूरा होने के बाद परिषद प्रशासन नई एजेंसी को ठेका नहीं दे सकी है।

पुरानी पूजा कंश्यूलेशन एजेंसी के कर्मचारियां से ही कूड़ा उठवाया जा रहा है। उक्त एजेंसी के कर्मचारी और अधिकारी कूड़ा उठाने में न तो

सोहना में पुरानी एजेंसी के वाहन से की जा रही कूडा उठवाने की खानापूर्ति।

> **कुछ** कागजी कार्रवाही के कारण पूर्व में रहे अधिकारी डोर टू डोर कूड़ा उठाने के लिए नई एजेंसी को हायर नहीं कर सके। लेकिन नये सिरे से एजेंसी की तलाश में टेंडर प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाना शुरु कर दिया है। जल्द ही समस्या का समाधान हो जाएगा।
>
> **(सुमन लता -कार्यकारी अधिकारी नप)**

पूरे वाहन चल रहे है और न ही कूड़ा प्रत्येक वार्ड में हर दिन डोर टू डोर उठाया जा रहा है।

कूड़ा उठाने में कम वाहनां का उपयोग : शहरवासियां का आरोप है कि डोर टू डोर कूड़ा लेने के लिए एजेंसी का वाहन हर दिन नहीं आते है। सप्ताह में चार दिन ही कूड़ा उठाया जाता है। तीन लोग घरां के कूड़े को अपने आस पास बनें अस्थाई कूड़ा केन्द्र पर डालकर आते है। राकेश का कहना है कि कूड़ा उठाने वाले वाहन के आने का समय निश्चित नहीं है। अपनी मनमर्जी से कूड़ा उठाने के लिए चलते है। जिसके इंतजार में लोग अपने घर के बाहर कूड़े को बैक, बाल्टी या अन्य डैस्टपीन में भरकर रखते है।

रॉयल स्कूल में पर्यावरण सुरक्षा पर विद्यार्थियों को किया जागरुक

रॉयल पब्लिक स्कूल में पर्यावरण विषय पर विद्यार्थियों को जागरुक करते अतिथि व स्कूल स्टाफ।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम। रॉयल पब्लिक स्कूल में एक्सपर्ट सर्व ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन, एमडी और निस्वार्थ कदम एनजीओ के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद राघव ने दौरा किया। उनके साथ कैप्टन ओमप्रकाश यादव भी पहुंचे। छात्रों को पर्यावरण सुरक्षा पर पुस्तिकाएं वितरित कीं। रॉयल पब्लिक स्कूल के निदेशक डॉ. विजय चौहान ने एनजीओ टीम का स्वागत किया। दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। छात्रों ने सरस्वती वंदना का गीत गाया। अपने संबोधन के दौरान प्रमोद राघव ने बढ़ते प्रदूषण के प्रभाव पर प्रकाश डाला। छात्रों को पर्यावरण को बचाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण से प्रत्येक नागरिक प्रभावित हो रहा है। भाषण के बाद विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने पर्यावरण बचाने की शपथ ली। निदेशक डा. विजय सिंह चौहान ने कहा कि सामाजिक बुराइयों के प्रति विद्यार्थियों को जागरुक किया जाता है। विद्यार्थी जीवन में ही हम अपनी भावी पीढ़ी को समाज, राष्ट्र हित में काम करने के लिए प्रेरित करके उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है।

वेलेंटाइन डे के इस मौके में श्रेया कालरा और ऋषभ जयसवाल के संग प्यार की भूमिका निभाने के लिए तैयार है डाबर आंवला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वेलेंटाइन डे के मौके, प्रेम के रस से सराबोर इस मौसम में डाबर आंवला प्यार की भूमिका निभा रहा है। यह ब्रांड हमेशा से ही मजबूत रिश्तों और बंधनों को बढ़ावा देने के लिए मशहूर रहा है, जिसने आज अपने बिल्कुल नए कैंपेन, सेलिब्रेटिंग ऑल लव लैंग्वेजेज की शुरुआत की। ब्रांड ने बड़ी मनभावन वैलेंटाइन डे फिल्म के साथ प्यार की दुनिया में कदम रखा है, जिसमें जाने-माने इनफ्लुएंसर कपल, श्रेया कालरा और ऋषभ जयसवाल नज़र आने वाले हैं।

हर साल 14 फरवरी को आने वाला वैलेंटाइन डे बेहद खास होता है, क्योंकि इस दिन उन सभी लोगों के लिए अपना प्यार जताते हैं जो हमारे दिल के सबसे ज्यादा करीब होते हैं। प्यार का उत्सव तो हर बंधन से परे है, और ऐसे मौके पर डाबर आंवला प्यार से प्रेरित फिल्म के साथ हाजिर है, जो सचमुच प्यार जताने के तरीके को एक नए नज़रिये से पेश करेगा।

क्यूट कपल श्रेया कालरा और ऋषभ जयसवाल की ये फिल्म सिर्फ प्यार के जश्न से कहीं बढ़कर है, यह हर रूप में खूबसूरत नजर आने वाले प्यार को जाहिर करने की भावना का उत्सव है।

इस फिल्म का लिंक : https://www.instagram.com/p/CxRk-OPBwbB/

यह फिल्म प्रेम की चार अलग-अलग भाषाओं को खूबसूरती से दर्शाती है, जिसमें दिखाया गया है कि प्रेमी जोड़े किस तरह अपने प्यार का इज़हार करते हैं। वे युवा दर्शकों के बीच सबसे लोकप्रिय एक्ट, द प्रिंसेस ट्रीटमेंट के साथ इस फिल्म की शुरुआत करते हैं, जिसमें प्रेमी अपनी प्रेमिका के लिए खाना बनाता है, खाना लेकर आता है, रोशनी कम करता है, और उसे आराम के लिए एक कंबल भी देता है। उन्होंने प्यार की अन्य तीन भाषाओं, द लव टक, द ऑलिव यू, और यू आर ऑयल आई नीड को भी सफलतापूर्वक दर्शाया है।

आंवला ने दिन भर की थकान के बाद प्यार के सुकून भरे एहसास के रूप में सिर की मालिश, या चंपी को भी बखूबी पेश किया है और इसे यू आर ऑयल आई नीड का नाम दिया है। यह ब्रांड सादगी व शुद्धता का प्रतीक है, जो कपल्स के बीच बिताए गए लम्हों के जरिए इसी मूल भाव की याद दिलाता है। जिस तरह डाबर आंवला जड़ों को मजबूती देता है, वैसे ही यह आपसी जुड़ाव को भी मजबूत बनाता है, और हमेशा कायम रहने वाले रिश्तों की बुनियाद को मजबूत करता है।

सड़क सुरक्षा प्रश्नावली प्रतियोगिता में छात्र पीयूष द्वितीय स्थान पर

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

भांडसी के आर बी एस एम ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूसंस के छात्र पीयूष चौहान ने दो दिवसीय छठी राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रश्नावली प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में 9 जिलों से लगभग 37 विजेता विद्यार्थियों ने भाग लिया था।

पंचकूला के राजकीय पीजी कॉलेज विमेंस सेक्टर 14 में 8 फरवरी को राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रश्नावली प्रतियोगिता की गई थी। जिसमें प्रदेश के अलग-अलग 9 जिलों से लगभग 37 विजेता विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भांडसी में स्थित आरबीएसएम स्कूल के पीयूष चौहान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। यह प्रतियोगिता स्कूल स्तर से शुरु हुई थी। पीयूष चौहान स्कूल स्तर से ही प्रतियोगिता में खेलता हुआ आ रहा है। पीयूष चौहान ने स्कूल, खंड और जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए अजेय रहा

है। जिसे शत्रुजीत कपूर (आई पी एस डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस हरियाणा पंचकुला) द्वारा ट्रॉफी, सर्टिफिकेट और लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया। पीयूष चौहान के इस सम्मान समारोह के लिए स्कूल में विशेष प्रार्थना सभा की गई। जिसमें पीयूष चौहान को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के निर्देशक भागीरथ राघव ने कहा कि पीयूष ने अपने अभिभावक, विद्यालय और गुरुग्राम जिले का का नाम रोशन किया है। यह विद्यालय के लिए गर्व की बात है। विद्यालय के और भी विद्यार्थी पीयूष से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में आगे बढ़ेंगे।

किसान आंदोलनकारियों पर प्रशासन की पैनी नजर, पुलिस हुई अलर्ट

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना से नूह जाने वाले मार्ग के गांव रायपुर में लगा नाका पर तैनात पुलिस बल।

किसान आंदोलन क्षेत्र में किसी प्रकार की हलचल क्षेत्रवासियां में नजर नहीं आ रही है। न ही किसान आंदोलन से जुड़ा कोई संगठन सामने आ रहा है। क्षेत्र में यातायात से लेकर कारोबार सामान्य रुप से चल रहा है। प्रशासन पल-पल पर अपनी नजर सभी प्रकार की गतिविधियां पर लगाएं हुए है।

मंगलवार से देश के अलग-अलग राज्यां में फिर से शुरु हुआ किसान आंदोलन को लेकन स्थानीय प्रशासन अलर्ट हो गया है। लेकिन धरातल पर बीते दो दिन में क्षेत्र में किसान आंदोलन को लेकर किस प्रकार की हलचल नजर नहीं आ रही है। न ही क्षेत्र में किसान अंदोलन से संबंधित कोई संगठन सामने आ रहा है। क्षेत्र में किसी आंदोलन से संबंधित नेता भी क्षेत्र से नहीं है।

सभी प्रकार के हालात सामान्य : क्षेत्र में यातायात व्यवस्था से लेकर कारोबार सामान्य रुप से चल रहे है। स्थानीय सब्जी मंडी में किसान अपनी सब्जी को लेकर बेचने के लिए मंगलवार और बुधवार को आए। मंडी परिसर से लेकर बाजारां में बैठे कारोबारियां को कारोबार भी सामान्य रुप से चल रहा है। क्षेत्र से यातायात व्यवस्था में बसां से लेकर मालवाहक वाहन सड़कां पर 24 घंटा दौड़ रहे है। राजकीय स्कूल कॉलेज सरकारी अवकाश होने के कारण बुधवार को बंद रहे है। निजी और सरकार से मान्यता प्राप्त निजी शिक्षण संस्थान खुले रहे है।

> **क्षेत्र** में किसान आंदोलन का कोई असर दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा है। लेकिन ऐतिहात के लिए बैरिगेटिंग व अतिरिक्त पुलिस के जवान तैनात किया गया है। नाके में जांच के कार्य में किसी प्रकर की लापरवाही नहीं होने दी जाएगी।
>
> **(विपिन अहलावत -एसीपी सोहना)**

प्रशासन अलर्ट : प्रशासन सभी प्रकार की गतिविधियां पर अपनी नजरें टिकाएं हुए है। जहां पुलिस को अलर्ट कर दिया है। शहर और ग्रामीण क्षेत्र में लगे सभी नाकां पर पुलिस को 24 घंटा के लिए तैनात किया हुआ है। दिन के समय में दी जाने वाली छूट को बंद करते हुए पुलिस बल को तैनात किया हुआ है। संदिग्ध वाहनां को रुकवाकर जांच करने का सिलसिला पिछले 36 घंटा से जारी है।

जर्मन फेडरेशन ने रखी श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ तालमेल की पेशकश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जर्मनी के फेडरल इंस्टीट्यूट फॉर वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग के प्रतिनिधिमंडल ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का भ्रमण किया

जर्मनी के फेडरल इंस्टीट्यूट फॉर वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग के प्रतिनिधिमंडल ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का भ्रमण किया और कुलपति डॉ. राज नेहरू के साथ बैठक की। उन्होंने फेडरेशन से जुड़े 100 से भी अधिक विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ तालमेल की पेशकश रखी है।

उनके साथ फेडरेशन के माध्यम से तालमेल होने पर स्किल डेवलपमेंट, रिसर्च, ट्रेनिंग, व्यवसायिक कोर्स के क्षेत्र में काम आगे बढ़ाया जा सकेगा। इस दिशा में पहले दौर की बातचीत हुई है। इस फेडरेशन से जुड़े ज्यादातर शिक्षण संस्थान व्यवसायिक शिक्षा के क्षेत्र में काम करते हैं। बैठक में फेडरेशन के प्रतिनिधि कार्थिकेयन और जर्मन फेडरल मिनिस्ट्री ऑफ एजूकेशन एंड साइंटिफिक रिसर्च की प्रतिनिधि अंतजे वेसल्स और श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के डीन इंटरनेशनल कोलैबोरेशन, प्रोफेसर निर्मल सिंह भी मौजूद रहे। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने बताया कि जर्मन की यह फेडरेशन विश्व के चुनिंदा संस्थानों के साथ तालमेल कर रही है, ताकि वैश्विक स्तर पर स्किल और व्यावसायिक शिक्षा का एक बेहतर इकोसिस्टम विकसित किया जा सके। इसी कड़ी में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में फेडरेशन के प्रतिनिधियों ने समस्त संभावनाओं पर विचार विमर्श किया है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय फेडरेशन के माध्यम से इन जर्मन संस्थानों के साथ जुड़ सकता है। यदि यह बातचीत सिरे चढ़ती है तो इससे कौशल और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा दिया जा सकेगा। ट्रेनिंग के लिए भी इन संस्थाओं के साथ भागीदारी हो सकती है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों का आदान-प्रदान भी संभावित होगा।

कुलपति डॉ. राज नेहरू ने बताया कि इससे प्रोफेशनल प्रोग्राम विकसित करने की संभावनाएं भी बढ़ जाएंगी। उन्होंने जर्मनी के प्रतिनिधिमंडल का श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय पहुंचने पर स्वागत किया। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में काम कर रहे शिक्षण संस्थानों को एक प्लेटफार्म पर आकर आगे बढ़ना चाहिए।

डीन इंटरनेशनल कोलैबोरेशन, प्रोफेसर निर्मल सिंह ने बताया कि इस बैठक के बाद अगले दौर में स्कोप ऑफ वर्क पर चर्चा होगी। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप किस तरह से सभी शिक्षण संस्थानों के साथ तालमेल बिठाया जा सकता है, इस पर एक व्यापक नीति द्यबनाई जाएगी।

प्रोफेसर निर्मल सिंह ने कहा कि जर्मनी में स्किल और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में काफी उन्नत कार्य हो रहा है और देश का पहला कौशल विश्वविद्यालय होने के नाते यदि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का इस फेडरेशन के साथ समन्वय स्थापित होता है तो आने वाले दिनों में विद्यार्थियों को इसका सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। साथ ही फेकल्टी भी इससे प्रत्यक्ष लाभान्वित होगी।

जीवा स्कूल में परंपरागत ढंग से मनाया बसंत पंचमी का पर्व

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में पूरी श्रद्धा एवं परंपरा के साथ बंसत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन किया गया। सर्वप्रथम विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान, एकेडमिक एंड एक्सिलेंस हेड मुक्ता सचदेव ने माता सरस्वती की पूजा की। तदुपरांत विद्यालय के सभी अध्यापकगण सरस्वती पूजन में शामिल हुए और मां सरस्वती से आशीर्वाद प्राप्त किया।

विद्यालय की संगीत अध्यापिका गुरमीत ने भजन भी प्रस्तुत किया। देवी सरस्वती के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई और बताया गया कि देवी सरस्वती ज्ञान व विद्या की देवी हैं। सभी के लिए देवी सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त करना आवश्यक है। शिक्षा एवं ज्ञान से ही मनुष्य अपने जीवन में उच्च शिखर तक पहुंच पाता है। सरस्वती जी अपने भक्तों के जीवन का अंधकार दूर करके उन्हें प्रकाश की ओर ले जाती हैं। देवी सरस्वती को विद्या, संगीत और समस्त कलाओं की देवी कहा गया है। वह संगीत शास्त्र की अधिष्ठात्री देवी मानी जाती हैं। ताल, लय, स्वर, रागिनी इत्यादि इन्हीं की कृपा से प्राप्त होती हैं। माना जाता है कि संसार में जितनी भी कलाएं हैं, उनकी कृपा से ही सिद्ध होते हैं। उनके हाथों में वीणा इसी ओर इंगित करती है कि उन्हें वीणा अत्यधिक प्रिय है, इसीलिए उन्हें वीणावादिनी भी कहा जाता है।

इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को अपने कर्मों के प्रति सचेत रहना चाहिए। हमारे कर्म धर्म के अनुसार हों। यदि हम अपने कार्य धर्म के अनुसार करते हैं तो हम अवश्य ही सफलता प्राप्त करते हैं और यदि कभी असफल भी होते हैं तो हमें घबराना नहीं चाहिए।

असफलता ही सफलता की सीढ़ी होती है। हमें अपनी असफलताओं से भी सीखना चाहिए कि कहां कमी रह गई। उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान एवं एकेडमिक एंड एक्सिलेंस हेड मुक्ता सचदेव ने सभी छात्रों एवं अध्यापकों को बंसत पंचमी की शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर हेड ऑफ स्पेशल प्रोग्राम एंड ट्रेनिंग जयवीर सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी कहा कि मनुष्य के कर्मों का प्रभाव उसके साथ साथ परिवार पर भी पड़ता है, इसलिए हमें बहुत सोच.समझकर कार्य करने चाहिएं।

एमवीएन टग ऑफ वार में विजेता और वालीबॉल में उपविजेता बना

फरीदाबाद। एमवीएन विश्वविद्यालय पलवल की टीम ने अरावली इंटर कॉलेज एनुअल स्पोर्ट्स मीट में आयोजित टग ऑफ वार प्रतियोगिता में विजेता और वालीबॉल प्रतियोगिता में उपविजेता का खिताब जीता। यहां गौर तलब है कि एमवीएन की टीमों में देश के विद्यार्थियों के साथ साथ विदेशी विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। विदेशी विद्यार्थियों ने अपने स्थानीय विद्यार्थियों के साथ बहुत अच्छा सामंजसय बनाकर खेल भावना को प्रदर्शित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर अरुण गर्ग ने टीमों को बधाई देते हुए कहा कि छात्रों के सामूहिक विकास के लिए शिक्षा के साथ साथ खेलों का समावेश भी अत्यंत आवश्यक है और इसी को आधार बनाते हुए एमवीएन विश्वविद्यालय खेलों को बहुत बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि खेल भावना से मिल जुल कर रहने और आपसी सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हैं। विश्वविद्यालय के प्रबंधक संचालक कांता शर्मा, कुलाधिपति वरुण शर्मा, कुलपति डॉक्टर अरुण गर्ग, उपकुलपति डॉक्टर एनपी सिंह, कुलसचिव डॉक्टर राजीव रतन, डायरेक्टर कॉरपोरेट अफेयर्स नरेंद्र विवेक आहूजा ने टीम के साथ साथ डीपी रामकुमार को बधाई दी और कहा कि खेलों को और बढ़ावा देने के लिए जो कुछ भी मदद चाहिए, वो हम करने को तैयार हैं।

बसंत पंचमी के अवसर पर मनाया येलो कलर डे

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

रसूलपुर रोड स्थित केसीएम ओम इंटरनेशनल स्कूल में बसंत पंचमी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय में दिन की शुरुआत प्रार्थना सभा में सरस्वती वंदना गाकर की गई। जूनियर विंग में कक्षा केजी -1 से कक्षा-2 में येलो कलर डे मनाया गया। छात्र पीले कपड़े पहनकर स्कूल आए। छात्रों ने येलो कलर पर ही अपनी प्रस्तुति दी और पीले रंग के महत्व को जाना। शिक्षकों ने छात्रों को रंगों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान छात्रों की येलो कलर फ्लॉवर पेस्टिंग भी हुई। इसमें बच्चों को बताया गया कि येलो कलर सू सनशाइन, होप, हैप्पीनेस, एनर्जी का प्रतीक है।

बच्चों को खेल-खेल में येलो कलर के बारे में अलग-अलग तरह की रोचक व ज्ञानवर्धक जानकारी दी गई। येलो कलर की विभिन्न चीजों से वे रूबरू भी हुए। इस गतिविधि को कराने का मुख्य उद्देश्य बच्चों को पीले रंग की पहचान कराना रहा। इस दौरान कलरिंग प्रतियोगिता भी कराई गई। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. नम्रता कुंडू ने कहा कि छोटे बच्चे बहुत ही कोमल हृदयी होते हैं। जीवन के विभिन्न रंगों से उनका परिचय करवाने के लिए हमें रंगीन उत्सव मनाने चाहिए। पीला रंग उमंग व उत्साह का प्रतीक है। यह रंग केवल मनुष्यों में ही नहीं पशु-पक्षियों में भी उमंग, उत्साह व जीवन जीने की ललक पैदा करता है। इस प्रकार की गतिविधियों से बच्चे रंगों का ज्ञान सीखते हैं और खेल-खेल में बच्चों का मानसिक व बौद्धिक विकास होता है। प्रधानाचार्या ने छात्रों को बताया कि बसंत पंचमी के दिन ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा की जाती है। सभी को पूजन करना चाहिए। इस दिन बसंत पंचमी का पर्व हमें ऋतु परिवर्तन का संकेत देता है। उन्होंने सभी छात्रों को यह भी बताया कि आज से पांच साल पहले 14 फरवरी को पुलवामा हमले में भारत के 40 जवान शहीद हो गए थे। उसी दिन से इस शोक दिन को काला दिवस के रूप में मनाया जाता है। इन शहीदों के बलिदान को देश हमेशा याद रखेगा। विद्यालय में उन सभी शहीदों को शत-शत नमन किया गया।

दो कारों की टक्कर में ड्राइवर समेत चार महिलाएं घायल

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

सोहना मार्ग पर धतीर गांव के पास शराब के नशे में एक कार चालक ने दूसरी कार में टक्कर मार दी। जिससे कार में सवार चालक सहित उसके परिवार की चार महिलाएं घायल हो गई। पुलिस ने घायल कार चालक की शिकायत पर आरोपी कार के अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

गदपुरी थाना प्रभारी राजबीर के अनुसार, गुरुग्राम सेक्टर-चार निवासी रोहित शर्मा ने दी शिकायत में कहा है कि वह अपने परिवार के सदस्य बहन आरूषी, भांजी मायरा, माता नीशा शर्मा व बहन की दोस्त सोनू के साथ अपन कार से मथुरा-वृंदावन (यूपी) में दर्शन करने के लिए गए थे

जब दर्शन करने के बाद वापस लौट-कर आ रहे थे तो गुरुग्राम आने के लिए पलवल से सोहना जाने वाले मार्ग पर धतीर गांव के पास पहुंचे। उसी दौरान एक स्विफ्ट डिजायर गाड़ी का चालक अपनी गाड़ी को तेज रफ्तार व लापरवाही से चलाता हुआ या और उनकी गाड़ी में सीधी टक्कर मार दी।

दुर्घटना में गाड़ी में सवार हम सभी घायल हो गए। उसने घायल अवस्था में गाड़ी से उतर कर देखा तो स्विफ्ट कार का चालक शराब के नशे में था व गाड़ी में शराब की बदबू आ रही थी। दुर्घटना के बाद उनकी गाड़ी चलने लायक नहीं रही। जिसके बाद दूसरी गाड़ी का इंतजाम कर हमें उपचार के लिए गुरुग्राम के सरकारी अस्पताल में दाखिल कराया गया।

दुर्घटना में पीड़ित के हाथ पर चोट लगी, भांजी का हाथ टुट गया, बहन आरुषी को पसलियों में चोट लगी, मां के घुटने में चोट लगी व सोनु के सिर व मुह पर चोट लगी, जिनका गुरुग्राम के सरकारी अस्पताल इलाज चल रहा है। गदपुरी थाना पुलिस ने पीडित की शिकायत पर उक्त गाड़ी के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पाक जंग में शामिल पूर्व सैनिक का निधन

पलवल। हथीन उपमंड स्थित जैनपुर गांव निवासी पूर्व सैनिक परमी रावत का ह्रदय गति रुकने से निधन हो गया, वे 82 वर्ष के थे। पूर्व सैनिक का गांव के मुक्ति धाम में अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें काफी संख्या में इलाके के लोगों ने हिस्सा लिया। पूर्व सैनिक परमी रावत ने सेना में रहते हुए पाकिस्तान व चीन से हुई तीनों लड़ाइयों में हिस्सा लिया था। चीन से युद्ध में 17 दिनों तक चीन बॉर्डर पर भूखे-प्यासे रहने के बाद देश के जवानों के साथ मिलन हुआ। अरावली विकास संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलाराम जैनपुर ने बताया कि फौजी परमी रावत अपने जीवन के किस्से सभी गांव के लोगों को सुनाया करते थे।

तुलाराम ने बताया कि स्वर्गीय परमी रावत ने पाकिस्तान व चीन से हुए तीन युद्धों में जान की बाजी लगाते हुए लड़ाई लड़ी। चीन युद्ध के दौरान परमी रावत चीन सैनिकों पर हमला करते हुए चीन सीमा में घुस गए थे और करीब 17 दिनों तक भूखे प्यासे रहे। यहां तक कि वे बर्फ खाकर जिंदा रहे।

मित्तल क्लासेज के छात्रों ने जेईई मेन परीक्षा में दोहराया इतिहास

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

एनटीए द्वारा घोषित जेईई मेन परीक्षा में मित्तल क्लासेज के छात्रों ने पलवल जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। इस अवसर पर सभी सफल छात्रों व उनके अभिभावकों को संस्था द्वारा फूलमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत विकास परिषद माधव शाखा के अध्यक्ष गुलशन गोयल व बीके स्कूल के चेयरमैन सतीश कौशिश रहे। इस अवसर पर मित्तल क्लासेस के चेयरमैन राजेंद्र मित्तल, संस्थापक गौरव मित्तल, एमडी डॉ. ललित मित्तल व सभी अध्यापक मौजूद रहे।

सभी अभिभावक अपने बच्चों की सफलता पर काफी खुश दिखाई दिए और उन्होंने इस सफलता पर मित्तल क्लासेज के सभी अध्यापकों का धन्यवाद किया। छात्र हिमांशु गर्ग ने बताया कि उसका सपना इस परीक्षा को पास करके आईआईटी से इंजीनियरिंग करना है। हिमांशु गर्ग ने बताया कि पहले तैयारी के लिए दिल्ली व कोटा जाना पड़ता था, लेकिन मित्तल क्लासेज पर आईआईटियन फैकल्टीज के साथ तैयारी करना बहुत आसान हो गया है। छात्र यश अग्रवाल ने बताया कि पलवल में ही रहकर तैयारी करने से सबसे अधिक समय की बचत हुई, जिसका सही उपयोग मैंने अपनी सेल्फ स्टडीज में लगाया।

संस्थापक गौरव मित्तल ने बताया कि मित्तल क्लासेज के चार छात्रों ने 99 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए हैं व 25 छात्रों ने 90 परसेंटाइल से अधिक अंक हासिल किए है। हिमांशु गर्ग ने 99.80 परसेंटाइल के साथ टॉप किया है। इसी के साथ यश अग्रवाल ने 99.78 परसेंटाइल, अरुण चौहान ने 99.11, नियंत ने 99, शिवम शर्मा ने 98.7, कोमल वशिष्ठ ने 98.18, प्रतीक तेवतिया ने 97.75, निखिल तंवर ने 97.64, कैलाश ने 97.43 व आदित्य शर्मा ने 96.51 परसेंटाइल हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मित्तल क्लासेज के चेयरमैन राजेंद्र मित्तल ने कहा कि यह परिणाम छात्रों और शिक्षकों की निरंतर मेहनत और अभिभावकों के योगदान से ही संभव हो पाया है। मित्तल सर ने कहा कि हमारी टीम सदैव इसी तरह पूरी मेहनत और लगन के साथ क्षेत्र के विकास के लिए यह कार्य करती रहेगी। उन्होंने इस सफलता के लिए सभी शिक्षकों की प्रशंसा की है।

एक्सीडेंट में बाइक सवार की मौत

पलवल। नेशनल हाईवे पर बघौला गांव के निकट सर्विस लेन की सड़क पर नील गाय को बचाने के चक्कर में बाइक का संतुलन खराब हो गया और बाइक हाइवे के साथ गड्ढे में जा गिरी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा उसका चचेरा भाई घायल हो गया। पुलिस ने 174 सीआरपीसी की कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया।

शहर थाना प्रभारी राजेश कुमार के अनुसार, गहलब गांव निवासी राजेश ने दी शिकायत में कहा है कि वह अपने चचेरे भाई राहुल के साथ बघौला गांव से अपने गहलब गांव बाइक से जा रहा था। बाइक वह खुद चला रहा था, जबकि उसका चचेरा भाई राहुल पीछे बैठा हुआ था। उनकी बाइक जब नेशनल हाईवे पर बघौला गांव के निकट सर्विस रोड पर थी, तभी अचानक एक नील गाय आ गई, जिसे बचाने के चक्कर में उनकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया। असंतुलित होकर उनकी बाइक हाईवे के साथ बने गड्ढे में गिर गई। जिससे वे दोनों घायल हो गए। घायलों को अस्पताल लाया गया।

शहीदों की शहादत को कभी नहीं भुलाया जा सकता : धर्मवीर भड़ाना

फरीदाबाद। आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य धर्मवीर भड़ाना व उनके टीम के अहम सदस्य जिला सचिव मेहरचंद्र हरसाना, प्रदेश प्रवक्ता नरेश शर्मा एवं सत्येंद्र शर्मा समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं ने पांच वर्ष पूर्व पुलवामा हमले में शहीद 40 जवानों को दीप जला एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

धर्मवीर भड़ाना ने कहा कि हमारे देश के जाबांज शहीदों की शहादत को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने भाजपा सरकार पर तंज करते हुए कहा कि सरकार सीबीआई और ईडी का अपने फायदे के लिए भरपूर प्रयोग कर रही है, लेकिन इन जाबांज शहीदों की हमले की साजिश की पूरी गुत्थी नहीं सुलझ पाई है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार ने देश पर कुर्बान हुए शहीदों के परिवारजनों के कोई सुध नहीं ली। अभी तक उनके परिवार जनों को क्या सुविधा दी गई, क्या नहीं, इसका कभी कोई जिक्र भी नहीं किया। उन्होंने बताया कि यह भाजपा सरकार न तो जवानों की है, न किसानों की, न मजदूरों की, न गरीबों की, न महिलाओं की, न युवाओं की।

यह सरकार देश में अराजकता फैला कर अपना राज कायम रखना चाहती है। उन्होंने कहा कि अब इनके पाप का घड़ा भर चुका है और जनता भी उनकी सभी चालों को समझ चुकी है। आने वाले लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव में जनता इन्हें सबक सिखाएगी और आम आदमी की पार्टी की सरकार बनेगी आम आदमी पार्टी शाहीद को चाहे व किसी विभाग का क्यों न हो, एक करोड़ रुपये की राशि दे, उनके परिवार को सहायता देने का काम करती है।

संक्षिप्त समाचार

डीपीएस ग्रेफा के विद्यार्थियों के लिए हवन यज्ञ का आयोजन

फरीदाबाद। दिल्ली पब्लिक स्कूल ग्रेटर फरीदाबाद द्वारा बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर दसवीं व बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षाओं में सफलता के लिए विशेष हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस मौके पर बच्चों ने मां सरस्वती का भी आशीर्वाद लिया। इस मौके पर स्कूल के प्रो-वाइस चेयरमैन, रोहित जैनेंद्र जैन की माताजी शैलबाला जैन, पूर्व संस्थापक प्रधानाचार्या सुरजीत खन्ना, प्रधानाचार्या डॉ. बिंदु शर्मा और अध्यापकों सहित गणमान्यजनों का आशीर्वाद विद्यार्थियों ने लिया। इस मौके पर शैलबाला जैन व स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. बिंदु शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को बोर्ड की परीक्षाओं की शुभकामनाएं देते हुए उनके परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की तथा बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए सफलता के टिप्स भी विद्यार्थियों के साथ सांझा किए। इस मौके पर सभी विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षाओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का दृढ़ संकल्प लेते हुए कहा कि हर बार की तरह इस बार भी बोर्ड परीक्षाओं में स्कूल के विद्यार्थी स्कूल व अपने अभिभावकों का नाम उत्कृष्ट प्रदर्शन से ऊंचा करेंगे।

रोटरी क्लब पलवल संस्कार ने लगाया स्तन कैंसर जांच शिविर

पलवल। रोटरी क्लब पलवल संस्कार द्वारा नमस्ते नेशन पर निशुल्क स्तन कैंसर जांच शिविर लगाया, जिसकी अध्यक्षता क्लब के प्रधान योगेंद्र गोयल ने की। इस प्रोजेक्ट के चेयरमैन क्लब के संस्थापक सचिन जैन व को-चेयरमैन रचित सिंगला थे। इस कैंप में 19 महिलाओं की जांच की गई। इस अवसर पर क्लब के प्रधान योगेंद्र गोयल ने कहा कि हम ऐसे कैंप समय-समय पर लगाते रहेंगे, जो भी महिलाएं 40 साल से अधिक हैं, उन्हें दो साल में एक बार यह जांच जरूरी करानी चाहिए। क्लब के सचिव मोहित गोयल ने बताया कि कैंसर बहुत बड़ी बीमारी है। जिसका इलाज अब संभव हो गया है, लेकिन फिर भी हम लोग इसकी जांच कराने में डरते हैं। हमें अब डरना नहीं है, समय-समय पर जांच करानी चाहिए। इस अफसर सचिन जैन, मोहित गोयल, चिराग गुप्ता, साक्षी गुप्ता, रचित सिंगला, सृष्टि सिंगला, अंशुल मंगला, ममता गुप्ता, रंजना गुप्ता, मोना गोयल, पूजा मोना, शीला देवी, रचना गर्ग विशेष रूप से मोजूद थे।

हर्षित ने जेईई मेन 99.91 परसेंटाइल से नाम रोशन किया

पलवल। जैसे ही जेईई मेन का परिणाम घोषित हुआ, वैसे ही एसएनडी पब्लिक स्कूल पलवल के बच्चों में खुशी की लहर दौड़ गई। स्कूल के हर्षित कुमार ने अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए जेईई मेन 2023-24 में 99.91 परसेंटाइल प्राप्त किया। स्कूल के ही तीन अन्य छात्रों जिनमें अभय ने 99.57, हिमांशु गर्ग ने 99.80 तथा यश ने 98.09 परसेंटाइल के साथ 15 छात्रों ने 90 परसेंटाइल से ज़्यादा प्राप्त किया है। इन विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत तथा स्कूल के अध्यापकों के मार्गदर्शन से यह उपलब्धि प्राप्त की है तथा स्कूल का नाम रोशन किया है। स्कूल की इस उपलब्धि पर स्कूल के सचिव रघुराज डागर ने सभी विधार्थियों, अभिभावकों व अध्यापकों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

केसीएम वर्ल्ड स्कूल ने आईआईटी जेईई मेन में किया जिला टॉप

पलवल। केसीएम वर्ल्ड स्कूल के 97 छात्रों ने आईआईटी जेईई मेन की परीक्षा पास की है तथा स्कूल के तीन छात्रों ने आईआईटी जेईई मेन की परीक्षा में 99 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। 95 परसेंटाइल से अधिक 21 छात्रों और 34 छात्रों ने 90 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इन छात्रों में स्कूल के छात्र धैर्य पुत्र गजराज सिंह ओमैक्स सिटी पलवल निवासी ने कुल 99.8279 परसेंटाइल लेकर जिला टॉप किया है। वंश ने 99.598 परसेंटाइल, कृष्ण ने 99.014 परसेंटाइल, ध्रुव सिंगला ने 98.87 परसेंटाइल, मीनाक्ष ने 98.78 परसेंटाइल, चिराग ने 98.55 परसेंटाइल, वरुण ने 98.486 परसेंटाइल, मुस्कान ने 98.22 परसेंटाइल, दीपेश ने 98.189 परसेंटाइल लेकर पूरे भारत एवं जिला पलवल में सर्वाधिक चयन देकर पूरे देश तथा जिले में लोहा मनवाया है। केसीएम वर्ल्ड स्कूल पलवल ने विगत कई वर्षों से लगातार जिले से सर्वाधिक छात्रों का जेईई मेन, जेईई एडवांस, आरएमओ, केवीपीवाई आदि परीक्षाओं में चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है। स्कूल के चेयरमैन डॉक्टर राम नारायण भारद्वाज तथा डायरेक्टर अनिल भारद्वाज ने इस उपलब्धि पर विद्याधाम टीम के सभी अध्यापकों की प्रशंसा की तथा स्कूल की प्रधानाचार्या पारुल भारद्वाज ने इस उपलब्धि पर सभी अभिभावकों व छात्रों को बधाई दी।

बच्चे भी आ रहे हैं कैंसर की चपेट में : डॉ. मीत कुमार

फरीदाबाद। बच्चों में होने वाले कैंसर पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से हर साल 15 फरवरी को विश्व चाइल्ड हुड कैंसर दिवस मनाया जाता है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. मीत कुमार डायरेक्टर एवं एचओडी-हेमेटो आंकोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट, मैरिंगो एशिया अस्पताल फरीदाबाद ने कहा कि आमतौर पर कैंसर बड़े लोगों में होने वाली बीमारी मानी जाती है, लेकिन पिछले कुछ दशकों से बच्चे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। बच्चों में ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर), लिंफोमा (गर्दन की लिंफनोड ग्रंथियों में सूजन, गांठ व दर्द होना), ब्रेन ट्यूमर, न्यूरोब्लास्टोमा, बोन कैंसर, रेटिनोब्लास्टोमा आदि कैंसर ज्यादा देखने को मिलता है। लेकिन ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) बच्चों में पाया जाने वाला सबसे आम कैंसर है। चाइल्ड हुड कैंसर बड़ों में होने वाले कैंसर से थोड़े अलग होते हैं। बड़ों में कैंसर ज्यादातर अस्त-व्यस्त जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों के कारण होते हैं। केवल पांच फीसदी चाइल्ड हुड कैंसर के पीछे इनका हाथ होता है। असल में जेनेटिक कारणों या सेल्स में बायोलॉजिकल म्युटेशन से बच्चों में कैंसर होते हैं।

न्याय यात्रा
राजनीतिक परिवर्तन

राहुल गांधी की न्याय यात्रा का मार्ग पश्चिमी उत्तर प्रदेश में राजनीतिक परिवर्तन के कारण छोटा कर दिया गया है। नेहरू-गांधी परिवार के वारिस राहुल गांधी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के राजनीतिक परिवर्तन को देखते हुए अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का मार्ग छोटा कर दिया है। इस परिवर्तन का निर्णय आम चुनाव के पहले तेजी से बदलते चुनावी परिदृश्य के चलते किया गया है। राहुल गांधी ने जनता तक पहुंचने तथा सामाजिक न्याय, सद्भावना व कल्याणकारी पहलों के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए न्याय यात्रा शुरू की थी। कई जिलों से होकर गुजरने वाली यात्रा का उद्देश्य लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं का समर्थन जुटाना तथा उनको लामबंद करना था। सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य होने के कारण उत्तर प्रदेश का इस यात्रा में महत्वपूर्ण स्थान था। लेकिन रालोद नेता जयंत चौधरी ने इस अभियान में अपनी रणनीति से अडंगा लगा दिया जिससे पश्चिम उत्तर प्रदेश में राजनीतिक स्थिति बदल गई तथा राहुल को अपने दृष्टिकोण पर पुन: विचार करना पड़ा। उत्तर प्रदेश में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की मूल योजना 16 फरवरी से 26 फरवरी तक रहने की थी और इसके बाद इसे राजस्थान में प्रवेश करना था। लेकिन अब राज्य का पश्चिमी क्षेत्र छोड़ने के लिए इसमें बदलाव किया गया है। यह कदम राष्ट्रीय लोकदल और भाजपा के बीच लोकसभा चुनाव के पहले संभावित गठबंधन के संकेत पर उठाया गया। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने 2024 चुनाव के लिए भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होने का फैसला किया है, हालांकि अभी इसकी औपचारिक घोषणा नहीं हुई है। अब उत्तर प्रदेश में न्याय यात्रा पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पीछे छोड़ कर 21

फरवरी को समाप्त हो जाएगी और मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी। हालांकि, आधिकारिक रूप से इसका कारण उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षाओं को बताया गया है, पर वास्तव में यह परिवर्तन अचानक 'इंडिया' के घटक दल रालोद का भाजपा के साथ चले जाने के कारण हुआ है। लेकिन उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव संभवत: 20 फरवरी को रायबरेली में न्याय यात्रा में शामिल होंगे और एक रोड शो में सहभागिता करेंगे।

राहुल और कांग्रेस के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य की जटिलतायें समझने के लिए स्थानीय समीकरणों, जमीनी लामबंदी प्रभावों तथा लक्षित सपर्क पहलों को समझना होगा। हालांकि, न्याय यात्रा मार्ग में परिवर्तन एक टैक्टिकल व्यवस्था हो सकती है, पर अभियान के इन व्यापक रणनीतिक लक्ष्यों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है कि वह पार्टी कार्यकर्ताओं को ऊर्जान्वित करना चाहती है। चुनावों के पहले सभी राजनीतिक पार्टियां मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास तेज करती हैं। इसके लिए हाई-प्रोफाइल रैलियों और सार्वजनिक सभाओं के साथ ही जमीनी स्तर तक पहुंचने के कार्यक्रम व सोशल मीडिया अभियान चलाए जाते हैं। नेता अपनी चुनावी सफलताओं के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। न्याय यात्रा देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा थी। चुनावी राजनीति के रास्ते पर चलते हुए राहुल गांधी व अन्य नेताओं को मतदाताओं की सोच पर गौर करना तथा बदलती राजनीति के अनुसार बदलाव करना होगा। जैसा कि कहा जाता है, 'राजनीति असंभव को प्राप्त करने की कला है।' इसे देखते हुए मतदाताओं से जुड़ने के लिए परिवर्तनशीलता और खोज जरूरी है क्योंकि इससे ही चुनावों का परिणाम तथा भारतीय राजनीति की भावी दिशा तय होगी।

जीएसटी में विवाद समाधान प्रक्रिया

करदाताओं तथा सरकार के बीच विवादों के समाधान हेतु वैकल्पिक विवाद समाधान प्रक्रिया से औपचारिक मुकदमेबाजी से मुक्ति मिल सकती है।

ए. एस. मित्तल
(लेखक, अर्थनीति विशेषज्ञ हैं)

वस्तु एवं सेवाकर -जीएसटी का उद्देश्य भारत में परोक्ष कर व्यवस्था का तार्किकीकरण है जिससे वस्तुओं एवं सेवाओं के लिए राष्ट्रीय बाजार बनता है। इस 'एक देश-एक टैक्स' व्यवस्था की पहल का उद्देश्य मूल्यों के तार्किकीकरण द्वारा बिजनेस सुगमता तथा आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित करना है। इस सुधार की सफलता इस तथ्य से स्पष्ट है कि इससे अप्रैल, 2018 में जीसटी फाइल करने वालों की संख्या में 32 प्रतिशत वृद्धि हुई और यह 10.6 मिलियन से बढ़ कर अप्रैल, 2023 में 14 मिलियन हो गई जो अब तक सबसे अधिक है। इसके साथ ही अप्रैल 2023 में राजस्व संग्रह 1,87,035 करोड़ तथा जनवरी, 2024 में 1,72,129 करोड़ रुपये हो गया जो जीएसटी लागू होने के बाद दूसरी सर्वाधिक धनराशि है। लेकिन इस सुधार को और मजबूत करने के लिए एक समयबद्ध और जीवन्त विवाद समाधान प्रक्रिया को जीएसटी में शामिल करने की आवश्यकता स्पष्ट होती है। यह स्पष्ट है कि 1 जुलाई, 2017 में जीएसटी कानून लागू होने के साढ़े छ: साल बाद भी जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरणों के गठन की प्रतीक्षा है जो जीएसटी प्रशासन में एक भारी कमी है। न्यायाधिकरण न होने के कारण बिजनेसों को उच्च न्यायालयों की शरण में जाना पड़ता है जो आमतौर से एक लंबी व खर्चीली प्रक्रिया है। इससे पहले से ही काम के बोझ से लदे उच्च न्यायालयों पर और बोझ पड़ता है। विभिन्न अनुमानों के अनुसार, एक लाख से अधिक अपीलें उच्च न्यायालयों में लंबित हैं जिनमें एक लाख करोड़ रुपये से अधिक धनराशि फंसी है। जीएसटी अपीलीय प्राधिकरणों के गठित होने के बाद ये मामले उसमें जा सकते हैं। लेकिन इसके लिए अपीलीय प्राधिकरणों के गठन तथा उनके सक्रिय होने की प्रतीक्षा है।

हालांकि, सरकार ने जीएसटी अपीलीय प्राधिकरणों की घोषणा 25 अक्टूबर, 2023 को कर दी थी, पर वे अभी सक्रिय नहीं हुए हैं। न्यायाधिकरणों से विवादों का प्रभावी रूप से निस्तारण होगा तथा विवाद समाधान में कम समय लगेगा और खर्च भी घटेगा। करदाता के दृष्टिकोण से उनकी कर स्थिति पूरी तरह ठीक होने के बावजूद उनके सामने समाधान की प्रतीक्षा करने के सिवा कोई और विकल्प नहीं है। न्यायाधिकरणों के गठन में विलंब से ब्याज का बोझ बढ़ रहा है, वास्तविक रिफंड में विलंब होता है, टैक्सों के पहले जमा करने से नकद प्रवाह चुनौतियां सामने आती हैं तथा बार-बार कारण बताओं नोटिसों से विवाद बढ़ते हैं। इसलिए समय की आवश्यकता है कि जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरणों का फौरन गठन हो ताकि विवादों का तेजी से निपटारा हो सके। कानून की व्याख्या, असंतोषजनक एडवांस रूलिंग व्यवस्था तथा कर अधिकारियों द्वारा राजस्व-केन्द्रित दृष्टिकोण के कारण मुकदमेबाजी बढ़ती है।

जीएसटी के अंतर्गत विवादों का कारण आंकलन के आधार पर टैक्स के भुगतान तथा अधिकारियों द्वारा कर दायित्व की गणना के बीच अंतर है। ऐसे कर विवाद अनेक कारणों से पैदा हो सकते हैं जिनमें आंकलन, आडिट अथवा रिकार्डों और खातों की जांच शामिल हैं। उदाहरणार्थ, कर की दर, कर छूट का दावा, इन्पुट टैक्स क्रेडिट का दावा, सप्लाई स्थान का गलत निर्धारण, सप्लाई की प्रकृति, वस्तु एवं सेवाकर का वर्गीकरण, आदि ऐसे मामलों में शामिल हैं। जहां जीएसटी का उद्देश्य कर विवादों का समाधान और कर प्रशासन का सरलीकरण है, पर शुरुआती अनुभव इसके विपरीत हैं। राजस्व केन्द्रित दृष्टिकोण के कारण करदाताओं का विश्वास डिगा है। योजनाओं में विवाद अक्सर राजस्व-केन्द्रित दृष्टिकोण के कारण होता है जिसकी अपनी सीमायें हैं। उदाहरण के लिए, 'सबका विश्वास योजना 2019' में पूर्व-जीएसटी व जीएसटी के लगभग 49,534 मामलों का निस्तारण हुआ जिनकी कुल धनराशि 24,970 करोड़ रुपये थी, लेकिन हजारों अपीलें अभी लंबित हैं जिनमें लाखों करोड़ रुपये फंसे हैं। केवल पंजाब में लगभग 38,000 पूर्व-जीएसटी व वैट विवादों का लंबित समाधान चिन्ता का विषय है। नवंबर, 2023 में इन मामलों के समाधान हेतु प्रस्तावित ओटीएस 31 मार्च, 2024 तक प्रभावी है, लेकिन यह काफी नहीं है। आयकर दाताओं के लिए 'विवाद से विश्वास योजना, 2020' से उम्मीद थी कि वह प्रत्यक्ष कर विवादों का समाधान कर 4.8 लाख करोड़ धनराशि के मामले निपटाएगी तथा लंबित विवादों के लिए ब्याज और जुर्माना माफ करेगी। लेकिन तथ्य यह है कि 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त इस योजना के परिणाम निराशाजनक रहे हैं। अंतरिम बजट में एक बार में 25,000 रुपयों की विवादित प्रत्यक्ष कर मांगों के समाधान से 3500 करोड़ की धनराशि प्रभावित होगी, लेकिन यह काफी नहीं है। समय आ गया है कि एक ज्यादा जीवन्त जीएसटी माफी योजना शुरू की जाए जिससे ईमानदार करदाताओं को लाभ हो जिन्होंने जीएसटी के शुरुआती चरण में अनजाने गलतियां की हैं। जीएसटी एक सबसे बड़ा कर सुधार है। लेकिन शुरुआती चरण में करदाताओं तथा अधिकारियों को कानून की जटिलता समझने में थोड़ा समय लगा जिसका कारण आंतरिक व्यवस्थाओं में समन्वय बनाना तथा समुचित प्रशिक्षण का अभाव था। इन मुद्दों के कारण असंख्य गलतियां अनजाने हुई हैं जिनको अब विभागीय आडिट व जांच का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण अनेक कर मांगें, ब्याज और जुर्माने सामने आए हैं। सरकार को इन सरोकारों से निपटने के कदम तत्काल उठाने चाहिए और करदाताओं पर अनावश्यक मुकदमों व जुर्मानों का बोझ नहीं डालना चाहिए।

कर स्थितियों का पहले से आंकलन तथा मुकदमेबाजी घटाने के लिए अथारिटी आफ एडवांस रूलिंग-एएआर का गठन किया गया था। संबंधित राज्य जीएसटी कानूनों के अंतर्गत एएआर व अपीलेट अथारिटी आफ एडवांस रूलिंग-एएएआर का गठन किया गया है। लेकिन यह उल्लेख करना आवश्यक है कि एएआर या एएएआर द्वारा दिए गए फैसलों का दूसरे राज्यों द्वारा स्वीकार करना जरूरी नहीं है। इसके साथ ही एएआर को जीएसटी कानून के सभी आयामों पर फैसले का अधिकार नहीं है जिनमें 'सप्लाई स्थान' से जुड़े मामले शामिल हैं। इससे अनेक लोगों को संदेह होता है। उल्लेखनीय है कि एएआर व एएएआर के फैसले केवल ऐसे प्रार्थी पर बाध्यकारी होते हैं जिसने पहले से फैसले की मांग की हो। इसके अलावा समान मामलों पर विभिन्न राज्यों के अलग-अलग फैसलों से मुकदमेबाजी बढ़ी है। इसलिए सरकार और जीएसटी परिषद को एएआर के लिए एक केन्द्रीय अथारिटी का गठन करना चाहिए जो 'सप्लाई स्थान' संबंधी मुद्दों का निपटारा कर राज्य स्तरीय एएआर के विरोधी दृष्टिकोणों का समाधान कर सके। एएआर के राजस्व-केन्द्रित दृष्टिकोण के कारण करदाताओं के विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। यहां तक कि ऐसी स्थितियों में जहां तार्किक व्याख्या स्पष्ट है, वहां भी फैसला करदाता के खिलाफ आया है। इसलिए एएआर में विश्वास बढ़ाने के लिए आवश्यक है कि वह जीएसटी कानून के उद्देश्यों के अनुसार प्रगतिशील ढंग से अपनी भूमिका निभाने में तेजी से आगे बढ़े।

जीएसटी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक वैकल्पिक विवाद समाधान प्रक्रिया-एडीआर बनाई जाए। करदाताओं तथा सरकार के बीच विवादों के समाधान हेतु वैकल्पिक विवाद समाधान प्रक्रिया से औपचारिक मुकदमेबाजी से मुक्ति मिल सकती है। जहां एडवांस रूलिंग एडीआर का हिस्सा हो सकती है, वहीं अथारिटी आफ एडवांस रूलिंग की सीमायें अनावश्यक मुकदमेबाजी का कारण नहीं बनेंगी। इसके साथ ही समाधान आयोग के गठन से भुगतान न किए टैक्स जल्दी वसूल करने तथा गलती करने वालों को एक बार समाधान का रास्ता मिल सकता है। इससे समय और खर्च बचेगा तथा अनावश्यक मुकदमेबाजी से मुक्ति मिलेगी। केन्द्रीकृत आडिट जांच की व्यवस्था भी शुरू की जा सकती है। जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरणों के गठन और सक्रिय होने के बाद बिजनेसों को न्यूनतम बाधाओं के साथ इन्पुट टैक्स क्रेडिट का प्रवाह सुनिश्चित होगा, विवादों का प्रभावी निस्तारण होगा, मुकदमेबाजी का समय कम होगा, खर्च बचेगा तथा देश का राजस्व सुधार व आर्थिक वृद्धि बेहतर होगी।

संचार में रेडियो की महत्वपूर्ण भूमिका

इस वर्ष की थीम, रेडियो: सूचना देने, मनोरंजन करने और शिक्षित करने की एक सदी, संस्कृति और कनेक्टिविटी को आकार देने में रेडियो की शक्ति की याद दिलाती है।

राजदीप पाठक
(लेखक, स्वतंत्र स्तम्भकार हैं)

तकनीकी प्रगति के बवंडर की सिम्फनी में, क्षणभंगुर प्लेटफार्मों के बीच, रेडियो एक दृढ़ प्रकाशस्तंभ के रूप में खड़ा है, जो एक प्रतिष्ठित माध्यम के रूप में अपनी दूसरी शताब्दी की शुरुआत कर रहा है। 13 फरवरी, 2011 में यूनेस्को द्वारा विश्व रेडियो दिवस (डब्ल्यूआरडी) के रूप में प्रतिष्ठापित और 2012 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अनुसमर्थित तारीख, प्रतिवर्ष इस स्थायी बल का जश्न मनाती है। इस वर्ष की थीम, रेडियो: सूचना देने, मनोरंजन करने और शिक्षा देने वाली एक शताब्दी, इसके शाश्वत महत्व को दर्शाती है। विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त, डब्ल्यूआरडी प्रौद्योगिकी, विज्ञान, संचार और ऑडियो प्रोग्रामिंग की कलात्मकता में रेडियो की बहुमुखी प्रतिभा को श्रद्धांजलि देता है। यह निरंतर विकसित हो रहे परिदृश्य में एक सदी की अटूट सेवा, दृढ़ता और सांस्कृतिक अनुगूंज का प्रतीक है।

रेडियो की उत्पत्ति 1800 के दशक में हुई, जिसकी शक्ति, स्थिति और प्रभाव बढ़ रहा है। मीडिया के विशाल परिदृश्य के बीच, रेडियो की स्थायी अपील समय और तकनीकी बदलावों से परे जाने की इसकी क्षमता में निहित है। तात्कालिकता, पहुंच और समुदायों को जोड़ने की शक्ति के इसके अनूठे मिश्रण ने इसे नवाचार के तूफानों का सामना करने की अनुमति दी है, जो स्थिरता के प्रतीक के रूप में उभर रहा है।

अपनी स्थापना के बाद से, रेडियो ने विद्युत चुम्बकीय तरंगों की खोज से लेकर डिजिटल ऑडियो ब्रॉडकास्टिंग (डीएबी) के परिष्कार तक एक उल्लेखनीय विकास किया है। 1820 में हंस क्रिश्चियन ओर्स्टेड के विद्युत धाराओं के आसपास चुंबकीय क्षेत्रों के अवलोकन से शुरुआत करते हुए, बाद के मील के पत्थर में 1830 में माइकल फैराडे की विद्युत चुम्बकीय प्रेरण की पुष्टि और 1864 में जेम्स क्लर्क मैक्सवेल की सैद्धांतिक भविष्यवाणियां शामिल हैं। 1880 के दशक के अंत में हेनरिक हर्ट्ज़ के विद्युत चुम्बकीय तरंगों के व्यावहारिक प्रदर्शन ने मैक्सवेल के सिद्धांतों को मान्य किया। गुग्लिल्मो मार्कोनी के अग्रणी प्रसारण की परिणति 1901 में पहले ट्रान्साटलांटिक सिग्नल के रूप में हुई, जिसने संचार में क्रांति ला दी। रेजिनाल्ड फेसेंडेन की 1906 की सफलता ने लंबी दूरी की आवाज और संगीत प्रसारण को सक्षम किया, जिससे व्यावसायिक प्रसारण की शुरुआत हुई। ली डे फॉरेस्ट का 1907 ऑडियन सिग्नल डिटेक्टर और एडविन आर्मस्ट्रांग का 1918 सुपरहेटरोडाइन सर्किट उन्नत रेडियो तकनीक। आर्मस्ट्रांग की 1933 एफएम खोज ने स्पष्ट संकेतों का वादा किया, जो मौजूदा एएम तकनीक पर एक महत्वपूर्ण सुधार की पेशकश करता है।

संचार माध्यम के रूप में रेडियो की शुरुआत 24 दिसंबर, 1906 को हुई, जब अटलांटिक महासागर में एक जहाज पर चालक दल को एक अभूतपूर्व क्षण का अनुभव हुआ। परिचित मोर्स कोड क्लिक के बजाय, उन्होंने आविष्कारक रेजिनाल्ड फेसेंडेन द्वारा वायरलेस तरीके से प्रसारित एक मानवीय आवाज़ और संगीत सुना। इसने रेडियो तरंगों के माध्यम से ध्वनि भेजने के जन्म को चिह्नित किया, जिससे संभावनाओं का एक नया युग खुल गया।

आरंभिक असफलताओं के बावजूद, जिसमें (रेडियो कॉरपोरेशन ऑफ अमेरिका) आरसीए के डेविड सरनॉफ द्वारा टेलीविजन विकास के पक्ष में एफएम तकनीक को रोकना भी शामिल था, रेडियो की लोकप्रियता बढ़ गई। मनोरंजन प्रसारण 1910 के आसपास शुरू हुआ, 1920 में केडीकेए (वेस्टिंगहाउस द्वारा) और उसी वर्ष डब्ल्यूडब्ल्यूजे जैसे पहले वाणिज्यिक रेडियो स्टेशनों की स्थापना के साथ। 1920 के दशक के अंत और 1950 के दशक की शुरुआत के बीच की अवधि को रेडियो का स्वर्ण युग माना जाता है, जिसमें प्रोग्रामिंग की एक विविध श्रृंखला थी जिसने देश भर में (यूएसए) लाखों श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया था।

औपनिवेशिक उत्पत्ति से लेकर आधुनिक महत्व तक, भारत की रेडियो यात्रा एक कालातीत आकर्षण है। स्वतंत्रता के बाद, ऑल इंडिया रेडियो के उदय ने एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित किया, जिसने बिनाका गीतमाला और विविध भारती जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय पहचान को आकार दिया। निजी एफएम स्टेशनों ने अपनी पहुंच का विस्तार किया, जिससे रेडियो ने ग्रामीण से शहरी केंद्रों तक सर्वव्यापी उपस्थिति बना ली, जो एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा और सांस्कृतिक कसौटी के रूप में काम कर रहा है। तकनीकी प्रगति के बीच, रेडियो का सूचना देने, मनोरंजन करने और जोड़ने का सार कायम है, जो हमें सादगी और मानवीय जुड़ाव की शक्ति की याद दिलाता है। यह भारत के विविध परिदृश्य में परंपरा, नवीनता और एकता के प्रतीक के रूप में खड़ा है। इसके अलावा, रेडियो सामूहिक यादों को आकार देने में एक अद्वितीय शक्ति रखता है। उदाहरण के लिए, प्रतिष्ठित कार्यक्रम बिनाका गीतमाला को लें। उस वर्ष के बारे में सोचने मात्र से जब एक विशेष गीत ने प्रसारण की शोभा बढ़ाई थी, उस गीत से जुड़ी यादों का एक झरना शुरू हो जाता है, साथ में प्रतिष्ठित प्रसारक अमीन सयानी का मधुर वर्णन भी। ये यादें हमें आनंद और पुरानी यादों के क्षणों में ले जाती हैं, जो बीते वर्षों के सामाजिक माहौल को उजागर करती हैं। अपने तकनीकी और वैज्ञानिक पहलुओं से परे, रेडियो सांस्कृतिक आदान-प्रदान, संवाद को बढ़ावा देने और विविध आवाज़ों को बढ़ाने के माध्यम के रूप में एक अद्वितीय स्थान रखता है।

विश्व रेडियो दिवस की थीम, रेडियो: सूचना देने, मनोरंजन करने और शिक्षित करने की एक सदी, एक कालातीत विरासत का जश्न मनाती है, जहां आवाज़ों की अलौकिक प्रतिध्वनि ने एक सदी के लिए सांस्कृतिक आलिंगन की एक जटिल टेपेस्ट्री बुनी है। रेडियो एक दृढ़ साथी के रूप में खड़ा है, जो न केवल समय पर सूचना और मनोरंजन प्रदान करता है, बल्कि बाधाओं को पार करते हुए शिक्षा और एकता के प्रतीक के रूप में भी काम करता है। इसके ध्वनि के अभयारण्य में, नकारात्मकता को कोई ठिकाना नहीं मिलता; इसके बजाय, वायुतरंगें गर्मजोशी और सकारात्मकता के साथ पनपती हैं, मानव संगति के सामंजस्यपूर्ण आलिंगन में सांत्वना की तलाश कर रही थकी हुई आत्माओं का पोषण करती हैं।

आप की बात

भारतीय राजनय की विजय

कतर में हिरासत में लिए गए 8 भारतीय नागरिकों को रिहा कर दिया गया है और इनमें से 7 नागरिक भारत लौट आए हैं। जासूसी के आरोप में इन 8 नागरिकों को कतर में फांसी की सजा दी गई थी। इन भारतीय नागरिकों को अगस्त 2022 में कतर के अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। सभी 7 भारतीय नागरिकों ने भारत आने पर भारत माता की जय के नारे लगाए। कतर से लौटे पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों में से एक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप के बिना हमारे लिए यहां खड़ा पहुचना संभव नहीं था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत सरकार के प्रयासों के कारण ही हमारी रिहाई संभव हो सकी है। मोदी सरकार के सार्थक प्रयास के चलते आठ भारतीयों को मृत्युदंड से बचाकर और उन्हें बिना कानूनी उलझनों में उलझाए सुरक्षित वापस देश में ले आना भारत की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का सशक्त उदाहरण है। जीवित लौट कर आए पूर्व नौसैनिकों का स्वागत है। यह प्रकरण भारतीय राजनय की विजय के साथ ही विश्व बिरादरी में भारत के बढ़ते कद तथा अनेक विश्व नेताओं से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मित्रवत संबंधों का परिणाम है। निसंदेह इस पूरे प्रकरण से जनता का मोदी सरकार में विश्वास आने वाले समय में और मजबूत होगा।

– **सुभाष बुड़ावनवाला,** रतलाम

मोदी को शुक्रिया

भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मचारियों पर जासूसी का आरोप लगाकर कतर सरकार ने उन्हें फांसी की सजा दे दी थी। हर भारतीय को इस खबर से बहुत दुख हुआ था। हर भारतवासी व प्रभावित आठों भारतीयों के परिवारों ने भारत सरकार से उनको बचाने की थी। सभी भारत वासियों को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले में उल्लेखनीय पहल करेंगे। अंतत: भारतीय राजनय और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने व्यक्तिगत प्रयासों से न केवल उनकी फांसी की सजा समाप्त कराई, बल्कि उसके बदले मिली सजा भी रद्द करा कर उनको अपने देश वापस लाने में सफलता प्राप्त की है। इसके लिए आज न केवल उन आठ भारतीयों के परिवार वाले बल्कि हम सभी भारतवासी भी अपने प्रधानमंत्री का शुक्रिया अदा करना चाहेंगे। अगर भारतीय प्रधानमंत्री ने इस विषय में विशेष रुचि न दिखाई होती तो इन पूर्व नौसैनिकों की भारत वापसी संभव नहीं थी। इससे एक बार फिर सिद्ध हो गया है कि मोदी है तो हर बात देश हित में अवश्य ही संभव है। इससे मोदी की गारंटी पर जनता का विश्वास ओर बढ़ गया है कि वे देश हित में भविष्य में भी असाधारण उपलब्धियां प्राप्त करते रहेंगे। यह विपक्ष के लिए भी आंखें खोलने वाला सबक है।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

भाजपा का आकर्षण

आजकल भाजपा के प्रति आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है। जिस तरह से एक टीवी कार्यक्रम चलो गाँव की ओर बहुत लोकप्रिय हुआ था, उसी तरह आजकल चलो भाजपा की ओर लोकप्रिय हो रहा है। पिछले काफी समय से कभी कांग्रेस तो कभी किसी ओर दल से, कभी एक-दो तो कभी समूह के समूह अपनी पार्टियों को छोड़ कर भाजपा का दामन थाम रहे हैं। महाराष्ट्र में पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के कद्दावर नेता अशोक चह्वाण ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। कहा जाता है कि वे कांग्रेस के 13 विधायकों के साथ भाजपा में शामिल होने वाले हैं। कांग्रेस विपक्षी गठबंधन इंडिया को मजबूत करने के दावे करती है, पर टीएमसी व आप एकला चलो की घोषणा कर चुके हैं। इतना ही नहीं, वह अपने कद्दावर नेताओं को भी रोक नहीं पा रही है। महाराष्ट्र में मिलिंद देवड़ा और बाबा सिद्दीकी के बाद अब अशोक चह्वाण की विदाई उसके लिए चिन्ता और चिंतन का विषय है। राजनीतिक विश्लेषकों को गौर करना चाहिए कि भाजपा के प्रति आकर्षण लगातार क्यों बढ़ रहा है। हालांकि, चिन्ता भाजपा नेताओं को भी होनी चाहिए कि इतने विजातीय तत्वों को अंतत: उसका संगठन कैसे अपने भीतर समाहित करने में सफल हो पाएगा।

-शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

चिन्ताजनक बयानबाजी

अधिकतर मुस्लिम संगठनों और नेताओं के द्वारा दी गई बयानबाजी न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह सामाजिक सौहार्द को बाधित भी कर सकती है। इन बयानों के माध्यम से अनेक दुर्भावनापूर्ण और आपत्तिजनक तथ्य फैलाए जा रहे हैं। ये तथ्य गलत और भ्रामक अथवा पूर्वाग्रहों पर आधारित हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा अदालत के आदेश पर दिए गए प्रमाण और सर्वेक्षण के दौरान दोनों पक्षों के वकीलों की उपस्थिति से इन प्रमाणों पर सवाल उठाना अनुचित है। कुछ मुस्लिम नेताओं ने तो न्याय व्यवस्था और अदालतों की निष्पक्षता या उनकी तथाकथित ढिलाई की बात कही है। ऐसी बयानबाजी अत्यन्त खतरनाक है। आज न्याय और संविधान का महत्व समझना और उसे स्वीकार करना सभी नागरिकों के लिए अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न समुदायों और धर्मों के बीच हो रही तनावपूर्ण वार्ताओं के बीच हमें यह याद रखना चाहिए कि हम सभी एक ही राष्ट्र के नागरिक हैं। सबके द्वारा धार्मिक भावनाओं और विचारों को समझना तथा समानता के आधार पर उनका सम्मान करना हमारे संविधान के मूल तत्वों में से एक है।

– **अवनीश कुमार गुप्ता,** आजमगढ़

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

अप्रैल से कन्या सुमंगला योजना में मिलेंगे 25 हजार रुपए: योगी

● सामूहिक विवाह समारोह में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री, नव दम्पतियों को दिया आशीर्वाद

● 252 करोड़ रुपए की 91 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप डबल इंजन की सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सम्मान के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए सरकार अप्रैल से मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की धनराशि को प्रति लाभार्थी 15 हजार रुपए से बढ़ाकर 25 हजार रुपए करने जा रही है। सीएम योगी बसंत पंचमी के पावन पर्व पर खाद कारखाना परिसर में एक हजार जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 252 करोड़ रुपए की लागत वाली 91 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी की सुरक्षाए सम्मान और स्वावलंबन को लेकर 2014 में पीएम मोदी ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान चलाया। बेटी बचेगी तभी पढ़कर आगे बढ़ेगी और देश व समाज के लिए योगदान दे पाएगी। एक बेटी कुल खानदान को आगे बढ़ाने का काम करती है। बेटियों को बचाने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए आज केंद्र और राज्य सरकार के स्तर पर कई योजनाएं चलाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में जब वह सीएम बने तो प्रदेश में यह समस्या आई कि बेटी को बचाने के लिए क्या और प्रयास करने चाहिए। इसके लिए पहला कार्यक्रम सुमंगला योजना का बनाया गया। इसमें बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक पढ़ाई की व्यवस्था की गई। इस योजना में सरकार अब तक 17 लाख से अधिक बेटियों को 15 हजार उपलब्ध करा चुकी है। अप्रैल से यह धनराशि बढ़कर 25 हजार हो जाएगी।

सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश सरकार 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह' योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक तीन लाख से शादियां करा चुकी है। प्रति जोड़े विवाह पर 51 हजार रुपए खर्च किए जाते हैं। इसमें 35 हजार रुपए कन्या के खाते में भेजे जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि गरीब के साथ संपन्न परिवारों के बच्चे सामूहिक विवाह के कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि एक सदगृहस्थ के लिए विवाह भी एक संस्कार है और उस संस्कार से वह पैतृक परंपरा को आगे बढाने का कार्य करता है। सृष्टि की रचना, जीवन चक्र इसी से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि समय के अनुरूप विकृतियां भी आईं। कहीं बाल विवाह, दहेज तो कहीं तलाक जैसी कुप्रथाएं हैं। ये कुप्रथाएं आधी आबादी की विरोधी थीं। इनसे बचने के लिए बेटी हो ही न हों, इसके लिए तमाम कुत्सित प्रयास होने लगे। मुख्यमंत्री ने लोगों को संकल्प दिलाया कि बाल विवाह नहीं होने देना है। दहेज न लेना है, न देना है। तलाक जैसी कुप्रथाओं को सदैव के लिए समाप्त करना है। कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा। ये कुप्रथाएं अमानवीय हैं, आधी आबादी का अपमान और उन पर अत्याचार हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी के साथ सरकार खड़ी है। उन्हें हर संभव सहयोग करेगी, प्रोत्साहन देगी। उन्होंने बताया कि आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए महिला स्वयंसेवी समूह संचालित हैं। व्यवस्था दी गई है कि किसी गांव में राशन कोटे का विवाद होगा तो वहां की महिला स्वयंसेवी समूह व्यवस्था संचालित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 55 लाख गरीबों को पीएम आवास योजना से मकान दिए गए हैं, उनमें आधे से अधिक महिलाओं के नाम पर दिए गए हैं। पीएम स्वामित्व योजना में जिस जमीन पर मकान है, उसमें 90 लाख का मालिकाना हक महिलाओं के नाम पर दिया गया है। सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए पीएम मोदी के विजन को आगे बढाने का कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि आज बुद्धि और विवेक की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती के पूजन का दिन है। उनकी कृपा से प्राप्त विवेक से सारे कार्य हो जाते हैं। जबकि माता सरस्वती कुपित होती हैं तो कुंभकर्ण को सिंहासन की बजाय निद्रासन मिल जाता है। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी का पावन पर्व है। प्रकृति सौंदर्य के चरम की ओर अग्रसर है। इस मौके पर उन्होंने दाम्पत्य जीवन में प्रवेश कर रहे एक हजार जोड़ों को हृदय से बधाई देते हुए उनके मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि यदि किसी की व्यक्तिगत शादी होती तो व्यस्तता के कारण मैं शायद नहीं आ पाता। योगी ने कहा कि सामूहिक विवाह के कार्यक्रम के साथ आज 252 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का उपहार भी मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने सबको शुभकामनाएं देने के साथ ही कहा कि 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में रामलला अपने मंदिर में विराजमान हुए हैं। उनका आशीर्वाद भी सबको प्राप्त हो रहा है। समाज कल्याण विभाग की तरफ से आयोजित इस समारोह में एक हजार जोड़े विवाह के पावन बंधन में बंधे। नवयुगलों में हिन्दूए मुस्लिम दोनों शामिल रहे। सभी नव दम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए मुख्यमंत्री ने उनके सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने मंच से दस नवयुगलों को प्रमाण पत्र और उपहार.शगुन किट भेंट किया। प्रमाण पत्र देने के दौरान मुख्यमंत्री ने जोड़ों से आत्मीय संवाद भी किया।

अब अयोध्या में सुग्रीव पथ बनवाएगी प्रदेश सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

रामलला के दर्शन के लिए आने वाली लाखों की भीड़ को देखते हुए योगी सरकार ने रामलला के मंदिर तक एक नया पथ बनाकर आवागमन के मार्ग को सुलभ करने का निर्णय लिया है। एक नया कॉरिडोर बनाया जाएगा। सुग्रीव पथ के नाम से बनाए जाने वाले कॉरिडोर की लंबाई 290 मीटर रहेगी। हनुमानगढ़ी और राम मंदिर परिसर के बीच भक्तों के आवागमन के लिए एक आयताकार सर्किट के रूप मे बनाया जाएगा। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से प्रतिदिन लगभग दो से ढाई लाख श्रद्धालु रामलला का दर्शन करने आते हैं। इसे लेकर आए दिन जाम की समस्या सामने आ रही है। योगी सरकार ने अयोध्या में सुग्रीव पथ नाम से एक नए कारीडोर के निर्माण पर कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। अयोध्या में हनुमानगढ़ी मंदिर से रामजन्मभूमि मंदिर तक बनने वाले सुग्रीव पथ पर लगभग 11.81 करोड़ की लागत आएगी, जिसमें से 5.1 करोड़ का उपयोग भूमि अधिग्रहण के लिए किया जाएगा। कॉरिडोर की चौड़ाई लगभग 17 मीटर होगी। पथ के पांच मीटर दोनों तरफपैदल मार्ग के विकास के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। सुग्रीव पथ के निर्माण के लिए कार्यदायी संस्था के रूप में लोक निर्माण विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है। लोनिवि के अधिशाषी अभियन्ता एसबी सिंह ने बताया कि सुग्रीव पथ के निर्माण के लिए पहले भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

● हनुमानगढ़ी से राम मंदिर के बीच आवागमन का मार्ग होगा सुगम

मुख्यमंत्री योगी की मौजूदगी में भाजपा के सात राज्यसभा प्रत्याशियों ने किया नामांकन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसंत पंचमी के पावन पर्व पर उत्तर प्रदेश से भाजपा के सातों प्रत्याशियों ने राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, लोकसभा चुनाव प्रभारी बैजयंत पांडा की मौजूदगी में प्रत्याशियों ने पर्चा भरा। विधान भवन में प्रत्याशी भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, आरपीएन सिंह, संगीता बलवंत, साधना सिंह, अमरपाल मौर्य, तेजवीर सिंह एवं नवीन जैन ने पर्चा दाखिल किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, जेपीएस राठौर सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, राज्य सरकार के मंत्री, विधायक व अन्य प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

सुधांशु त्रिवेदी को भाजपा ने जहां दोबारा राज्यसभा भेजने का निर्णय किया है, वहीं बाकी छह पहली बार संसद के उच्च सदन में जाएंगे। सुधांशु त्रिवेदी पार्टी के वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य हैं। भाजपा प्रत्याशियों में आरपीएन सिंह पहले कांग्रेस पार्टी में थे। वह कुशीनगर की पडरौना सीट से तीन बार विधायक चुने गए और 2009 में कुशीनगर से सांसद निर्वाचित होने पर मनमोहन सिंह सरकार में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री रहे। वर्ष 2022 में विधान सभा चुनाव से पहले वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।

मथुरा से भाजपा के तीन बार सांसद रहे तेजवीर सिंह दो बार पार्टी के जिलाध्यक्ष और उप्र सहकारी बैंक के अध्यक्ष भी रहे। साधना सिंह चंदौली की मुगलसराय सीट से 2017 में भाजपा विधायक चुनी गई थीं लेकिन 2022 में उन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया था। प्रतापगढ़ निवासी अमरपाल मौर्य भाजपा के प्रदेश महामंत्री हैं। गाजीपुर निवासी डॉ. संगीता बलवंत योगी सरकार के पहले कार्यकाल में राज्य मंत्री थीं लेकिन वह 2022 में विधान सभा चुनाव हार गई थीं। नवीन जैन आगरा के पूर्व महापौर व उप महापौर रहे हैं।

बिना भेदभाव सबको योजनाओं का लाभ मिलना ही रामराज्य: मुख्यमंत्री

● गांव चलो अभियान के अंतर्गत सीएम योगी ने वनटांगिया गांव रजही में लगाई चौपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सुरक्षा के बेहतर वातावरण के साथ समाज के हर एक तबके की समृद्धि और खुशहाली ही भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार की गारंटी है। यही मोदी जी की गारंटी है और इस गारंटी को पूरा करने के सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार लोगों को सुरक्षा और सम्मान देने के साथ उन्हें स्वावलंबी भी बना रही है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की हकीकत जानने और योजनाओं के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए देश स्तर पर शुरू हुए गांव चलो अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री योगी ने भी गांव में चौपाल लगाई। बुधवार को गोरखपुर के रजही आजादनगर (वनटांगिया गांव) पहुंचकर उन्होंने घर.घर दस्तक दी। ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें मिले लाभ के बारे में जानकारी ली। बच्चों पर प्यार लुटायाए उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा और चॉकलेट गिफ्ट कर खूब पढ़ने, आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया।

लाभार्थियों से संवाद के बाद मुख्यमंत्री ने रजही में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार आने के बाद देश और प्रदेश में व्यापक परिवर्तन हुआ है। 2014 के पहले गांव को कोई पूछता नहीं था। गरीबों के बारे में कोई सोचने वाला नहीं था। महिलाओं के बारे में कोई बोलता नहीं था। नौजवानों का हाल-चाल लेने वाला कोई नहीं था। किसान तबाह था, गरीब भूखों मरता था, किसान आत्महत्या करता था। उन्होंने कहा कि जबकि आज गांव, गरीब, किसान, महिलाएं नौजवान समेत समाज के हर एक तबके के लिए सरकारी योजनाएं बेहद प्रभावी ढंग से आगे बढ़ रही हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अकेले उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ने 55 लाख 83 हजार लोगों को एक-एक आवास उपलब्ध कराया है। ये आवास 2014 के पहले भी मिल सकता था लेकिन इन गरीबों को आवास नहीं मिल पाया। 2 करोड़ 63 लाख से अधिक गरीबों को एक-एक शौचालय मिला। प्रदेश में 15 करोड लोग फ्री में राशन की सुविधा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। 10 करोड लोगों को आयुष्मान भारत योजनाकी सुविधा का लाभ अकेले उत्तर प्रदेश में प्राप्त हो रहा है। हर योजना का लाभ हर गरीब तक पहुंचाने के लिए सरकार के द्वारा कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रामीणों को यह भी बताया कि योजनाओं का लाभ देने के साथ ही सरकार सरकार एक नया कार्ड यानी फैमिली आईडी कार्ड जारी करने वाली है। हम फैमिली आईडी कार्ड हर परिवार को देंगे। इसमें जिन लोगों को योजनाओं का लाभ मिला है, उनका उल्लेख होगा और जिनको नहीं मिला है उनको आने वाले समय में जरूर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यही रामराज्य है जहां बिना भेदभाव के शासन की योजना का लाभ हर गरीब, किसान, नौजवान, महिला को उपलब्ध हो रहा है।

सीएम योगी ने ग्रामीणों को समझाते हुए कहा कि जब अच्छी सरकार चुनी जाती है तो उसके परिणाम भी अच्छे ही आते हैं। इसके लिए पूर्व और वर्तमान सरकार के बीच तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि यही उत्तर प्रदेश है जहां पूर्व में दंगे होते थे। गरीबों पर अत्याचार होते थे। योजनाओं का बंदरबांट होता था। आस्था को चोट पहुंचाई जाती थी। अच्छी सरकार चुनी गई तो आज तो कावड़ यात्रा भी निकल रही है भगवान राम का भव्य मंदिर भी बन गया है। भव्य दीपावली का उत्सव भी हो रहा है। गरीबों को योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है और सुरक्षा का बेहतर वातावरण भी प्रदेश-देश को मिल रहा है।

कॉलेजों को लेकर एकेटीयू में इंक्युबेशन सेंटर स्थापना पर मंथन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के वन डिस्ट्रिक्ट वन इन्क्युबेशन सेंटर मुहिम के तहत बुधवार को मेरठ जोन के कॉलेजों में इन्क्युबेशन सेंटर स्थापित करने के लिए कुलपति प्रो जेपी पांडेय के निर्देशन में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विवि से संबद्ध मेरठ जोन के जिलों के संस्थानों के निदेशक और प्रिंसिपल ने प्रतिभाग किया। उन्हें इन्क्युबेशन सेंटर स्थापित करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। एसो डीन इनोवेशन डॉ अनुज कुमार शर्मा ने इन्क्युबेशन सेंटर स्थापना की प्रक्रियाए संचालन के बारे में विस्तार से बताया। इन्क्युबेशन सेंटर बनने से होने वाले की जानकारी दी। इन्क्युबेशन सेंटर और स्टार्टअप के लिए सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं और वित्तीय सहायता फंड से जुड़ी जानकारी साझा की। इन्क्युबेशन सेंटर के जरिये छात्रों के साथ ही स्थानीय इनोवेटर्स को प्रोत्साहित कर स्टार्टअप शुरू कराया जा सकता है। इससे न केवल छात्रों को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी बल्कि रोजगार के सृजन भी होंगे। इनोवेशन हब के मैनेजर रितेश सक्सेना ने स्टार्टअप पालिसी 2020 के बारे में बताया। सेक्सन आठ कंपनी बनाना सबसे जरूरी है। इन्क्युबेशन सेंटर स्थापित करने से संस्थानों को काफी फायदा होगा। नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विवि अपने सभी संबद्ध संस्थानों में इन्क्युबेशन सेंटर स्थापित कराने में लगा हुआ है। छात्रों में उद्यमिता और नवाचार की संस्कृति विकसित हो सके। आत्मनिर्भर भारत के सपने को सच करने में भी छात्र अपना योगदान दे सकें।

रिटायर पीपीएस एसो. के पदाधिकारी डीजीपी से मिले

लखनऊ। रिटायर्ड प्रान्तीय पुलिस सेवा संवर्ग उप्र के पदाधिकारियों ने बुधवार को डीजीपी प्रशांत कुमार ने औपचारिक भेंट की और उन्हें पुलिस मुख्या बनने की बधाई व शुभकामनाएं दीं। पदाधिकारियों द्वारा भेंट के दौरान पेन्शनर्स के कल्याण एवं समस्याओं के सम्बन्ध में चर्चा करते हुए उनके निराकरण के लिए अनुरोध किया गया।

विद्यार्थियों को तकनीक के साथ-साथ साहित्य का ज्ञानार्जन करना चाहिये: डॉ. माण्डवी सिंह

● राज्य संग्रहालय में पहाड़ी चित्रकला कार्यशाला का समापन

लखनऊ। राज्य संग्रहालय संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कला अभिरूचि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत एक सप्ताह का पहाड़ी चित्रकला विषयक कार्यशाला का बुधवार को समापन हो गया। इस दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. माण्डवी सिंह कुलपति भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय तथा उप्र संग्रहालय निदेशालय निदेशक डॉ. सृष्टि धवन के उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। चित्रकार पद्मश्री विजय शर्मा द्वारा कहा गया कि पहाड़ी चित्रकला राजा महराजाओं एवं मुगल शासकों के प्रश्रय में फली-फूली और विकसित हुई। राजनैतिक परिस्थितयों के बदलने के कारण राजकीय संरक्षण के अभाव में यह कला विलुप्त हो गयी।

पहाड़ी चित्रकला को नई पीढी के कलाकारों को चित्रांकन विधान सिखाने की दृष्टि से राज्य संग्रहालय लखनऊ द्वारा कला अभिरूचि कार्यक्रम एक सुखद पहल है। आठ दिवसीय इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने बड़े मनोयोग से रूचि लेते हुए विभिन्न विषयों पर सुन्दर आलेखन किया है। उनके द्वारा यह भी कहा गया कि लघु चित्रकला का विधान सिखाने के लिये एक सप्ताह की कलावधि बहुत कम है। निकट भविष्य में इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन किया जाना चाहिये, ताकि नई पीढी के कलाकार इस विलुप्त होती कला को सीख कर इस महान कला को पुनर्जीवित करने में योग दे सकें। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. माण्डवी सिंह ने कहा कि इस चित्रकला की विषय वस्तु रीति कालीन काव्य, पुराण ग्रन्थ आदि है।

प्रभावी पैरवी कर दोषियों को सजा दिलाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता: डीजीपी

● शिष्टाचार भेंट के दौरान 20 प्रशिक्षु आईपीएस अफसरों का पुलिस प्रमुख ने किया मार्ग दर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी प्रशांत कुमार से बुधवार को पुलिस मुख्यालय में भारतीय पुलिस सेवा के 45वें इंडक्शन प्रशिक्षण कोर्स के 20 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों द्वारा शिष्टाचार भेंट की गई। 45वें आईपीएस इंडक्शन प्रशिक्षण कोर्स के ये 20 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी भेंटवार्ता भ्रमण और प्रशिक्षण के लिए पुलिस मुख्यालय पहुंचे थे। प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों द्वारा पुलिस मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया सेन्टर का भ्रमण किया गया। इस दौरान इन सभी को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर 24गुणे 7 मॉनीटरिंग किए जाने तथा सोशल मीडिया सेन्टर की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। डीजीपी द्वारा प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों का मार्गदर्शन भी किया। डीजीपी ने बताया कि भारतीय पुलिस सेवा जनता के विभिन्न वर्गों की सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम है। आपको जनता के लिए आसानी से सुलभ होना चाहिए। आपको स्वच्छ इरादे के साथ काम करना चाहिए। महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम एवं गम्भीर अपराधों में त्वरित कार्रवाई तथा न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर दोषियों को सजा दिलाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराधियों को चिन्हित कर न्यायालय में प्रभावी पैरवी कराकर दोषियों को कम से कम समय में अधिक से अधिक सजा दिलाने से अपराध की रोकथाम के साथ-साथ अपराधियों में भय का वातावरण व्याप्त होता है। अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाए रखने के लिए प्रोफेशनल एवं साइंटफिक तरीके से कार्य योजना के तहत प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता है। अभियोगों की विवेचना के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण एवं घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्यों का संकलन, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी आदि का गुणवत्ता पूर्वक समयबद्ध निस्तारण प्राथमिकता पर किया जाना चाहिए। कम्युनिटी पुलिसिंग पर बल देते हुए डीजीपी ने कहा कि पुलिस अधिकारी का विशेष गुण आम जनता से सीधा सम्पर्क एवं संवाद रखना है। वर्तमान समय में साइबर क्राइम पुलिस के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है, इसकी रोकथाम के लिए पुलिस को तकनीकी रूप से और अधिक सक्षम बनाने की आवश्यकता है। पुलिस की सेवा में नैतिकता, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा एवं भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति रखना ही सफलता का मूल मन्त्र है। डीजीपी द्वारा प्रशिक्षु अधिकारियों के जिज्ञासा भरे प्रश्नों का उत्तर देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक/ पुलिस महानिदेशक के जीएसओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरीडोर व चार्चिंग का स्टॉल पेश करेगा बदलाव की तस्वीर

● ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के अंतर्गत 19 से 21 फ रवरी के मध्य आयोजित होने वाली प्रदर्शनी में यूपीडा भी निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश को विकास के नए सोपानों की ओर अग्रसर कर रही योगी सरकार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) 4.0 के जरिए नया इतिहास रचने जा रही है। लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 19 से 21 फरवरी के मध्य आयोजित होने जा रहे जीबीसी-4 के जरिए योगी सरकार 10 लाख करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स को धरातल पर उतारने जा रही है। इस बड़ी उपलब्धि को हासिल करने की ओर बढ़ रही योगी सरकार प्रदेश की विकास गाथा, वर्तमान उन्नति और भविष्य की संभावनाओं को प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने का कार्य करने जा रही है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ही आयोजित होने वाली इस तीन दिनी प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने जा रहा है। प्रदेश में एक्सप्रेसवे के विकास व संचालन और इनसे जुड़े टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट्स, डिफेंस कॉरीडोर के अंतर्गत जारी विकास कार्यों तथा ईवी चार्जिंग स्टेशन की स्थापना व संचालन से जुड़े तमाम तथ्यों की जानकारी देने के उद्देश्य से यूपीडा द्वारा 75 स्क्वेयर मीटर के वर्ग क्षेत्र में एक भव्य एग्जिबिशन स्टॉल का संचालन किया जाएगा। यह प्रयास प्रदेश की वर्तमान उन्नति के साथ ही भविष्य की अपार संभावनाओं को दर्शाने का माध्यम बनने के साथ ही उनके प्रति जागरूकता विकसित करने का भी एक सशक्त माध्यम बनकर उभरेगा।

सीएम योगी के विजन अनुसार तैयार की गई कार्ययोजना को क्रियान्वित करते हुए यूपीडा ने जीबीसी 4.0 के अंतर्गत आयोजित हो रही प्रदर्शनी में एग्जिबिशन स्टॉल के संचालन की प्रक्रिया शुरू की है। यह कई मायनों में विशिष्ट होगा। प्रदर्शनी स्टॉल में एलईडी टेलीविजन, पी2 उच्च गुणवत्ता वाली एलईडी वॉल, ब्रोशर व लीफ लेट् जैसे विभिन्न माध्यमों के जरिए एक्सप्रेसवे, डिफेंस कॉरिडोर और ईवी चार्जिंग स्टेशनों के नवीनतम अपडेट के साथ राज्य में विभिन्न अवसरों को प्रदर्शित किया जाएगा। वहीं यहां ऑडियो-विजुअल माध्यम को प्रयोग में लाते हुए शॉर्ट फिल्म्स (जो कि प्रदेश में एक्सप्रेसवे, डिफेंस निर्माण व ईवी चार्जिंग स्टेशंस के विकास व बदलते परिदृश्यों को शोकेस करेंगे) की स्क्रीनिंग, एडवर्टिजमेंट्स व योगी सरकार की उपलब्धियों तथा पॉलिसीज को हाइलाइट करने के लिए शॉर्ट क्लिपिंग्स को शोकेस किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, यहां आकर्षक फ्लेक्स, बैनर तथा डिस्प्ले स्टैंडीज़ समेत विभिन्न माध्यमों के जरिए आने वाले लोगों को सभी संबंधित विषयों की विविध जानकारी उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। साथ ही, यहां आने वाले इन्वेस्टर्स को डायरी, स्मृति चिन्ह और 8 जीबी के अच्छी गुणवत्ता वाली ड्राइव कार्ड भी प्रदान किया जाएगा।

प्रदर्शनी में एग्जिबिशन स्टॉल के निर्माण व संचालन के लिए यूपीडा ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कार्य को करने के लिए यूपीडा द्वारा एजेंसी का चयन किया जाएगा तथा यह प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। प्रदर्शनी स्टॉल का फ्रंट फैकेड भव्य रूप से आकर्षक बनाया जाएगा जो कि 15 फीट से ऊंचा होगा। यहां दो एंट्री व एक्जिट डोर होंगे तथा एक कॉन्फ्रेंस हॉल समेत निवेशकों व गणमान्यों के बैठने के लिए उत्तम व्यवस्था की जाएगी। इसके अतिरिक्त, यहां रक्षा उपकरणों के डमी व 3डी मॉडल को शोकेस किया जाएगा जो आकर्षण का केंद्र बनेंगे।

पूरे देश के औद्योगिक विकास को गति देगी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-4.0

● 10 लाख 15 हजार 583 करोड़ की 14 हजार 537 परियोजनाएं धरातल पर उतरने को तैयार

● औद्योगिक विकास मंत्री नन्दी ने की जीबीसी की तैयारियों की समीक्षा, कार्यक्रम स्थल का पैदल भ्रमण कर किया निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश को वन ट्रिलियन इकॉनमी बनाने को तत्पर योगी सरकार के प्रयासों से 19 फरवरी को राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 का आयोजन होने जा रहा है। इसके माध्यम से प्रदेश में कुल 10 लाख 15 हजार 583 करोड़ की 14 हजार 537 परियोजनाएं धरातल पर उतरने को पूरी तरह तैयार हैं। इनमें 500 करोड़ की 300 परियोजनाएं, 100 से 500 करोड़ की 895 परियोजनाएं, 10 से 100 करोड़ की 4 हजार 577 परियोजनाएं, 01 से 10 करोड़ की 8 हजार 735 परियोजनाएं शामिल हैं। सभी परियोजनाओं के धरातल पर आने के बाद 34 लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे। कुल मिलाकर ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-4.0 प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगी।

'बदलाव और रफ्तार यूपी की पहचान बना 'बुधवार को ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-4.0 की तैयारियों को लेकर सम्बंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर आयोजन को भव्यतम बनाने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नए भारत के नए उत्तर प्रदेश को विकसित प्रदेश के रूप में एक नई पहचान मिली है। 2018 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के बाद आयोजित पहले भूमि पूजन समारोह में 60 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव को शामिल किया गया था। वहीं अब छह वर्ष बाद 2024 में 10.15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जाएगा। यही बदलाव व रफ्तार यूपी की पहचान है। अधिकारियों ने मंत्री नन्दी को तैयारियों के साथ ही अयोजन की भी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जीबीसी के दौरान ही 20 और 21 फरवरी को विभिन्न विषयों पर सेक्टोरल सेशन आयोजित किए जाएंगे, जिसमें ज्ञानार्जन की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी विभिन्न तकनीकी, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थानों के छात्रों को आमंत्रित किया जाएगा।

पुलिस भर्ती परीक्षा के मद्देनज़र जिलाधिकारी ने की बैठक

●35 परीक्षा केंद्रों पर 17 व 18 फरवरी को होगी परीक्षा

●भ्रामक खबरों पर अंकुश लगाने के लिए सोशल मीडिया पर भी रहेगी नज़र

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जिले में 35 परीक्षा केंद्रों पर 17 व 18 फरवरी को पुलिस भर्ती परीक्षा दो-दो सत्रों में आयोजित होंगी। परीक्षा के प्रत्येक सत्र में 16848 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी, सुचितापूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से डीएम महेंद्र बहादुर सिंह व एसपी गणेश प्रसाद साहा ने कलेक्ट्रेट में बैठक ली। बैठक का संचालन डीआईओएस डॉ महेंद्र प्रताप सिंह ने किया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने सभी जोनल, स्टेटिक, अतिरिक्त स्टेटिक एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक व सहायक केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि परीक्षा की जो नियम-शर्तें हैं,उनके अनुरूप ही परीक्षा कराएं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर छोटी से छोटी गलती भी अक्षम्य होगी।

सभी सम्बन्धित बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का भलि-भांति अध्ययन कर सकुशल परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाय। उन्होनें केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार केन्द्र की व्यवस्था समय से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

डीएम ने स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि अपने-अपने केन्द्र पर भ्रमणशील रहकर केन्द्र पर स्थापित सीसीटीवी कैमरा, कन्ट्रोल रूम से परीक्षा केन्द्र के सभी कक्षों का मानीटरिंग भी करते रहे। डीएम ने निर्देश दिए कि उप्र पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा सकुशल एवं पारदर्शी तथा नकल विहीन परीक्षा सम्पन्न कराये जाने हेतु दिये गये निर्देशों का परीक्षा डियूटी में नामित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण द्वारा अक्षरश: अनुपालन करेंगे। एसपी गणेश प्रसाद साहा ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि परीक्षा की अवधि में भ्रामक खबरों पर अंकुश लगाये जाने के लिए सोशल मीडिया पर भी सर्तक निगरानी रखी जायेगी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी पवन गौतम, उप जिलाधिकारी, सेक्टर, स्टेटिक्स मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक तथा अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री टेनी ने प्रेस वार्ता के दौरान गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

निघासन, खीरी। नगर पंचायत कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के बाद गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी ने नगर क्षेत्र के 21 आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिये 600 किटें बांटी। बुधवार को नगर कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी ने बताया कि एनडीए के दस वर्ष के कार्यकाल में भारत की स्थित पहले से सुदृढ़ हुई है। उन्होंने बताया कि चार करोड़ लोगों को आवास व दस करोड़ लोगों को शौचालय दिये गये हैं। वहीं दस करोड़ महिलाओं को उज्जवला गैस कनेक्शन, 11.50 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि से आच्छादित किया गया है। प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 3.75 लाख किमी सड़क बनायी गयी है। 700 मेडिकल कालेज, 75 एअरपोर्ट, 23 आई आईटी कालेज,1113 विश्व विद्यालय खोले गये हैं। 200 करोड़ से अधिक लोगों का टीकाकरण कराया गया है। 3.5 साल पहले मुफ्त शुरु हुई अन्न योजना पांच साल आगे और बढ़ा दी गयी है। महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ है। उच्च शिक्षा में 28 प्रतिशत नामांकन बढ़ा है।

सखी मानव सेवा समिति ने उल्लास के साथ मनाया बसंतोत्सव व मातृ पित्र पूजन

संवाददाता। फतेहपुर

सामाजिक कार्यों में अग्रणी सखी मानव सेवा समिति ने बसंतोत्सव एवं मातृ पित्र पूजन दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां पर मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार मौर्य व समिति के पधिकारियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम की शुरुआत की।

नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि इस पकार के कार्यक्रम संस्कृति को वापस ला रहे हैं। जो हमारे लिए गर्व की बात है। सभा को संबोधित करते हुए विशिष्ठ अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका आसिया फरुकी ने प्रतिभाग कर रहे बच्चों को आशीर्वचनों से संबोधित किया। सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह व शॉल भेंट कर समिति ने सामानित किया। समिति में सर्वेश कुमार गुप्ता व गुरु प्रसाद को नई जिम्मेदारियों के लिए मनोनीत किया। समाजसेवी ईशांत सिंह ने अपने माता-पिता का पूजन कर कार्यक्रम के माध्यम से समाज को संदेश दिया। प्रबंधक नमिता सिंह ने बताया कि समिति द्वारा समय-समय पर ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। उन बच्चों को यहां पर प्रदर्शन के लिए बुलाया गया जो समाज के आखिरी छोर पर खड़े हैं। यह बच्चे मुस्लिम समाज के थे और हिंदू धर्म के बसंत उत्सव को मना रहे थे। इस कार्यक्रम के माध्यम से आज के ही दिन पुलवामा में शहीद हुए वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

देवभाषा संस्कृत में मनाया जयपुरिया स्कूल ने ऋतुराज पर्व

लखीमपुर खीरी। सेठ एम आर जयपुरिया स्कूल में वसंत पंचमी के अवसर पर उल्लास और उमंग के साथ विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम बच्चों द्वारा देवभाषा में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कक्षा 6 की छात्रा प्रियांशी शर्मा द्वारा पर्व की विशेषताएं संस्कृत भाषा में बताई गई । संस्कृत शिक्षक अभिनव सर के निर्देशन में बच्चों द्वारा दी गई प्रतुतियां अतुलनीय थीं। मां सरस्वती की विशेष पूजा आयोजित की गई। पूजा कार्यक्रम प्रधानाचार्य द्वारा संपन्न किया गया। शिक्षा और संस्कार के वातावरण में नन्हे मुन्ने बच्चों का अक्षरारंभ संस्कार पूरे विधि विधान और मंत्रोच्चार के साथ करवाया गया। विद्यालय में वसंतोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत पतंग महोत्सव का भी आयोजन किया गया। सरस्वती वंदना आधारित नृत्य और सरस्वती वंदना का गायन विद्यालय के बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया इसके साथ ही बच्चों के लिए क्रिकेट मैच और पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला भी आयोजित की गई।

भाजपा महिला मोर्चा की फिर जिलाध्यक्ष बनीं ज्योति प्रवीण

●समाजसेविका पूनम श्रीवास्तव व सुनिधि को मिली महामंत्री की जिम्मेदारी

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल की संस्तुति पर एक बार फिर ज्योति प्रवीण को महिला मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाया गया। इसके साथ ही पूरी जिला कार्यकारिणी की घोषित कर दी गई। जिसमें समाजसेविका पूनम श्रीवास्तव के साथ ही सुनिधि तिवारी को महामंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भाजपा महिला मोर्चा की घोषित कार्यकारिणी में अध्यक्ष ज्योति प्रवीण के अलावा शैलजा राज लोधी, सोमवती निषाद, अन्नू सविता, रेखा सरोज, साधना सिंह, संजना द्विवेदी को उपाध्यक्ष, सुनिधि तिवारी व समाजसेविका पूनम श्रीवास्तव को महामंत्री, मधु शर्मा, रितु पटेल, संगीता तिवारी, नीतू सिंह, नीलम ज्योति व गीता गुप्ता को मंत्री, सरोज मौर्या को कोषाध्यक्ष, लक्ष्मी को कार्यालय प्रभारी, रूचि श्रीवास्तव, आभा मिश्रा व कल्पना सिंह को मीडिया प्रभारी एवं बबुनी निषाद को सोशल मीडिया प्रभारी बनाया गया है। महिला मोर्चा की नवमनोनीत जिलाध्यक्ष ज्योति प्रवीण ने कहा कि भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है। वह लगातार पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार कर रही हैं और आगे भी इसी तरह केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगी। नवमनोनीत महामंत्री समाजसेविका पूनम श्रीवास्तव ने कहा कि उन्हें पहली बार इतने महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिस पर वह खरा उतरने का काम करेंगी। ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को मोर्चा से जोड़ने का काम किया जाएगा। जिससे आगामी लोकसभा चुनाव में घोषित प्रत्याशी को जिताया जा सके।

गढ़ीवा मझगवां खदान में नदी का सीना चीर रहे माफ़िया, हो रही है अवैध वसूली

●बिना रवन्ना के निकल रहे मौरंग लदे ओवरलोड वाहन

●पोकलैंड मशीनों से रात में किया जा रहा अवैध खनन

संवाददाता। खागा, फतेहपुर

मौरंग में हमेशा चर्चित रहने वाले किशनपुर क्षेत्र ने अवैध खनन को लेकर सरकार की खनन नीति को माफ्रियाओं ने फेल कर दिया है। गढ़ीवा मझगवां खदान में सारे नियम कानून कायदों को ताक पर रखकर नदियों का रात-दिन सीना चीरकर भारी मशीनों से मौरंग निकली जा रही है। सरकार की खनन नीति व एनजीटी के नियम के अनुसार नदी के किनारे व नदी की जलधारा प्रभावित कर खनन करना पूर्ण रूप से अवैध है।

अभी हाल में ही सोशल मीडिया में पानी के अंदर से हैवी मशीन द्वारा मौरंग निकलते हुए वीडियो वायरल हुआ था। जिसके बाद खान अधिकारी ने छापेमारी कर कमरे बंद पाए थे लेकिन अधिकारियों को अवैध खनन व ओवरलोड वाहन नहीं मिले। जिसके बाद माफ्रियाओं को क्लीन चिट दी गई है। मौरंग माफ्रियाओं ने अवैध खनन करने के लिए संबंधित अधिकारियों की ठीक-ठाक सेवा कर रखी है। जिसके चलते अधिकारी भी चुप्पी साधे हुए हैं। वहीं बिना रवन्ना के मौरंग लदे ओवरलोड वाहन लगातार निकल रहे हैं लेकिन अधिकारियों की निगाह इधर नहीं जा रही है। इससे विभाग को राजस्व की खासी चपत लग रही है। क्लीन चिट मिलने के बाद से मौरंग माफ्रियाओं के हौसले और भी बुलंद हो गए हैं।

न्यायालय से प्रतिबंध पोकलैंड मशीनों का प्रयोग करके नदी किनारे बड़े-बड़े झील नुमा गड्ढे कर दिए गए हैं। जिससे नदी की भौगोलिक स्थिति खराब हो रही है। बता दें कि मौरंग माफ्रिया रात के अंधेरे में पोकलैंड मशीनों से खनन करके भारी मात्रा में ओवरलोड वाहनों को निकाल रहे हैं। वहीं देखा जा रहा है कि जिला पंचायत की रसीद काटकर अवैध वसूली की जा रही है।

प्रशासन उक्त मामले में पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए है। उधर दबंगई के बल पर जिला पंचायत की वसूली भी लगातार जारी है। पूछे जाने पर मामले में जिला पंचायत कार्य अधिकारी नीरज कुमार ने बताया कि जिला पंचायत का टेंडर जारी किया गया है। वसूली अवैध नहीं है। अगर निर्धारित शुल्क से ज्यादा लिया जा रहा है तो गलत है। इस संबंध में जांच की जाएगी।

रामभरोसे इंटर कॉलेज में हुआ छात्र विदाई समारोह

संडीला, हरदोई। रामभरोसे इंटर कॉलेज में आयोजित विदाई समारोह में छात्र छात्राओं को सफलता के टिप्स दिए गए। विदाई समारोह में बोलते हुए प्रधानाचार्य शैलेन्द्र कुमार पटेल ने कहा कि मन में ठान लेने के बाद किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उपप्रधानाचार्य अरविंद कुमार पटेल ने विभिन्न मूहापुरुषों का उदाहरण देकर छात्र छात्राओं को प्रेरित किया। केमेस्ट्री शिक्षक अमित मौर्या ने छात्रों को कम समय में परीक्षा की तैयारी और अधिक अंक प्राप्त करने के टिप्स दिए। उन्होंनें कहा कि छात्र प्रश्न पत्र को दो तीन बार पढ़कर ही उत्तर पुस्तिका में उसका उत्तर लिखें। इस अवसर पर शिक्षक अखिलेश कुमार, घनश्याम सिंह, प्रियंका द्विवेदी, बब्ली कन्नौजिया, आलोक कन्नौजिया, मो रिज़वान आदि मौजूद रहे।

नलकूप के बाहर किसान का खून से लथपथ शव बरामद

खेत से धारदार हथियार बरामद, परिजनों में मचा कोहराम

जहानाबाद, फतेहपुर। घर से खेतों की रखवाली करने गए किसान का नलकूप के पास बुधवार की सुबह खून से लतपत्त खेत में शव पड़ा मिला है। इस सनसनीखेज वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं। वहीं शव से दूरी पर एक खेत से धारदार हथियार भी पुलिस ने बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के रोशनपुर गांव निवासी सुखदेव का 45 वर्षीय बेटा हरिश्चंद्र खेती किसानी करता था। बताया जा रहा है कि रोज की तरह खाने के बाद घर से मंगलवार की रात को भी करीब 9 बजे खैराबाद गांव किनारे स्थित अपने नलकूप पर खेतों की रखवाली के लिए गया था। बुधवार को जब काफी देर तक हरिश्चंद्र घर नहीं पहुंचा तो परिजन ट्यूबवेल पहुंचे और झोपडी में देखा तो हरिश्चंद्र गायब था। इस पर आसपास खेतों में खोजबीन शुरू की। इस दौरान ट्यूबवेल से कुछ ही दूरी पर हरिश्चंद्र का लहूलुहान शव पड़ा मिला। हरिश्चंद्र के गले में धारदार हथियार से किये हमले के कई गंभीर चोंटों के निशान भी थे। यह देख परिजनों में कोहराम मच गया। इसके बाद घटना की जानकारी मिलते हैं मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। उधर, हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल का मुआयना करने के दौरान शव से करीब 50 मीटर दूर खून से सना धारदार हथियार भी मिला है। कार्यवाहक थाना प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों से तहरीर मिलने के बाद मामले में अन्य विधिक कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने किया गौशाला का लोकार्पण

ढखेरवा, खीरी। विकास क्षेत्र रमियाबेहड़ की ग्राम पंचायत खरवहिया नबर दो में नवनिर्मित गौशाला का बुधवार दोपहर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी ने लोकार्पण किया। इस दौरान मंत्री ने गौशाला का निरीक्षण कर गौ माता का पूजन भी किया। कार्यक्रम ग्राम प्रधान किरन मौर्य की अध्यक्षता में संपन्न कराया गया। गौशाला लोकार्पण के पश्चात केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा ने एक सभा को संबोधित करते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में संचालित विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं का बखान किया साथ ही कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार पिछले दस वर्षों में बिना किसी भेदभाव सबका साथ सबका विकास के पथ पर कार्य किया है।

इलेविन स्टार कानपुर देहात की टीम 13 रन से हासिल की जीत

पुखरायां, कानपुर देहात। 14 फरवरी 2023 स्वच्छ भारत मिशन के अर्न्तगत नगर पालिका परिषद पुखरायां की ओर से रामस्वरूप ग्राम उद्योग इंटर कालेज ग्राउण्ड में आयोजित प्रदेश स्तरीय क्रिकेट टी-20 लीग का फाइनल मैच बुधवार को नगर पालिका परिषद पुखरायां और इलेविन स्टार कानपुर देहात की टीमों के बीच रोमांचक मैच खेला गया। जिसमें इलेविन स्टार कानपुर देहात की टीम ने नगर पालिका परिषद पुखरायां की टीम को 13 रन से शिकस्त दी। इलेविन स्टार कानपुर देहात के कप्तान शार्दुल ने टास जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। इलेविन स्टार कानपुर देहात की ओर से कामरान मिन्नी दो चाके और तीन छक्के लगाकर 19 गेंद खेलकर 35 रन, टाटा ने 14 गेंद खेलकर 3 चौके व 3 छक्के लगाकर 34 रन बनाए। इलेविन स्टार कानपुर देहात की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 150 रन का स्कोर खड़ा किया। नगर पालिका परिषद पुखरायां की अध्यक्ष श्रीमती पूनम दिवाकर, भाजपा नेता करूणाशंकर दिवाकर, अधिशासी अधिकारी अजय कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी आशुतोष मिश्रा ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए।

फिरौती के लिए अपहरण की घटना का पुलिस ने छह घण्टे में किया अनावरण

संवाददाता। बांदा

चित्रकूट धाम मंडल के डीआईजी अजय सिंह ने बताया की थाना रैपुरा पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा फिरौती के लिए अपहरण कर हत्या में संलिप्त 03 शातिर अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया है।

12 फरवरी को वादिनी श्रीमती मन्जू देवी पत्नी राजधर कस्बा थाना रैपुरा जनपद चित्रकूट द्वारा 14.50 अपरान्ह थाना रैपुरा में अपने पुत्र सुधांशु उम्र 16 वर्ष के दिनांक 10 फरवरी को सांयकाल से गायब होने एवं 12 फरवरी को ही प्रात: काल एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहृत के पिता श्रीराजधर के मोबाइल पर फोन करके सुधांशु के उसके कब्जे में होने की बात कही। पुन: लगभग 1 घण्टे पश्चात अपहृत के पिता के फोन पर 50 लाख रुपये की फिरौती की मांग एवं न देने पर लड़के को जान से मारने

की धमकी दी गयी। उक्त धमकी के पश्चात अपहृत के पिता द्वारा स्वयं के बाहर कानपुर में होने के कारण अपनी पत्नी को जरिये फोन उक्त घटना के विषय में जानकारी दी जिसके पश्चात अपहृत की माँ के तहरीर पर थाना रैपुरा में कॉलर नाम पता अज्ञात पंजीकृत किया गया जिसके अनावरण हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा थानाध्यक्ष रैपुरा,प्रभारी निरीक्षक कर्वी व एसओजी/सर्विलांस की संयुक्त टीम को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गए। उक्त टीमों का नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक,क्षेत्राधिकारी राजापुर व क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा किया गया।

फिरौती मांगने में प्रयुक्त मो0नं09455836625 के धारक का विवरण सर्विस प्रोवाइडर कम्पनी से प्राप्त कर सिम धारक दद्दू पटेल को पूंछताछ के लिए पकडा गया तो उसने बताया कि उक्त सिम मेरे फोन से दो दिवस पूर्व चोरी चला गया था जिसे मैं ढूढ़ रहा हूं। पुन: जब उक्त दद्दू पटेल को फिरौती माँगने वाले अपचारी की कॉल सुनाई गयी तो कॉल करने वाले व्यक्ति की आवाज सुनकर उसकी पहचान विनय पटेल के रुप में की । पुलिस टीम द्वारा विनय पटेल को त्वरित गिरफ्तार करके सम्पूर्ण घटना क्रम का खुलासा हुआ।

सुख और समृद्धि का प्रतीक है बसंत पंचमी: अमित यादव

गुरसहायगंज, कन्नौज। बुधवार को बाबू जागेश्वर प्रसाद मेमोरियल इण्टर कालेज में बसंत पंचमी का पर्व बड़े उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर हवन पूजन का आयोजन किया गया।

बसंत पंचमी के पावन पर्व पर आचार्य पं. सुरेन्द्र दुबे द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ हवन पूजन किया गया। जिसमें शिक्षक शिक्षिकाओं व छात्र-छात्राओं द्वारा आहूति दी गई। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी को बसंत पंचमी पर्व की बधाई दी और कहा कि बसंत पंचमी का पर्व सुख, समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है। यह पर्व हमें अज्ञान से ज्ञान की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व ज्ञान, संगीत और कला की देवी माँ सरस्वती को समर्पित है। इस पर्व पर प्रकृति का कण-कण खिल उठता है, तो हमें एक नई उमंग और ऊर्जा प्रदान करता है। इसके बाद सभी ने पुलवामा आतंकी हमले शहीद वीर जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान प्रधानाचार्य द्वारा हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के छात्र-छात्राओं को बोर्ड परीक्षा के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके प्रवेश पत्रों का वितरण किया गया।

अच्छे विचारों को धारण कर देशहित में काम करें: सीताराम महाराज

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के ग्राम नंगापुर्वा स्थित सीताराम मंदिर में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के अंतिम दिन कथावाचक पं0 रामानुज पाण्डेय ने भक्तों को ईश्वर के विभिन्न रूपों से रूबरू कराते हुये कहा कि इस मोहमाया रूपी संसार मे ईश्वर की भक्ति के लिये त्याग व तपस्या की आवश्यकता है। मोक्ष की प्राप्ति के लिये मोहमाया से दूर रहकर ईश्वर की भक्ति की जरूरत है। बुधवार को सीताराम मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के विराम के बाद आयोजित संत सम्मेलन एवं भण्डारे के दौरान परम संत श्री सीताराम महाराज नें कहा कि मानव जीवन अनमोल है, इसे छल, कपट, चुगली, जुंआ, चोरी, नशा आदि व्यसनों की लत लगाकर बर्बाद न करें। अपने मन में अच्छे विचारों को धारण करते हुए सदैव धर्म, समाज और देश हित के लिए काम करें। इसके पूर्व उन्होने ठाकुर जी को भोग लगाकर भण्डारा प्रसाद वितरण प्रारंभ किया। जिसमें दूर-दराज से आए हजारों संतों और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। जो देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी अशोक गुप्ता, गौरव वर्मा, वीरसिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

भारतीय सभ्यता और संस्कृति विश्व की मार्गदर्शक: अलका अर्कवंशी

संडीला, हरदोई। क्षेत्रीय विधायक अलका अर्कवंशी ने एक कॉलेज में आयोजित वसंत उत्सव कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि छात्र छात्राओं को भारतीय सभ्यता और संस्कृति की जानकारी दी जानी चाहिए ताकि वे इससे गंभीरता से परिचित होकर प्रेरणा ले सकें।

स्थानीय पार्वती देवी सरस्वती विद्यामंदिर इंटर कॉलेज में आयोजित वसंत उत्सव का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक अलका अर्कवंशी और आरएसएस के विभाग प्रचारक कौशल कुमार ने संयुक्त रूप से सरस्वती प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर किया। अपने संबोधन में अलका अर्कवंशी ने कहा कि छात्रों को भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति से परिचित कराना आवश्यक है। भारत वर्ष ने सदैव मानवीय मूल्यों की रक्षा और भ्रातृत्व प्रेम का संदेश दिया है। उन्होंनें कहा कि प्रत्येक मनुष्य के हृदय में प्रेम और सेवा भाव होना चाहिए। पूर्व ब्लाक प्रमुख कुंवर वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि छात्र छात्राओं को आगामी जीवन के लिए स्वंय को तैयार करने हेतु कठिन परिश्रम करने की प्रवत्ति विकसित करनी चाहिए, यदि हम एक धेय और उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ें तो जीवन में निश्चित रूप से सफ़ल होंगे। कार्यक्रम में छात्रों ने ''राम आएंगे'' भजन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रबंधक प्रेम बाबा, जिला स्काउट कमिश्नर

महिला सशक्तीकरण के लिए मोदी सरकार ने चलाईं हैं अनेक योजनाएं

संवाददाता। फर्रुखाबाद

बुधवार को आवास विकास कॉलोनी स्थित भाजपा जिला मुख्यालय पर नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत सदर विधानसभा की संगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि सांसद मुकेश राजपूत ने कार्यक्रम में उपस्थित स्वयं सहायता समूह एवं एनजीओ से संबंधित महिलाओ को संबोधित किया। मुख्य अतिथि सांसद मुकेश राजपूत ने कहा नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के माध्यम से केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के द्वारा नारी हितों के लिए किए जा रहे कार्यों एवं प्रयासों की जानकारी महिलाओं से संबंधित सभी स्वयं सहायता समूह एवं एनजीओ तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है विकसित भारत के निर्माण में महिला सशक्तिकरण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

केंद्र की मोदी सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए अनेकों

कल्याणकारी योजनाएं चलाने का कार्य किया है देश में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करने के लिए 33: आरक्षण देकर उनको समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य किया है वर्तमान में केंद्र सरकार के प्रयासों से महिला सशक्तिकरण ने महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अग्रणी पंक्ति में लाने का कार्य किया है।

केंद्र की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ उज्जवला गैस योजना राशन कार्ड योजना कन्या सुमंगला योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना महिला समृद्धि योजना जैसी सैकड़ो योजनाएं जो महिलाओं से संबंधित है जिनके मूल स्वरूप में आने से महिलाओं के जीवन में खुशहाली लाने का कार्य किया है। जिला महामंत्री हिमांशु गुप्ता ने कहा केंद्र सरकार ने महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए 33: आरक्षण देकर उनके सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया जो मिल का पत्थर साबित होगा। पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कटियार ने कहा केंद्र की मोदी सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करके उनको आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने का कार्य किया है। हर क्षेत्र में भारतीय नारी नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है।

बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव संजीब पारिया को मिली जमानत

फर्रुखाबाद। जेल में निरुद्ध बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव संजीब पारिया को लगभग चार माह बाद इलाहबाद हाईकोर्ट सशर्त जमानत मिल गयी। लेकिन जेल से बाहर आने से पूर्व उनके खिलाफ गैंगेस्टर का मुकदमा दर्ज हुआ है। जिससे पारिया की मुश्किलें और बढ़ गयीं हैं। बीते 13नवंबर 2023 को कोतवाली फ्तेहगढ़ पुलिस नें संजीब पारिया को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। उनके ऊपर शहर कोतवाली के मोहगा नवाब न्यामत खां निवासी वकील राजीव कुमार वाजपेयी ने अनुपम दुबे, बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव संजीव पारिया, वकील शिव प्रताप उर्फ चीनू व 12 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमें में न्यायिक अधिकारी का विरोध कर अवैध रूप से हड़ताल करने, बार एसोसिएशन का साढ़े पांच करोड़ का घोटाला, वकील पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया गया था।

संगम की रेती पर संतों की धुना तपस्या शुरू

बसंत पंचमी से शुरू होकर गंगा दशहरा तक चलेगी धुना तपस्या, माघ मेला में 500 संतों ने शुरू की कठिन साधना

प्रयागराज। तपस्वी संतों की सबसे कठिन धुना तपस्या बसंत पंचमी बुधवार से संगम की रेती पर शुरू हो गई है। यह तपस्या गंगा दशहरा तक चलेगी। माघ मेला में आये 500 तपस्वी संतों ने धुना तपस्या शुरू कर दिया है। जबकि तपस्वी संतों की संख्या देश में दस हजार से अधिक है। धुना तपस्या करने वालों में आठ वर्ष के बाल संत से लेकर सभी उम्र के संत महात्मा धुना तपस्या करते हैं। माघ मेला में महावीर मार्ग के दायीं तरफलगे तपस्वी नगर में महामंडलेश्वर स्वामी रामसंतोष दास महराज स्वामी गोपाल महराज लाल बाबा चाय वाले स्वामी भगवत दास महाराज स्वामी गोपाल महराज स्वामी तुलसीदास महाराज सहित बड़ी संख्या में संत धुना तपस्या में लगे गये है। महावीर मार्ग के बायीं तरफ नर्मदा खण्ड जबलपुर का शिविर लगा है। जिसमें महामंडलेश्वर स्वामी रामदास टाटाम्बरी महराज स्वामी ध्रुवदास महराज सहित बड़ी संख्या में संत एवं अक्षयवट मार्ग पर राजस्थान के बीकानेर के राष्ट्रीय संत महामण्डलेश्वर स्वामी सरयू दास महाराज के शिविर में धुना तपस्या चल रही है। तपस्वी नगर के स्वामी गोपाल महाराज ने बताया कि धुना तपस्या प्रत्येक वर्ष बसंत पंचमी से शुरू होकर गंगा दशहरा तक चलती है। उन्होंने बताया कि गर्मी के दौरान अप्रैल से जून तक तपस्या सबसे कठिन होती है क्योंकि उस दौरान भीषण गर्मी पड़ती है। यह तपस्या सुबह से शुरू होकर शाम तक यानी कि दिन में कम से कम आठ घण्टे होती है। स्वामी गोपाल महराज ने बताया कि अगर किसी संत की तबियत तपस्या के दौरान खराब होती है या कोई दिक्कत है तो वह अपनी सुविधानुसार तपस्या कर सकता है लेकिन धुना तपस्या सभी को करनी होती है।

तपस्वी नगर के सबसे वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी रामसंतोष दास महराज ने बताया कि यह प्राचीन तपस्या की परंपरा है जिसे हमारे रिषी मुनि करते थे उसी परंपरा का निर्वहन कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि मेरी उम्र लगभग 70 वर्ष है लेकिन अभी भी धुना तपस्या बसंत पंचमी से गंगा दशहरा तक करता हूं। नर्मदा खण्ड जबलपुर के स्वामी ध्रुवदास महराज ने बताया कि यह तपस्या हम लोग बचपन से करते आ रहे हैं। इससे जहां ऊर्जा मिलती है वहीं ईश्वर का भी ध्यान और पूजन होता है। राजस्थान के बीकानेर के राष्ट्रीय संत महामण्डलेश्वर स्वामी सरयूदास महराज ने कहा कि धुना तपस्या सबसे कठिन साधना है लेकिन हम सभी संत उत्साह से करते हैं। उन्होंने कहा कि इस साधना से जहां संत महात्मा अक्षय ऊर्जा एकत्र करते है वहीं ईश्वर में मन और ध्यान लगाने का सबसे अच्छा समय होता है।

दिल्ली चलो मार्च पर बीकेएस ने कहा

किसानों के नाम पर राजनीतिक तिकड़मबाजी होनी चाहिए बंद

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ से संबंधित भारतीय किसान संघ (बीकेएस) ने कहा कि वह किसानों के दिल्ली चलो मार्च का समर्थन नहीं करता क्योंकि यह राजीनितक है और इसका किसानों के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। बीकेएस महासचिव मोहिनी मोहन मिश्रा ने एक बयान में कहा कि किसानों को लागत के आधार पर उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिलना चाहिए लेकिन चुनावों को ध्यान में रखते हुए किसानों के नाम पर राजनीतिक तिकड़मबाजी बंद की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब चुनावों के दौरान राजनीतिक मंशा के साथ किसानों के नाम पर आंदोलन किए जाते हैं तो हिंसा, अराजकता और राष्ट्रीय संपत्ति का नुकसान होता है। मिश्रा ने कहा कि इस तरह के आंदोलन किसानों के प्रति नकारात्मक भावनाओं को जन्म देते हैं और अपनी बेहतरी के लिए संघर्ष कर रहे किसानों को इसका परिणाम भुगतना पड़ता है। उन्होंने कहा, इसलिए बीकेएस हिंसक आंदोलन का समर्थन नहीं करता। हम आग्रह करते हैं कि जो लोग अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पूरी करना चाहते हैं उन्हें ऐसा करना जारी रखना चाहिए लेकिन उन्हें समाज में किसानों के प्रति नकारात्मक भावना नहीं पैदा करनी चाहिए। मिश्रा ने कहा, बीकेएस, लागत के आधार पर किसानों की उपज का लाभकारी मूल्य देने की मांग को लेकर लगातार संघर्ष करता आ रहा है और जब सरकार के साथ बातचीत से कोई समाधान नहीं निकलता तब आंदोलन करता है। उन्होंने कहा, हम लागत के आधार पर किसानों को लाभकारी मूल्य देने की मांग करते हैं, जो किसान का अधिकार है। साथ ही कृषि में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों पर जीएसटी भी खत्म किया जाना चाहिए। किसान सम्मान निधि बढ़ाई जानी चाहिए और जीएम बीज की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। मिश्रा ने कहा कि दुख होता है जब राजनीतिक मंशा रखने वाले कुछ लोग अपने राजनीतिक हितों के लिए किसानों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने वर्ष 2017 में मध्य प्रदेश के मंदसौर में किसानों के विरोध प्रदर्शन और 2020-21 में दिल्ली में तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन का हवाला देते हुए कहा, भारतीय किसान संघ का मानना है कि जब किसानों के नाम पर कोई राजनीतिक आंदोलन किया जाता है, तो नुकसान केवल किसानों को ही होता है।

सपा नेता राम गोविंद चौधरी ने स्वामी प्रसाद मौर्य का समर्थन किया

बलिया। स्वामी प्रसाद मौर्य के समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय सचिव राम गोविंद चौधरी ने बुधवार को पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखकर उनसे मौर्य का इस्तीफा स्वीकार न करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा द्वारा फैलाए गए जहर का मुकाबला कर रहे थे। मौर्य ने मंगलवार सपा के राष्ट्रीय महासचिव के पद से यह आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था कि पार्टी नेतृत्व उनकी टिप्पणियों को लेकर उनका बचाव करने के बजाय उनके साथ भेदभाव कर रहा है। चौधरी ने सपा प्रमुख यादव को पत्र में लिखा है, आपके यशस्वी नेतृत्व में समाजवादी पार्टी का हर कार्यकर्ता और और नेता साम्प्रदायिकता और पाखंड के इस ज़हर का असर कम करने के लिए संघर्ष कर रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य भी भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इस ज़हर का मजबूती से प्रतिवाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इसलिए वह भाजपा और संघ के निशाने पर है। स्वामी प्रसाद मौर्य पिछड़े समाज से आते हैं। अपने जुझारू स्वभाव की वजह से इस समाज में उनका एक विशेष स्थान हैं। उनका पदाधिकारी बने रहना समाजवादी पार्टी के हित में है। इसलिए मेरा आग्रह है कि आप उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं करें।

मौर्य ने रामचरितमानस और अयोध्या मंदिर प्रतिष्ठा समारोह पर विवादित बयान दिए थे। सपा के विधान परिषद सदस्य मौर्य ने पार्टी अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा था कि उन्होंने पार्टी का जनाधार बढ़ाने का काम अपने तौर-तरीके से जारी रखा और भाजपा के मकड़जाल में फंसे आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों के स्वाभिमान को जगाने की कोशिश की। इस पर पार्टी के ही कुछ नेताओं ने उनकी टिप्पणियों को उनका निजी बयान कहकर उनके प्रयास की धार को कुंद करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, हैरानी तो तब हुई जब पार्टी के वरिष्ठतम नेताओं ने चुप रहने के बजाय मौर्य जी का निजी बयान कह कर कार्यकर्ताओं का हौसला तोड़ने की कोशिश की। मैं नहीं समझ पाया एक राष्ट्रीय महासचिव मैं हूँ, जिसका कोई भी बयान निजी बयान हो जाता है और पार्टी के कुछ राष्ट्रीय महासचिव व नेता ऐसे भी हैं जिनका हर बयान पार्टी का हो जाता है। यह समझ के परे है। मौर्य ने पत्र में कहा, दूसरी हैरानी यह है कि मेरे इस प्रयास से आदिवासियों, दलितों, पिछड़ो का स्थान समाजवादी पार्टी के तरफ बढ़ा है। बढ़ा हुआ जनाधार पार्टी का और जनाधार बढ़ाने का प्रयास व वक्तव्य पार्टी का न होकर निजी कैसे?

महिलाएं आर्थिक विकास को गति दें: मुर्मू

भाषा। जयपुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए पूरे समाज को कोशिश करनी होगी कि महिलाएं आर्थिक विकास को गति प्रदान करें और महिला नेतृत्व के विकास की सोच के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि आज देश में आधी आबादी महिलाओं की है।

राष्ट्रपति बेणेश्वर धाम में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी आदिवासी महिलाओं को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने सवाल किया, देश की 140 करोड़ आबादी में से आधी आबादी यानी 70 करोड़ महिलाएं घर बैठेंगी तो देश कैसे चलेगा, समाज कैसे चलेगा, देश आगे कैसे बढ़ेगा? राष्ट्रपति ने कहा, इसलिए देश को चलाने के लिए, घर परिवार को चलाने के लिए महिला और पुरूष दोनों का सहयोग जरूरी है। देश का आर्थिक, सामाजिक विकास करने के लिए पुरुष और महिला दोनों का ही सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज दोनों के सहयोग से देश आगे बढ रहा है। भारत की ओर लोग उम्मीदों के साथ देख रहे हैं।राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं में शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देना चाहिए। ऐसा करने से वे देश और विश्व की प्रगति में बराबर की साझेदार बन सकेंगी। उन्होंने कहा कि आज हमारे बीच उपस्थित जनजातीय बहने और बेटियां भारत की विकास यात्रा में सराहनीय योगदान दे रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा, मुझे विश्वास है कि भविष्य में भी आप (महिलाएं) भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगी। आपकी सफलता के बल पर ही समस्त भारत का भविष्य उज्ज्वल होगा। आप सभी बेटियों और बहनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं। उन्होंने कहा, जनजातीय समुदाय के जीवन मूल्य अनुकरणीय है.. हमें उनसे सीखना चाहिए कि कैसे प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहना संभव है। हमें सीखना होगा कि कैसे कम से कम साधनों से बिना प्रकृति को हानि पहुंचाए जीवन जीना संभव है। राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समुदाय के लोग स्वभाव से ही समानता और लोकतंत्र के मूल्य को मानते रहे हैं।महिला सशक्तिकरण, मानवता का ही एक विशेष रूप है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया भी मौजदू थे।

मुर्मू ने मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना की

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को राजस्थान के दौसा जिले के मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की। वह मंदिर की आरती में भी शामिल हुईं। राष्ट्रपति की यात्रा के मद्देनजर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। वह करीब एक घंटे तक मंदिर में रहीं।

पति का मां को समय व पैसे देना घरेलू हिंसा नहीं: अदालत ने महिला की याचिका खारिज की

मुंबई। मुंबई की एक सत्र अदालत ने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत पर मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली एक महिला की याचिका खारिज करते हुए कहा कि पति द्वारा अपनी मां को समय और पैसा देना घरेलू हिंसा नहीं माना जा सकता। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आशीष अयाचित ने मंगलवार को पारित आदेश में कहा कि उत्तरदाताओं के खिलाफ आरोप अस्पष्ट और संदिग्ध हैं और यह साबित करने के लिए कुछ भी नहीं है कि उन्होंने आवेदक (महिला) के खिलाफ घरेलू हिंसा की। मंत्रालय (राज्य सचिवालय) में सहायक के रूप में काम करने वाली एक महिला ने सुरक्षा और गुजारा भत्ते की मांग के लिए घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम के तहत एक मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष शिकायत दर्ज की थी। महिला ने आरोप लगाया कि उसके पति ने अपनी मां की मानसिक बीमारी की बात छिपाकर और उसे धोखा देकर उससे शादी की है। महिला ने यह भी दावा किया कि उसकी सास उसकी नौकरी का विरोध करती थी और पति व सास उससे झगड़ते थे। महिला ने कहा कि उसके पति सितंबर 1993 से दिसंबर 2004 तक अपनी नौकरी के लिए विदेश में रहे। जब भी वह छुट्टी पर भारत आते थे, तो अपनी मां से मिलने जाते थे और उन्हें हर साल 10,000 रुपए भेजते थे। महिला ने कहा कि पति ने अपनी मां की आंख के ऑपरेशन के लिए भी पैसे खर्च किए। उसने अपने ससुराल के अन्य सदस्यों द्वारा उत्पीड़न का भी दावा किया। हालांकि, ससुराल वालों ने सभी आरोपों से इनकार किया। प्रतिवादी ने दावा किया कि पत्नी ने कभी भी उसे अपने पति के रूप में स्वीकार नहीं किया और उस पर झूठे आरोप लगाती रही।

बेहमई सामूहिक हत्याकांड में 43 साल बाद सुनाया गया फैसला: एक आरोपी को उम्रकैद

कानपुर। कानपुर देहात के चर्चित बेहमई सामूहिक हत्याकांड के 43 साल पुराने मामले में बुधवार को फैसला सुनाया गया। वारदात के दोषी एक व्यक्ति को उम्र कैद की सजा सुनाई गई है। कानपुर देहात के जिला शासकीय अधिवक्ता राजीव पौडवाल ने बताया कि 14 फरवरी 1981 को कानपुर देहात के राजपुर थाना क्षेत्र स्थित बेहमई गांव में दस्यु फूलन देवी और उसके गिरोह ने 20 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में कानपुर देहात की डकैती रोधी अदालत के न्यायाधीश अमित मालवीय ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद एक आरोपी श्याम बाबू को दोषी मानते हुए उम्र कैद की सजा सुनाई है जबकि एक अन्य आरोपी विश्वनाथ को सुबूतों के अभाव में बरी कर दिया। पौडवाल ने बताया कि इस वारदात में मुख्य अभियुक्त फूलन देवी समेत कुल 36 लोगों को आरोपी बनाया गया था। उनमें से श्याम बाबू और विश्वनाथ को छोड़कर बाकी सभी की मृत्यु हो चुकी है। कानपुर देहात के राजपुर थाना क्षेत्र स्थित बेहमई गांव में 14 फरवरी 1981 को फूलन देवी ने 20 लोगों को एक कतार में खड़ा कर उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थीं जिससे उन सभी की मौत हो गई थी। इस लोमहर्षक वारदात की पूरे देश में चर्चा हुई थी। बाद में फूलन देवी सांसद बन गयीं।

भारतीय दूतावास कर्मी ने हनीट्रैप में फंसने के बाद साझा की थी गोपनीय सैन्य जानकारी : यूपी एटीएस

मेरठ। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में हाल में उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के कर्मी को एक महिला ने सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती कर हनीट्रैप में फंसाया था। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते (यूपीएटीएस) ने यह जानकारी दी। मेरठ में एटीएस निरीक्षक राजीव त्यागी ने बताया कि हापुड जिले के शाहमहिउद्दीनपुर गांव निवासी सतेंद्र सिवाल ने युद्धक विमानों और पनडुब्बियों सहित भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना की हथियार प्रणालियों से संबंधित गुप्त जानकारी साझा की थी। सिवाल 10 दिनों के लिए एटीएस की हिरासत में है और यह मियाद 16 फरवरी को समाप्त होगी।

त्यागी ने बताया, सिवाल पिछले साल उस महिला के संपर्क में आया था, जिसने पूजा मेहरा के नाम से एक ऑनलाइन प्रोफाइल बनाई थी। उसने उसे हनीट्रैप में फंसाया और पैसे के बदले गुप्त दस्तावेज साझा करने का प्रलोभन दिया। एटीएस निरीक्षक ने बताया कि, सिवाल ने दावा किया है कि उसने महिला के साथ जो दस्तावेज साझा किए थे, वे अभी भी उसके फोन में हैं। उसके फोन और उसके द्वारा इस्तेमाल किए गए अन्य गैजेट्स की फोरेंसिक जांच की जा रही है। एटीएस ने इलेक्ट्रॉनिक और भौतिक निगरानी के माध्यम से अपनी जांच में पाया कि वह आईएसआई आकाओं के नेटवर्क के साथ भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल था। एटीएस अधिकारियों ने यह भी बताया कि महिला का सोशल मीडिया अकाउंट पाकिस्तान खुफिया एजेंसी द्वारा संचालित किया जा रहा था। एटीएस की मेरठ शाखा ने मॉस्को में भारतीय दूतावास में 2021 से आईबीएसए (भारत स्थित सुरक्षा सहायक) के रूप में कार्यरत सिवाल को चार फरवरी को लखनऊ से गिरफ्तार किया था।सिवाल को भारतीय दंड संहिता की धारा 121ए (देश के खिलाफ युद्ध छेड़ना) और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 के तहत एटीएस पुलिस थाना, लखनऊमें उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के बाद गिरफ्तार किया गया था। त्यागी के मुताबिक पूछताछ के दौरान, सिवाल संतोषजनक जवाब नहीं दे सका और अपना अपराध कबूल कर लिया। एटीएस ने पहले कहा था कि सिवाल पैसे के लिए रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों की रणनीतिक गतिविधियों के बारे में महत्वपूर्ण गोपनीय जानकारी प्रदान कर रहा था।विदेश मंत्रालय ने कहा था कि उसे सिवाल की गिरफ्तारी की जानकारी है और मामले में जांच अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहा है। पुलिस ने बताया कि इस बीच, सिवाल के परिवार के सदस्य हापुड स्थित पैतृक गांव के घर को छोड़कर किसी अन्य स्थान पर चले गए हैं।

पेज 1 का शेष

केंद्र और किसानों....

सुरक्षा कर्मियों द्वारा छोड़े गए किसी भी आंसू गैस के गोले के प्रभाव को कम करने के लिए पानी के टैंकरों की भी व्यवस्था की है। किसान आंसू गैस के गोले के प्रभाव को सीमित करने के लिए पानी की बोतलें और गीले कपड़े भी ले जा रहे थे। प्रदर्शनकारियों में से एक को शंभू सीमा पर आंखों की सुरक्षा के चश्मे के साथ-साथ शारीरिक सुरक्षा गियर पहने देखा गया। एक अपरंपरागत रणनीति जमीन पर उभरी जब प्रदर्शनकारी किसानों ने उन पर आंसू गैस के गोले गिराने के लिए सरकार द्वारा नियोजित ड्रोन का मुकाबला करने के लिए पतंगें उड़ाईं। चंडीगढ़ में मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए, किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल ने कहा कि वे न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सहित अपनी मांगों पर केंद्र के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं। दल्लेवाल ने कहा कि केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने अपने बयान में कहा है कि केंद्र बातचीत के लिए तैयार है और किसानों के मुद्दों को हल करने के लिए भी तैयार है। उन्होंने शंभू सीमा पर संवाददाताओं से कहा, 'हम केंद्र को यह कहने के लिए कोई गुंजाइश नहीं देना चाहते कि वह हमें आमंत्रित कर रही है, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। हमने इसे स्वीकार कर लिया है और हम बातचीत के लिए तैयार हैं।' दल्लेवाल ने कहा कि किसान नेताओं ने बातचीत के लिए साथी किसानों की सहमति ली है। राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा कड़ी रही और बड़ी संख्या में कर्मियों को तैनात किया गया और मध्य दिल्ली और हरियाणा के साथ सीमा बिंदुओं पर आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेड लगाए गए, जिससे यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इस बीच, दिल्ली के सीमावर्ती इलाकों में यातायात प्रभावित हुआ क्योंकि पुलिस ने सिंघू और टिकरी सीमाओं पर कई परतों की बैरिकेडिंग लगा दी और वाहनों की आवाजाही रोक दी। अधिकारियों ने पहले के विरोध प्रदर्शन की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए शहर की सीमाओं को मजबूत करने और सील करने के लिए सभी उपाय किए। इसमें बहुस्तरीय बाधाएँ जिसमें धातु की बैरिकेड्स, सीमेंट से सील किए गए कंक्रीट ब्लॉक, कंटीले तार और वैकल्पिक मार्गों को अवरुद्ध करने वाले ट्रक आदि शामिल हैं। इससे हजारों यात्रियों, कारखाने के श्रमिकों और स्थानीय लोगों को गुस्सा और निराशा हुई। पुलिस ने राजमार्ग पर एक लेन को यातायात के लिए खुला छोड़ने का ध्यान रखा था। इसका उपयोग एम्बुलेंस को कम गति से गुजरने की अनुमति देने के लिए किया जाता है। यह उदारता उन हजारों लोगों के लिए नहीं थी जो हरियाणा और पंजाब में अपने घरों से दिल्ली पहुंचने के लिए बसों में सवार हुए थे। सिंघु बॉर्डर पर फ्लाईओवर के नीचे संकरा रास्ता, जिसके एक तरफ कंटीले तार लगे हुए थे, ने पैदल चलने वालों के लिए खतरा बढ़ा दिया, जिनमें मरीज भी शामिल हैं, जिन्हें नाकाबंदी के दूसरी तरफ अस्पताल जाना पड़ा। उत्तर प्रदेश के साथ लगती गाज़ीपुर सीमा पर यातायात अप्रतिबंधित रहा, जबकि हरियाणा के साथ लगने वाली सिंघू और टिकरी सीमाएँ पूरी तरह से बंद हैं। यातायात प्रतिबंधों और भारी पुलिस बैरिकेडिंग के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित होने के कारण एक्सप्रेसवे लगातार दूसरे दिन रेंगने वाले मार्गों में तब्दील हो गए। दिल्ली को गाजियाबाद, नोएडा और मेरठ से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण मार्ग एनएच-9 और एनएच-24 पर दिन के दौरान यातायात निर्बाध रहा। हरियाणा के साथ सिंघू और टिकरी सीमाएँ यातायात के लिए पूरी तरह से बंद कर दी गई हैं, गाज़ीपुर में अभी भी वाहनों की आवाजाही की अनुमति है। जिन यात्रियों ने दिल्ली नोएडा डायरेक्ट (डीएनडी) फ्लाईवे के माध्यम से राजधानी में प्रवेश करने की कोशिश की, उन्हें सड़क पर कठिन समय का सामना करना पड़ा, कई लोगों को रुके हुए यातायात से बचने के लिए अपने वाहनों को इधर-उधर करने के लिए मजबूर होना पड़ा। किसानों के दिल्ली मार्च को रोकने के लिए सिंघु बॉर्डर के पास एक गांव में सड़क का एक हिस्सा खोद दिया गया। उत्तर प्रदेश से लगी अप्सरा और ग़ाज़ीपुर सीमाएँ यातायात के लिए खुली हैं लेकिन दोनों पर भारी सुरक्षा तैनाती है। शाहदरा से नोएडा सेक्टर-62 की ओर यात्रा कर रहे अंकित सिंह ने कहा कि गाज़ीपुर बॉर्डर पर यातायात थोड़ा प्रभावित हुआ है। सिंह ने कहा, 'मुझे लगा कि यातायात बंद हो सकता है और मैं अपने कार्यालय तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग लेने की योजना बना रहा था। उस सीमा पर वाहनों की आवाजाही थोड़ी प्रभावित हुई थी। वहां भारी सुरक्षा तैनात की गई थी।' प्रदर्शनकारी किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए हैं और सड़क पर कंक्रीट के स्लैब रख दिए हैं। लोगों को मंगलवार को दिल्ली और हरियाणा के बीच सिंघू सीमा को पैदल पार करना पड़ा क्योंकि पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी की ओर किसानों के मार्च के मद्देनजर वाहनों की आवाजाही रोक दी थी। हरियाणा के करनाल में रहने वाले हेम सिंह ने कहा कि वह एक शादी में शामिल होने के लिए पूर्वोत्तर दिल्ली जा रहे थे लेकिन उनकी बस को सीमा से लगभग एक किलोमीटर पहले रुकना पड़ा। उन्होंने कहा, बुधवार को पूर्वोत्तर दिल्ली के गोकुलपुरी में मेरे भतीजे की शादी है और हम यातायात के कारण यहां फंस गए हैं। बस चालक ने सीमा से एक किलोमीटर पहले वाहन रोक दिया। हम दिल्ली की ओर पैदल जा रहे हैं और निश्चित नहीं हैं कि हमें कोई वाहन मिलेगा या नहीं।' उन्होंने कहा, 'हमें किसानों के मार्च के बारे में पता था, लेकिन यह नहीं पता था कि हम यहां फंस जाएंगे। मैंने अपनी पत्नी और बेटी को वापस पानीपत जाने के लिए कहा, लेकिन मेरी बेटी अपने चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित है।' न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून की मांग कर रहे किसान अपनी मांगों को लेकर केंद्रीय मंत्रियों की एक टीम के साथ बैठक बेनतीजा रहने के बाद दिल्ली की ओर मार्च कर रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने कहा कि किसान अपनी मांगों को स्वीकार करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के लिए दिल्ली जाएंगे।

मोदी ने...

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास, भारतीय महिलाओं की वित्तीय, सामाजिक और राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया है। मोदी ने कहा कि सामाजिक और वित्तीय समावेशन उनकी सरकार की प्राथमिकता रही है और 50 करोड़ से अधिक लोग बैंकिंग प्रणाली से जुड़े हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज दुनिया को ऐसी सरकारों की जरूरत है जो समावेशी हों, सभी को साथ लेकर चलें और स्वच्छ एवं भ्रष्टाचार से मुक्त हों। प्रधानमंत्री ने कहा, 'एक तरफ दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही है, दूसरी तरफ पिछली शताब्दियों की चुनौतियाँ तीव्र होती जा रही हैं।' उन्होंने कहा, आज प्रौद्योगिकी एक प्रमुख विघटनकारी साबित हो रही है, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक। मोदी ने कहा, 'विभिन्न रूपों में आतंकवाद हर दिन मानवता के सामने नई चुनौतियां ला रहा है। आज समय के साथ जलवायु चुनौतियां व्यापक होती जा रही हैं। एक तरफ घरेलू चिंताएं हैं तो दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था अव्यवस्थित दिख रही है।' मोदी ने यह भी कहा कि दुबई वैश्विक अर्थव्यवस्था, वाणिज्य और प्रौद्योगिकी का केंद्र बन रहा है। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद की सराहना करते हुए मोदी ने कहा कि वह दूरदृष्टि और संकल्प वाले नेता हैं। विश्व सरकार शिखर सम्मेलन 'भविष्य की सरकारों को आकार देना' विषय के तहत हो रहा है, जिसमें दुनिया भर की सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, विचारकों और निजी क्षेत्र के नेताओं की बातचीत शामिल है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि के बारे में जानकारी देते हुए, विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि यह समझौता मजबूत और अधिक व्यापक और व्यापक निवेश साझेदारी के लिए आधार तैयार करेगा क्योंकि यह सिर्फ मौजूदा निवेश की सुरक्षा पर केंद्रित नहीं है। मोदी ने दुबई में रहने वाले भारतीय समुदाय के प्रति दयालुता के लिए अपने समकक्ष को धन्यवाद दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने दुबई को व्यापार, सेवाओं और पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने में भारतीय प्रवासियों के योगदान को स्वीकार किया। बयान में कहा गया है, 'प्रधानमंत्री मोदी ने दुबई में एक भारतीय सामुदायिक अस्पताल के लिए जमीन देने के लिए प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद की गहरी सराहना की, जो भारतीय ब्लू-कॉलर श्रमिकों के लिए किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा।' इस बीच, मेडागास्कर के राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना के साथ एक अन्य बैठक में मोदी ने भारत-मेडागास्कर साझेदारी को और मजबूत करने और अपने द्वीप राष्ट्र की विकासात्मक यात्रा में मदद करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। मोदी और राजोएलिना की मुलाकात यहां विश्व सरकार शिखर सम्मेलन से इतर हुई। मोदी ने तस्वीरों के साथ एक्स पर पोस्ट किया, 'हमारे स्ट्रेक विज़न के एक महत्वपूर्ण भागीदार मेडागास्कर के राष्ट्रपति के साथ एक अद्भुत बैठक हुई।

भारत की सक्रियता से अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी को लाभ होगा : प्रधानमंत्री मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत के पास प्रतिभा और नवोन्मेष की कोई कमी नहीं है और यदि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) में बड़ी भूमिका निभाती है तो इस संगठन को फायदा होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने आईईए की मंत्रिस्तरीय बैठक को अपने वीडियो संबोधन में कहा कि भारत ने अपने पेरिस जलवायु लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले ही पार कर लिया है और वैश्विक मुद्दों के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि वैश्विक आबादी का 17 प्रतिशत हिस्सा भारत में रहने के बावजूद इसका कार्बन उत्सर्जन वैश्विक आबादी का केवल चार प्रतिशत है और वह ऊर्जा पहुंच को लेकर कुछ बड़े कदम भी उठा रहा है।प्रधानमंत्री ने आईईए को उसकी 50वीं वर्षगांठ पर बधाई देते हुए कहा, मुझे यकीन है कि जब भारत इसमें बड़ी भूमिका निभाएगा तो आईईए को फायदा होगा। उन्होंने कहा, समावेशन से किसी भी संस्थान की विश्वसनीयता और क्षमता बढ़ती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 1.4 अरब भारतीयों के पास प्रतिभा, प्रौद्योगिकी और नवाचार का खजाना है, भारत के पास गति, मात्रा और गुणवत्ता की भी कोई कमी नहीं है।मोदी ने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बताते हुए कहा कि सतत वृद्धि के लिए ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता की जरूरत है।उन्होंने कहा, एक दशक में हम दुनिया की 11वीं बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था पर पहुंच गए। इसी अवधि में, हमारी सौर ऊर्जा क्षमता 26 गुना बढ़ी है। हमारी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता भी दोगुनी हो गई है। हमने समयसीमा से पहले इस संबंध में अपनी पेरिस प्रतिबद्धताओं को पार कर लिया है। मोदी ने कहा, हम जलवायु परिवर्तन से निपटने को पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। भारत ने अपने उत्सर्जन तीव्रता से संबंधित लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा से 11 साल पहले और गैर-जीवाश्म ईंधन लक्ष्यों को निर्धारित समय से नौ साल पहले हासिल किया है।देश का लक्ष्य अब 2005 के स्तर से 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की उत्सर्जन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करना और 2030 तक कुल स्थापित क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों से प्राप्त करना है।

पाकिस्तान रेंजर्स ने जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संघर्षविराम का उल्लंघन किया

भाषा। जम्मू

पाकिस्तान रेंजर्स ने बुधवार को यहां अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की एक चौकी पर अकारण गोलीबारी कर संघर्षविराम समझौते का उल्लंघन किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, मकवाल में सीमा चौकी पर तैनात बीएसएफ जवानों ने सीमा पार से गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। यह गोलीबारी शाम 5.50 बजे शुरू होकर 20 मिनट से अधिक समय तक जारी रही। उन्होंने कहा कि भारत की तरफ कोई हताहत या क्षति नहीं हुई। पिछले साल, 8-9 नवंबर की मध्यरात्रि को सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में पाकिस्तान रेंजर्स की गोलीबारी में बीएसएफ के एक जवान की मौत हो गई थी। 25 फरवरी, 2021 को दोनों देशों के बीच नए सिरे से संघर्षविराम पर सहमति बनने के बाद से मौत का यह पहला मामला था। इससे पहले 26 अक्टूबर को जम्मू के अरनिया सेक्टर में सीमा पार से गोलीबारी में बीएसएफ के दो जवान और एक महिला घायल हो गई थी, जबकि 17 अक्टूबर को इसी तरह की घटना में एक अन्य बीएसएफ जवान घायल हो गया था। अधिकारियों ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को हाई अलर्ट पर रहने के लिए कहा गया है। संघर्षविराम उल्लंघन की घटना ऐसे वक्त हुई है जब जम्मू-कश्मीर प्रशासन 20 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की केंद्र शासित प्रदेश की यात्रा की तैयारी कर रहा है। अपनी यात्रा के दौरान मोदी का जम्मू में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करने का कार्यक्रम है।

रक्षा मंत्रालय ने एसआरसीजी के लिए कानपुर की कंपनी के साथ 1752 करोड़ का सौदा किया

भाषा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के लिए कुल 463 स्वदेशी निर्मित 12.7 मिमी स्टेबिलाइज्ड रिमोट कंट्रोल गन (एसआरसीजी) के निर्माण और आपूर्ति के लिए कानपुर स्थित एक रक्षा प्रतिष्ठान के साथ 1752.13 करोड़ रुपए के सौदे पर मुहर लगाई। अधिकारियों ने यह

जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि यह अधिग्रहण रक्षा में आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण को और मजबूत करेगा। इसमें कहा गया, यह अनुबंध 5 वर्षों की अवधि के लिए 125 से अधिक भारतीय विक्रेताओं और सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों के लिए रक्षा विनिर्माण में एक बड़ा अवसर भी खोलेगा। मंत्रालय ने कानपुर स्थित एडवांस्ड वेपन इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूईआईएल) के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अनुबंध की कुल लागत 1752.13 करोड़ रुपए है और इन बंदूकों के निर्माण में 85 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल होगा। मंत्रालय के अनुसार ए एसआरसीजी दिन और रात दोनों समय विषम वातावरण में जहाजों के लिए खतरा पैदा करने वाले छोटे लक्ष्यों पर सटीकता से हमला करने के लिए भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल की क्षमता को बढ़ाएंगी।

राजद ने राज्यसभा चुनाव के लिए मनोज झा, संजय यादव को मैदान में उतारा

भाषा। पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने बिहार में राज्यसभा चुनाव के लिए मनोज कुमार झा और संजय यादव को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। राज्य में राज्यसभा की कुल छह सीट रिक्त होने वाली हैं। पार्टी के एक बयान के अनुसार उम्मीदवारों के नाम को राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने अंतिम रूप दिया है।पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता झा का राज्यसभा में लगातार दूसरा कार्यकाल होगा।

झारखंड में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का दूसरा चरण रद्द

रांची। झारखंड में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का बुधवार को शुरू होने वाला दूसरा चरण रद्द कर दिया गया है। पार्टी के नेताओं ने यह जानकारी दी। पार्टी नेताओं के मुताबिक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भारत जोड़ो न्याय यात्रा बृहस्पतिवार को बिहार के औरंगाबाद से फिर से शुरू होगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के राष्ट्रीय राजधानी में किसानों के आंदोलन में भाग लेने के लिए रवाना होने के कारण यह कार्यक्रम रद्द किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक यह यात्रा बुधवार को छत्तीसगढ़ से गढ़वा जिले के माध्यम से झारखंड में फिर से प्रवेश करने वाली थी। राहुल गांधी को राज्य में अपनी यात्रा के दूसरे चरण के लिए बुधवार को छत्तीसगढ़ से आगे बढ़ते हुए गढ़वा जिले से होकर झारखंड में फिर से प्रवेश करना था। गढ़वा जिले के रंका में मनरेगा श्रमिकों के साथ निर्धारित बातचीत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और अन्य पार्टी नेताओं द्वारा की गई। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को गढ़वा में संवाददाताओं को यह जानकारी देते हुए कहा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा बृहस्पतिवार को बिहार के औरंगाबाद में फिर से शुरू होगी। अपराह्न दो बजे औरंगाबाद में एक रैली का आयोजन किया जाएगा, जिसे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी संबोधित करेंगे। राहुल गांधी को 15 फरवरी को बिहार में प्रवेश करने से पहले यात्रा के दूसरे चरण के तहत दो दिन के लिए झारखंड में रहना था। कांग्रेस की झारखंड इकाई के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी को एक विशेष उद्देश्य के लिए दिल्ली जाना पड़ा। ठाकुर ने कहा, राहुल जी फरवरी के पहले सप्ताह में झारखंड में अपनी यात्रा के पहले चरण में 650 किलोमीटर की यात्रा कर चुके हैं।

कवरत्ती में पूर्व मुस्लिम सैनिक ने मंदिर के लिए बनाई भगवान गणेश की मूर्ति

भाषा। कवरत्ती (लक्षद्वीप)

कवरत्ती में इकलौता हिंदू मंदिर मजहबी सौहार्द की मिसाल पेश कर रहा है। मंदिर में स्थापित भगवान विनायक की मूर्ति एक पूर्व मुस्लिम सैनिक ने बनाई है जो इस धर्म स्थल की शोभा बढ़ा रही है। पी आर चेरिया कोया ने कवरत्ती में स्थित मंदिर को हाथ से बनाई भगवान की मूर्ति दान दी है, जहां की 96 फीसदी आबादी मुस्लिम है। वह एक कला शिक्षक भी हैं और लक्षद्वीप में अन्दरोत द्वीप में रहते हैं। प्राधिकारियों ने कोया को द्वीप पर अल्पसंख्यक समुदाय की आस्था के लिए उनके उदार योगदान का विवरण देते हुए एक प्रमाण पत्र भी दिया है। करीब 80 वर्ष की आयु के चेरिया कोया ने पीटीआई-भाषा से कहा, मैंने लोगों के प्रति अपने प्यार और सम्मान के कारण ऐसा किया। मैं

केरल के कन्नौर और कोझीकोड में पला-बड़ा हूं। मैंने विद्यालयों में पढ़ाई की और शिक्षकों तथा स्थानीय लोगों ने मेरे धर्म की परवाह किए बगैर मुझे बहुत प्यार दिया। कवरत्ती के मंदिर में स्थापित भगवान गणेश की मूर्ति कोया द्वारा बनाई पहली हिंदू मूर्ति नहीं है। वह पहले भी अन्दरोत में तैनात मध्य प्रदेश के पुलिसकर्मियों के लिए एक मंदिर में भगवान हनुमान की मूर्ति बना चुके हैं। कोया ने कहा, ड्यूटी पर तैनात मध्य प्रदेश के पुलिसकर्मी अपने खाली समय में वहां बैठकर भजन गाते और बातें करते थे क्योंकि वहां पूजा का कोई स्थान नहीं था। इसलिए मैंने उनके लिए हनुमान की मूर्ति बनाई और वे बहुत खुश हुए। उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। कोया ने पुरानी यादें ताजा करते हुए बताया, जब मैं एक आधिकारिक दौरे पर कवरत्ती आया तो सैन्य कर्मियों और हिंदू भाइयों ने मुझसे उनके लिए गणेश की मूर्ति बनाने का अनुरोध किया। चूंकि मैं तब सरकारी सेवा में था तो मैंने उन्हें बताया कि मुझे अपने वरिष्ठ अधिकारियों से अनुमति लेनी पड़ेगी। इसके बाद जिलाधीश, एडीएम और एसपी आए और उन्होंने मुझे लिखित में अनुमति दी। उन्होंने बताया कि तब से उन्होंने हिंदू मूर्तियों के बारे में सीखना शुरू किया। उन्होंने कहा, रक्षा सेवा के दिनों में मैंने असम के सिलचर में एक मंदिर के लिए श्री कृष्ण की आदमकद मूर्ति बनाई थी।

कांग्रेस के दो विधायकों ने असम सरकार का समर्थन किया

भाषा। गुवाहाटी

● हिमंत ने इसे राहुल गांधी को अपना तोहफा बताया

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ और पूर्व मंत्री बसंत दास ने अभी अपनी पार्टी को छोड़े बगैर सरकार का समर्थन करने का फैसला किया है। पुरकायस्थ कांग्रेस की प्रदेश इकाई के कार्यकारी प्रमुख थे, जबकि दास तरुण गोगोई सरकार में मंत्री रहे थे। दास 2021 में मंगलदोई सीट से चुने गए थे। राज्य में भाजपा-नीत सरकार का नेतृत्व कर रहे शर्मा ने बजट सत्र के दौरान दोनों विधायकों का विधानसभा परिसर स्थित मुख्यमंत्री के कक्ष में स्वागत किया। शर्मा ने इस घटनाक्रम को उनकी ओर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को एक तोहफा बताया। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस के ए दोनों विधायक भाजपा में शामिल होंगे, शर्मा ने कहा कि 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले इस बारे में फैसला किया जाएगा। शर्मा ने यह भी दावा किया कि राहुल गांधी नीत भारत जोड़ो न्याय यात्रा अब कांग्रेस तोड़ो यात्रा में तब्दील हो गई है। कांग्रेस नीत भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान, हाल में असम में राहुल और शर्मा के बीच सिलसिलेवार आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिला था। शर्मा ने यहां संवाददाताओं से कहा, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में विश्वास जताते हुए कांग्रेस के दो विधायकों ने सरकार को समर्थन देने का फैसला किया है।

सरकार ने खरबूजे के बीज के आयात की मंजूरी देने के लिए आवेदन मंगाए

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने 1,200 टन खरबूजे के बीज के आयात का लाइसेंस देने के लिए बुधवार को आयातकों से नए आवेदन आमंत्रित किए। भारत ने खरबूजे के बीज के आयात को 1,200 टन तक सीमित कर दिया है और इसके आयात के लिए पूर्व-अनुमति या लाइसेंस लेने की जरूरत होती है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा, खरबूजे के बीज का आयात 1,200 टन से अधिक नहीं होगा। इसके आयात की अनुमति 31 अगस्त, 2024 तक होगी और आयातकों को केवल वास्तविक उपयोगकर्ता होने के आधार पर ही अनुमति दी जाएगी। डीजीएफटी ने कहा कि इस बात को ध्यान में रखते हुए खरबूजे के बीज के आयात की अनुमति लेने के लिए नए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 22 फरवरी है। डीजीएफटी ने कहा कि एक आयात-निर्यात कोड पर आयात के सिर्फ एक आवेदन पर ही विचार किया जाएगा।

भारत-पोलैंड ने समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। भारत ने किसी व्यक्ति को समन जारी करने, तलाशी वारंट या आपराधिक मामलों के संबंध में गवाहों के साक्ष्य लेने के लिए पोलैंड के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि केंद्र सरकार ने पोलैंड में किसी भी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में समन या तलाशी वारंट की तामील के लिए पोलैंड गणराज्य की सरकार के साथ समझौता किया है। गृह मंत्रालय ने कहा कि भारत में संबंधित अदालत, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट को समन जारी करते समय इस संबंध मे 2019 में गृह मंत्रालय द्वारा जारी व्यापक दिशा-निर्देशों का पालन करना आवश्यक है। एक अलग अधिसूचना में, गृह मंत्रालय ने कहा कि ऐसे मामले में जहां भारत मे कोई अदालत पोलैंड गणराज्य में अदालत, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट से प्राप्त किसी समन या तलाशी-वारंट को निष्पादित करती है।

मध्य प्रदेश विधानसभा के सत्र का समापन

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा का सत्र बुधवार को निर्धारित समय से पहले अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।सत्र की शुरुआत सात फरवरी को राज्यपाल मंगू भाई पटेल के पारंपरिक संबोधन के साथ हुई थी। सदन ने एक सप्ताह के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के अलावा अंतरिम बजट और कई विधेयक पारित किए। सत्र 19 फरवरी को समाप्त होना था जबकि तीन और बैठकें बाकी थी, लेकिन जब कोई अन्य कामकाज नही बचा तो संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सदन को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने का प्रस्ताव पेश किया।अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और तदनुसार घोषणा की। मुख्यमंत्री मोहन यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अन्य विधायकों ने सत्र के सुचारू संचालन के लिए आसन और अन्य सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

साइरस ने टीका निर्माण में उत्कृष्ट कार्य किया, भारत रत्न मिलना चाहिए : पवार

पुणे। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने टीका उत्पादन के क्षेत्र में काम के लिए सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के संस्थापक डॉ. साइरस पूनावाला की प्रशंसा की और उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की। पवार डॉ. पूनावाला को मोहन धारिया राष्ट्रनिर्माण पुरस्कार से सम्मानित करने के बाद बोल रहे थे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख ने कहा, टीका निर्माण मे उनका काम उत्कृष्ट है। शुरुआत में, सरकार ने उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया। हम इससे संतुष्ट नही थे, लेकिन बाद मे सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया। पवार ने कहा, विश्व स्तर पर टीके के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए, मेरी दृढ़ राय है कि सरकार को उनकी मान्यता को केवल पद्म भूषण पुरस्कार तक ही सीमित नही रखना चाहिए क्योंकि वह भारत रत्न के हकदार है।

असम के कुछ हिस्सों में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया

गुवाहाटी,। असम के मध्य भाग मे बुधवार शाम को 3.7 तीव्रता का भूकंप आया। एक आधिकारिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। भूकंप से जानमाल या संपत्ति के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नही है।राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि भूकंप शाम सात बजकर 23 मिनट पर आया और इसका केंद्र ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिणी तट पर कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले मे 19 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के केंद्र का सटीक स्थान असम-मेघालय सीमा के पास गुवाहाटी से लगभग 24 किलोमीटर दूर पूर्व में रहा। कामरूप, दरांग, उदलगुरी और नलबाड़ी के अलावा पड़ोसी मोरीगांव, नागांव और पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिलो के लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किया। पूर्वोत्तर राज्य उच्च भूकंपीय क्षेत्र मे आते है।

क्विक न्यूज

भारत आध्यात्मिक पुनर्जागरण के पथ पर है : केंद्रीय मंत्री देवुसिंह चौहान

हैदराबाद। केंद्रीय संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि मौजूदा समय में भारत आध्यात्मिक पुनर्जागरण के पथ पर है और इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। देवुसिंह चौहान ने श्रीराम चंद्र मिशन के मार्गदर्शकों की वंशावली में दूसरे नंबर के संत बाबूजी महाराज पर एक स्मारक डाक टिकट जारी करने के अवसर पर बात की। हैदराबाद शहर के बाहरी इलाके में कान्हा शांति वनम आश्रम में उनकी 125वीं जयंती के अवसर पर जश्न मनाया गया। चौहान ने कहा कि बाबूजी ने सहज मार्ग ध्यान अभ्यास को किसी की चेतना को जागृत करने के लिए सबसे सरल मार्ग और उपकरण के रूप में विकसित किया। उन्होंने कहा, साधारण रहना सबसे कठिन है। एक विज्ञप्ति के मुताबिक केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत अपनी आध्यात्मिक शक्ति के पुनर्जागरण के पथ पर अग्रसर है। हमें गुलाम मानसिकता से उबरकर भारत को आगे बढ़ाना होगा। हमें अपनी विरासत पर गर्व होना चाहिए - यह एक अनमोल क्षण है जब हम बदलाव लाने का संकल्प ले सकते है। इस अवसर पर हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक और श्रीराम चंद्र मिशन के अध्यक्ष कमलेश डी पटेल (दाजी) ने भी अपने विचार रखे।

इंदौर में 100 करोड़ की जमीन पर मियावाकी पद्धति से जंगल उगा रहा इंजीनियरिंग महाविद्यालय

इंदौर (मध्यप्रदेश)। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के एक इंजीनियरिंग महाविद्यालय ने अपनी एक एकड़ जमीन पर जापान की मियावाकी पद्धति से नगर वन विकसित करने का बीड़ा उठाया है ताकि घनी बसाहट वाले इलाके में ऑक्सीजन का जनरेटर लगाया जा सके। रियल एस्टेट क्षेत्र के जानकारों ने बताया कि शहर के सबसे पॉश इलाकों में शामिल रेसकोर्स रोड स्थित इस एक एकड़ जमीन का मौजूदा बाजार मूल्य 100 करोड़ रुपए के आस-पास है।श्री जीएस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (एसजीएसआईटीएस) के निदेशक राकेश सक्सेना ने पीटीआई-भाषा को बताया, हम कुल 30 एकड़ में फैले अपने परिसर की एक एकड़ जमीन पर मियावाकी पद्धति से नगर वन विकसित कर रहे है। हम इस जमीन पर करीब 65 प्रजातियों के कुल 8,200 पेड़ लगा रहे है। इनमें संकटग्रस्त प्रजातियों के पेड़ भी शामिल है जिनकी पौध मध्यप्रदेश के मंडला सहित अन्य क्षेत्रों के अलावा केरल से मंगाई गई है। एसजीएसआईटीएस, सरकारी सहायता प्राप्त स्वायत्त संस्थान है। सक्सेना ने बताया कि इस नगर वन को ऑक्सीजन जनरेटर नाम दिया गया है क्योंकि यह जंगल घनी बसाहट वाले इलाके में प्राणवायु के बड़े स्रोत के रूप में काम करेगा। उन्होने बताया कि मियावाकी पद्धति से 8,200 पौधे लगाने का पांच दिवसीय अभियान बुधवार को वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा के बाद शुरू किया गया और पहले दिन करीब 2,000 लोगों ने इतने ही पौधे लगाए।एसजीएसआईटीएस के उद्यान विभाग के प्रभारी एलेक्स कुट्टी ने बताया कि महाविद्यालय परिसर में विकसित किए जा रहे नगर वन में पौधारोपण से पहले करीब दो मीटर गहरी खुदाई की गई और इसके बाद पांच परतों में बायोमास, काली मिट्टी, केंचुआ खाद और गोबर खाद डाली गई। उन्होंने बताया,इस नगर वन में मियावाकी पद्धति से 24 गुणा 27 इंच के हर हिस्से में अलग-अलग तरह के चार पौधे लगाए जा रहे है ताकि कम जगह पर घना हरित आवरण विकसित किया जा सके। कुट्टी ने बताया कि नगर वन विकसित करने के लिए एक निजी कम्पनी ने कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत एसजीएसआईटीएस को करीब 17 लाख रुपए दिए है।

जम्मू-कश्मीर में पीडीपी के पूर्व नेता भाजपा में शामिल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के पूर्व नेता अर्शीद महमूद खान बुधवार को यहां अपने कई समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविंदर रैना और कई अन्य नेताओं ने अर्शीद महमूद खान तथा उनके समर्थकों का भाजपा में स्वागत किया। खान नौशेरा के दांडेसर गांव से तीन बार सरपंच रह चुके है। इस मौके पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता भी मौजूद थे। पीडीपी के पूर्व नेता खान ने राजौरी जिले के नौशेरा निर्वाचन क्षेत्र से 2008 का विधानसभा चुनाव लड़ा था लेकिन वह हार गए थे। खान के भाजपा में शामिल होने के बाद रैना ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर में चुनाव की घोषणा करना निर्वाचन आयोग का विशेषाधिकार है, लेकिन हम किसी भी चुनाव के लिए तैयार है। रैना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 फरवरी को केंद्रशासित प्रदेश की अपनी यात्रा के दौरान जम्मू में एक रैली को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा, मोदी ने जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए खजाना खोल दिया है। केंद्रशासित प्रदेश में शांति और भाईचारे की बहाली लोगो के लिए उनका सबसे बड़ा उपहार है।

बीजद ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार अश्विनी वैष्णव को समर्थन देने की घोषणा की

भुवनेश्वर। ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) ने आगामी राज्यसभा चुनाव में राज्य से भाजपा के उम्मीदवार अश्विनी वैष्णव को बुधवार को अपना समर्थन देने की घोषणा की। भाजपा ने आज सुबह केंद्रीय मंत्री वैष्णव की उम्मीदवारी की घोषणा की। इसके तुरंत बाद, मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने एक बयान में कहा कि बीजद राज्य के रेल और दूरसंचार विकास के व्यापक हित के लिए वैष्णव की उम्मीदवारी का समर्थन करता है। पटनायक ने बयान में कहा, बीजू जनता दल आगामी राज्यसभा चुनाव में राज्य के रेलवे और दूरसंचार विकास के व्यापक हित के लिए केंद्रीय रेल, संचार और सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव की उम्मीदवारी का समर्थन करेगा। वैष्णव 2019 में बीजद के समर्थन से संसद के उच्च सदन के लिए चुने गए थे। वैष्णव दिन में यहां बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, मै भाजपा का एक अनुशासित कार्यकर्ता हूं। मै एक बार फिर सेवा करने का मौका देने के लिए पार्टी नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं। इससे पहले मंगलवार को, बीजद के दो उम्मीदवारो - देबाशीष सामंत्रे और शुभाषीश खुंटिया ने 27 फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। बीजद ने तीसरी सीट पर उम्मीदवार नही उतारा है।

जेईई मेन में गोरखपुर के उत्कर्ष ने किया सिटी टॉप

गोरखपुर। आकाश बायजूसने गोरखपुर से अपने 8स्टूडेंट्स की उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कियाए जिन्होंने ज्वाइंट एंट्रेस एग्जाम जेईई मेन2024 के पहले सत्र में99परसेंटाइल से ऊपर स्कोर किया है। उत्कर्ष अग्रवाल ने 99.89 परसेंटाइल के साथ गोरखपुर सिटी टॉप किया। वहीं प्रखर जायसवाल ने फिजिक्स में 100 परसेंटाइल हासिल किया है। नेशनलटेस्टिंग एजेंसी ने मंगलवार को परिणाम घोषित किए थे। उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले स्टूडेंट्समें प्रखर जायसवाल ने 99.898 परसेंटाइल हासिल किए। वहीं आयुष बरनवाल 99.895 परसेंटाइल के साथ दूसरेसिटी टॉपर रहे। साथ ही सिद्धिमा ने 99.83ए शिवम मल ने 99.74 प्रखर जायसवाल ने 99.51,फिजिक्स में 100 परसेंटाइल रमन श्रीवास्तव ने 99.33कुशाग्र मिश्रा ने 99.22 और आदित्य पांडेय ने 99.15 परसेंटाइल हासिल किए। छात्रों को बधाई देते हुएए डॉ. एच आर राव क्षेत्रीय निदेशक आकाश बायजूसए ने सराहना की। छात्रों का उल्लेखनीय प्रदर्शन व्यापक कोचिंग और अभिनव शिक्षण समाधानों के साथ छात्रों को सशक्त बनाने के लिए आकाश बायजूसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता हैए जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।

बिरला ने टिफिन विद दीदी कार्यक्रम में भाग लिया

कोटा (राजस्थान)। लोकसभा अध्यक्ष और कोटा-बूंदी से सांसद ओम बिरला ने बुधवार को जिले के मोड़क कस्बे में आयोजित टिफिन विद दीदी कार्यक्रम मे भाग लिया और स्व-सहायता समूहो (एसएचजी) की महिलाओं के साथ भोजन का आनंद लिया। बिरला ने स्व-सहायता समूह की महिला कार्यकर्ताओं से बातचीत की, उनकी सफलता की कहानियां सुनी और उनसे स्थानीय उत्पाद को ब्रांड बनाने को कहा। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भावनाओ के अनुसार महिलाओ को लखपति दीदी बनाने के लिए स्व-सहायता समूहों को हर तरह की सहायता और सहयोग दिया जाएगा।

प्रशिक्षण के कारण ही कतर में जिंदा रह पाए: पूर्व नौसैन्यकर्मी

भाषा। तिरुवनंतपुरम

कतर की जेल से रिहा किए गए भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों में से एक रागेश गोपाकुमार ने बुधवार को कहा कि वे केवल अपने रक्षा प्रशिक्षण के कारण ही जेल में रहने के दौरान जिंदा रह पाए। कई महीनों तक कैद में रहने के बाद स्वदेश लौटने और अपने परिवार के साथ फिर से जुड़ने पर खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने अपनी रिहाई के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत सरकार को धन्यवाद दिया। वह कतर सरकार द्वारा रिहा किए जाने के बाद सोमवार को स्वदेश लौट आए थे। इसे भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है जो

कतर की अदालत द्वारा उन्हें मौत की सजा सुनाए जाने के लगभग साढ़े तीन महीने बाद मिली। इन लोगों की मौत की सजा को बाद में जेल की सजा में बदल दिया गया था। गोपाकुमार सोमवार को केरल की राजधानी से 16 किलोमीटर दूर स्थित उपनगर बलरामपुरम पहुंचे और उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को गले लगा लिया। पूर्व नौसेनाकर्मी ने कहा कि जब भी कोई कहता था कि वह जेल में हैं तो उनके परिवार पर क्या गुजरती थी, उस स्थिति की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति जो दिन में कम से कम पांच बार अपनी पत्नी से बात करता था, उसने अचानक उसे फोन करना बंद कर दिया। उन्होंने अपनी रिहाई का श्रेय अपने परिवार की प्रार्थनाओं और केंद्र सरकार के प्रयासों को दिया। प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उनके व्यक्तिगत हस्तक्षेप के कारण ही उनकी रिहाई संभव हो सकी। उन सभी को उम्मीद थी कि यदि मोदी जी हस्तक्षेप करेंगे तो वे जेल से बाहर आ जाएंगे, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि इसमें कितना समय लगेगा। उन्होंने जेल में बंद नौसेना के पूर्व अधिकारियों के परिवारों को कतर लाने की व्यवस्था करने के लिए केंद्र सरकार का आभार भी व्यक्त किया। यदि कोई भारतीय विदेश में मुसीबत में है और निर्दोष है तथा हमारे प्रधानमंत्री को व्यक्ति के निर्दोष होने का भरोसा है तो वह उसकी मदद के लिए आगे जरूर आएंगे..यह बात हर भारतीय जानता है।

जरांगे ने सारी हदें पार कर दी हैं: नारायण राणे

भाषा। मुंबई

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने बुधवार को महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैलियों को बाधित करने की धमकी देने के लिए मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहे कार्यकर्ता मनोज जारांगे पर निशाना साधा। राणे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भूख हड़ताल पर बैठे कार्यकर्ता ने सारी हदें पार कर दी हैं। केंद्रीय मंत्री स्वयं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई से एक प्रमुख मराठा नेता हैं। राणे ने कहा, मनोज जरांगे ने एक बेतुकी और संवेदनहीन टिप्पणी की है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए महाराष्ट्र में किसी भी जगह का दौरा करना मुश्किल कर देंगे। उसने सारी हदें पार कर दी हैं। मैं आपको चुनौती देता हूं कि जब प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र का दौरा करें तो आप अपनी जगह से हिल भी नहीं पाएंगे। मैं उन्हें मराठाओं का नेता नहीं मानता।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ऐसा लगता है कि उन्हें कुछ मानसिक झटका लगा है और वह ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं जिनका कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता को अपनी सीमाएं जाननी चाहिए और हद में रहना चाहिए। नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण के लिए मराठा समुदाय के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जारांगे पिछले पांच दिनों से जालना जिले के अपने पैतृक गांव अंतरवाली सरती में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। जरांगे विरोध स्थल से बुधवार को पहले चेतावनी दी थी कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री मोदी की कोई भी जनसभा नहीं होने दी जाएगी। जारांगे ने इसके अलावा कुनबी मराठों के रक्त संबंधियों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र देने पर एक मसौदा अधिसूचना को कानून में बदलने के लिए राज्य विधानमंडल का एक विशेष सत्र बुलाने की मांग की है ताकि वे अन्य पिछड़ा वर्ग को मिलने वाले आरक्षण का लाभ उठा सकें।

नाटो को बोझ कहने पर ट्रंप पर बरसे बाइडन

● बोले-अमेरिका के लिए नाटो एक पवित्र प्रतिबद्धता है

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) पर हाल में की टिप्पणियों के लिए अपने पूववर्ती डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा कि 74 साल पुराना यह सैन्य गठबंधन अमेरिका के लिए एक पवित्र प्रतिबद्धता है। बाइडन ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, जब अमेरिका अपनी जुबान देता है तो उसका कुछ मतलब होता है। जब हम कोई वादा करते हैं तो उसे निभाते हैं और नाटो एक पवित्र प्रतिबद्धता है। डोनाल्ड ट्रंप इसे ऐसे देखते हैं जैसे यह कोई बोझ हो। उनकी यह टिप्पणी इस सप्ताहांत साउथ कैरोलाइना में एक रैली में ट्रंप के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह नाटो सहयोगियों से अपना रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए कहेंगे, अन्यथा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उन देशों पर हमला करने के लिए प्रेरित करेंगे। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के सबसे प्रबल दावेदार ट्रंप ने कहा था कि रूस उन नाटो सदस्यों के साथ जो करना चाहे, करें , जो रक्षा पर खर्च के अपने लक्ष्यों को हासिल नहीं कर पाते हैं। नाटो सहयोगियों ने 2014 में 2024 तक रक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का दो फीसदी खर्च करने का संकल्प लिया था। नाटो के आकलन के मुताबिक, 2023 की शुरुआत तक उसके 30 में से 10 सदस्य दो फीसदी तक या उससे अधिक खर्च करने के करीब थे जबकि 13 देश 1.5 प्रतिशत या उससे कम खर्च कर रहे थे। ट्रंप की टिप्पणियों के जवाब में बाइडन ने कहा, ट्रंप के लिए सिद्धांत मायने नहीं रखते हैं। सब कुछ लेन-देन है। वह यह नहीं समझते कि हमने जो वादा किया है वह हमारे लिए भी काम करता है। बल्कि मैं ट्रंप और नाटो से बाहर निकलने की इच्छा रखने वाले लोगों को याद दिलाऊंगा कि अनुच्छेद पांच को हमारे नाटो के इतिहास में केवल एक बार लागू किया गया है और यह 9111 हमले के बाद अमेरिका के साथ एकजुटता जताने के लिए किया गया था। नाटो के पारस्परिक रक्षा खंड के अनुच्छेद पांच के तहत, सभी सहयोगी देश हमले की चपेट में आने वाले किसी भी सदस्य की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं। बाइडन ने कहा, जब तक मैं राष्ट्रपति रहूंगा, अगर पुतिन किसी नाटो सहयोगी पर हमला करते हैं तो अमेरिका नाटो क्षेत्र के एक-एक इंच की रक्षा करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रंप की टिप्पणियों को शर्मनाक और अमेरिका विरोधी बताया। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने में ट्रंप की प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली ने भी पूर्व राष्ट्रपति की टिप्पणियों के लिए उनकी आलोचना की है।

ईरान में विस्फोट से प्राकृतिक गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त

दुबई। ईरान में बुधवार को तड़के हुए विस्फोटों से एक प्राकृतिक गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। एक अधिकारी ने इन विस्फोटों को देश में नुकसानदायक और आतंकवादी कृत्य करार दिया।गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ इजराइल की जंग के बीच मध्यपूर्व में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं।ईरान के पश्चिमी चाहरमहल और बख्तियारी प्रांत से उत्तर में कैस्पियन सागर के शहरों तक जाने वाली प्राकृतिक गैस पाइपलाइन विस्फोट की वजह से प्रभावित हुई है। हालांकि इस बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई। लगभग।,270 किलोमीटर लंबी यह पाइपलाइन ईरान के दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र केंद्र असालुएह से शुरू होती है।ईरान के गैस नेटवर्क नियंत्रण केंद्र के प्रबंधक सईद अघली ने ईरान के सरकारी टेलिविजन को बताया कि एक नुकसानदायक और आतंकवादी कृत्य के कारण पाइपलाइन से सटे कई क्षेत्रों में विस्फोट हुए।अघली ने विस्फोटों के लिए किसी संदिग्ध या समूह का नाम नहीं लिया।दक्षिण-पश्चिमी ईरान में अतीत में अरब अलगाववादियों ने तेल पाइपलाइनों पर हमलों की जिम्मेदारी ली है। हालांकि, पाइपलाइन जैसे बुनियादी ढांचे के खिलाफ इस तरह के हमले बेहद दुर्लभ हैं।

क्विक न्यूज

अमेरिका के रक्षा मंत्री ऑस्टिन को अस्पताल से छुट्टी मिली

वाशिंगटन। प्रोस्टेट कैंसर सर्जरी के बाद अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण वाल्टर रीड नेशनल मेडिकल सेंटर में भर्ती अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन को मंगलवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और उन्होंने अपना कार्यभार पूर्ण रूप से संभाल लिया है। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय ने यह जानकारी दी। ऑस्टिन (70) का दिसंबर में कैंसर का ऑपरशेन हुआ था। इसके बाद से वह स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्हें मूत्राशय संबंधी समस्याओं के कारण रविवार दोपहर को वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया था। पेंटागन द्वारा जारी एक बयान में ऑस्टिन के चिकित्सकों ने कहा कि मूत्राशय की समस्या के उपचार के लिए सोमवार को रक्षा मंत्री को सामान्य एनेस्थीसिया के तहत गैर-सर्जिकल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ा। ऑस्टिन के चिकित्सकों ने मंगलवार को कहा कि उनके मूत्राशय संबंधी समस्या की वजह कैंसर नही है। पेंटागन ने बताया कि ऑस्टिन चिकित्सकों की सलाह पर अभी घर से काम करेंगे। ऐसी संभावना है कि वह यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता के समन्वय के लिए होने वाली 50 देशों की मासिक बैठक की डिजिटल माध्यम से मेजबानी करेंगे। यूक्रेन रक्षा संपर्क समूह की इस नियमित बैठक में भाग लेने के लिए ऑस्टिन का मंगलवार को ब्रसेल्स की यात्रा करने का कार्यक्रम था लेकिन अब यह बैठक डिजिटल माध्यम से आयोजित की जाएगी।

बायो केमिस्ट्री कराएगा रीएजेंट्स वैश्विक पेटेंट

लॉर्ड्स। लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड के ग्लोबल हेल्थकेयर डिवीजन लॉर्ड्समेड ने ट्राइग्लिसराइड्स,यूरिक एसिड,अल्कलाइन फॉस्फेटेज,बिलीरुबिन, कैल्शियम आर्सेनाजो ए क्रिएटिनिन, ग्लूकोज, सीरम ग्लूटेमिक ऑक्सालोएसीटिक ट्रांसएमिनेज टोटल प्रोटीन के लिए 10 वर्ल्डक्लास रीएजेंट और डायग्नोस्टिक टेस्ट किट का एक सेट लॉन्च किया है। ये रीएजेंट और डायग्नोस्टिक टेस्ट किट 99.7 प्रतिशत सटीक व उच्चतम स्तर पर संवेदनशील हैं तथा 24 महीने की शेल्फलाइफ, यूनिक पैकेजिंग और प्रतिस्पर्धी कीमत के साथ आते हैं। कंपनी ने इन किट के लिए भारत में पेटेंट फाइल किया है, जो गंभीर बीमारियों के लिए प्रिवेंटिव हेल्थकेयर मैकेनिज्म को मजबूत करेगा। लॉर्ड्समेड इन रीएजेंट और डायग्नोस्टिक परीक्षण किट को महाराष्ट्र स्थित मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी में बनाएगी और 300 से अधिक डीलरों के पैन-इंडिया वितरण नेटवर्क के माध्यम से पैथोलॉजिकल लैबए अस्पतालों और अनुसंधान संस्थानों को उपलब्ध कराएगी। लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ सच्चिदानंद उपाध्याय ने लॉन्च को लेकर कहा कि क्रोनिक और संक्रामक बीमारियों में तेजी तथा जांच के महत्व व प्रिवेंटिव हेल्थ्केयर के फायदों के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण भारत में किफायती और गुणवत्तायुक्त रीएजेंट और डायग्नोस्टिक किट की मांग लगातार बढ़ रही है।

वैलेंटाइन डे प्यार का इज़हार, दुनिया भर में धूम

अमेजन। अमेजन की नई और विश्वसनीय सर्विस की मदद से अपने सबसे पसंदीदा शख्स को प्रीमियम गुणवत्ता वाले ताजा फूलों के गुलदस्ते के साथ सरप्राइज कर सकते हैं। यह सेवा भारत के 46 प्रमुख शहरों में 3000 से अधिक पिन कोड पर उपलब्ध है। इस खास सर्विस के तहत ग्राहकों को 30 से अधिक किस्मों के खूबसूरत फूलों वाले 1200 गुलदस्तों के विशाल संग्रह में से अपने लिए सबसे बेहतरीन बुके को चुनने का विकल्प मिलेगा। इस नई सर्विस के साथ हमारा प्रयास है कि प्रत्येक ग्राहक को हर अवसर के लिए सबसे बेहतरीन व्यवस्था मिल सके। ग्राहक प्यार के इस मौसम का भरपूर आनंद उठा सकें, इसे सुनिश्चित करने के लिए 60 प्रतिशत तक की छूट के साथ उसी दिन डिलीवरी का विकल्प प्रदान कर रहा है। यहां पर 3000 रुपये से अधिक के ऑर्डर पर ग्राहकों को चुनिंदा कार्ड पर नो कॉस्ट ईएमआई का फायदा मिलता है। इसके अलावा चुनिंदा डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर 10 फीसद तक का इंस्टेंट डिस्काउंट भी मिल रहा है। यहां गुलदस्ते सिर्फ379 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध हैं। यहां मौजूद प्रत्येक गुलदस्ता एक्सपर्ट फ्लोरिस्ट द्वारा बेहद सावधानी के साथ तैयार किया जाता हैं। अमेजन इंडिया के होम, किचन एवं आउटडोर के डायरेक्टर के एन श्रीकांत ने बेहतरीन ग्राहक अनुभव प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि हम ताजे फूलों के गुलदस्तों को पेश करते हुए बेहद रोमांचित हैं। हमारी ये कोशिश ग्राहकों को अधिक उपहारों के विकल्पों के साथ एक सुविधाजनक और विश्वसनीय गंतव्य प्रदान करती है।

इंडोनेशिया में नया राष्ट्रपति चुनने के लिए मतदान शुरू

जकार्ता। वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की कोशिश में जुटे दुनिया के तीसरे सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश इंडोनेशिया में नया राष्ट्रपति चुनने के लिए बुधवार को मतदान शुरू हुआ। इंडोनेशिया के तीन समय क्षेत्रों (टाइम जोन) में से प्रत्एक में मतदान स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे शुरू हुआ। एक विशाल द्वीप समूह होने के कारण इंडोनेशिया में अलग-अलग टाइम जोन हैं। मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोपी रहे इंडोनेशिया के निवर्तमान रक्षा मंत्री और दो पूर्व गवर्नर राष्ट्रपति जोको विडोडो का उत्तराधिकारी बनने की दौड़ में शामिल हैं। विडोडो अब भी व्यापक पैमाने पर लोकप्रिय नेता हैं। एक नदी किनारे बनी झुग्गी बस्ती से निकलकर देश के राष्ट्रपति पद तक पर आसीन हुए विडोडो के उत्थान ने सत्तावादी शासन वाले क्षेत्र में उनके दक्षिण पूर्व एशियाई देश के लोकतंत्र की जीवंतता को प्रदर्शित किया है। इंडोनेशिया महज 25 साल पहले ही क्रूर सत्तावादी शासन से आजाद हुआ था। करीब 27 करोड़ की आबादी वाले तीन समय क्षेत्रों में फैले 17,000 द्वीपो के विशाल द्वीपसमूह में मतदान एक दुष्कर कार्य है जिसमें सफेद मतपेटियां और मतपत्र गधों द्वारा और कुछ अधिक दूरस्थ स्थानों पर पैदल लाए जाते हैं।

पाकिस्तान में गठबंधन सरकार बनने की संभावना

अगले प्रधानमंत्री बन सक्ते है शहबाज शरीफ

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान में शहबाज शरीफ की अगुवाई में प्रमुख राजनीतिक दलों के गठबंधन के अगली सरकार बनाने के लिए आसानी से बहुमत के आंकड़े को पार करने की संभावना के साथ उनका देश का नया प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है और इसके साथ ही चुनाव में मिले खंडित जनादेश के बाद सरकार के भविष्य को लेकर लगाई जा रही अटकलें खत्म हो जाएंगी। शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के आसिफ अली जरदारी, मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के खालिद मकबूल सिद्दीकी ने मंगलवार रात को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कैद (पीएमएल-क्यू) के शुजात हुसैन के आवास पर मुलाकात की और सरकार गठन पर सहमति जताई। शरीफ ने बैठक में उपस्थित अन्य नेताओं का आभार जताते हुए कहा, आज हम देश को यह बताने के लिए एकजुट हुए हैं कि हमने खंडित जनादेश स्वीकार कर लिया है। मैं जरदारी और बिलावल (भुट्टो) का आभारी हूं कि उन्होंने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) का समर्थन करने का फैसला किया है। पीएमएल-एन की सूचना सचिव मरियम औरंगजेब ने कहा कि पार्टी सुप्रीमो नवाज शरीफ ने देश के प्रधानमंत्री पद के लिए पार्टी अध्यक्ष और अपने छोटे भाई शहबाज शरीफ (72) को नामांकित किया है। उन्होंने बताया कि पीएमएल-एन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरियम नवाज को पंजाब के मुख्यमंत्री पद के लिए नामांकित किया गया है। उन्होंने कहा, नवाज शरीफ ने उन राजनीतिक दलों का आभार जताया है जिन्होंने आगामी सरकार बनाने में पीएमएल-एन का समर्थन किया है और उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसे फैसलों से पाकिस्तान संकट से बाहर आ जाएगा। अप्रैल 2022 में इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से बेदखल करने के बाद प्रधानमंत्री बने शहबाज ने कहा कि अन्य दलों ने पीएमएल-एन से हाथ मिला लिया है जिसके पास चुनाव के बाद संसद में तकरीबन दो तिहाई बहुमत है। उन्होंने यह भी कहा कि नई सरकार देश को मुसीबत से बाहर निकाल लाएगी। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग के अनुसार, छह दलों -पीएमएल-एन, पीपीपी, एमक्यूएम-पी, पीएमएल-क्यू, आईपीपी (इस्तेकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी) और बलूचिस्तान आवामी पार्टी (बीएपी) द्वारा जीती गई कुल सीटों की संख्या 152 है। इन सभी ने शहबाज शरीफ के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनाने की अपनी योजना की घोषणा की है। यह साफ तौर पर दिखाता है कि ए दल 60 महिला और 10 अल्पसंख्यक सीट अतिरिक्त मिलने के बाद केंद्र में सरकार बनाने के लिए आवश्यक 169 के आंकड़े को आसानी से हासिल कर लेंगे। हालांकि, यह देखना होगा कि क्या ए दल 224 के जादुई आंकड़े को हासिल कर लेंगे जो 336 सदस्ईय नेशनल असेंबली में दो तिहाई बहुमत के लिए आवश्यक संख्या है। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने कहा कि पीएमएल-एन के लिए सबसे अच्छा विकल्प अपनी हार को शीलनता से स्वीकार करना और उनकी पार्टी के संस्थापक इमरान खान को देश को संकट से उबारने देना है। आठ फरवरी को हुए चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों ने 101 सीटें जीती हैं जिसमें से अधिकतर पीटीआई द्वारा समर्थित उम्मीदवार थे।

पाकिस्तान में चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करना जरूरीः अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने पाकिस्तान मे पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा है कि पाकिस्तानी लोगों की इच्छा का सम्मान किए जाने की आवश्यकता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने मंगलवार को अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन मे कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन पाकिस्तान मे चुनाव संबंधी घटनाक्रम से अवगत है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति को इसकी जानकारी है। पिछले सप्ताह लाखो पाकिस्तानियों ने मतदान किया जिनमें रिकॉर्ड संख्या मे महिलाएं, धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक समूहो के सदस्य और युवा मतदाता थे। पियरे ने एक सवाल के जवाब मे कहा, हमें समान विचारधारा वाले लोकतंत्रो के साथ खड़े होने पर गर्व है। हम पाकिस्तानी सरकार और पाकिस्तानी राजनीतिक हस्तियों से सार्वजनिक और निजी तौर पर स्पष्ट रूप से लगातार कहते रहे है कि पाकिस्तानी लोगों की इच्छा का सम्मान करना और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करना जरूरी है। अमेरिकी सीनेट के सदस्य क्रिस मर्फी ने कहा कि पाकिस्तान के लोगों ने पिछले सप्ताह अपनी इच्छा बता दी। मर्फी ने कहा, मै स्वतंत्र प्रेस पर हमले और इंटरनेट तक पहुंच पर प्रतिबंध समेत अनियमितताओं और कथित हस्तक्षेप की खबरों से चिंतित हूं और मै इन आरोपों की गहन जांच करने के बाइडन प्रशासन के आह्वान का समर्थन करता हूं।

अबू धाबी का मंदिर वैज्ञानिक तकनीकों व प्राचीन वास्तुशिल्प विधियों का संगम

भाषा। अबू धाबी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अबू धाबी में जिस पहले हिंदू मंदिर का बुधवार को उद्घाटन करेंगे उसे वैज्ञानिक तकनीकों और प्राचीन वास्तुकला विधियों का उपयोग करके बनाया गया है। दुबई-अबू धाबी शेख जाएद हाइवे पर अल रहबा के समीप स्थित बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा निर्मित यह हिंदू मंदिर करीब 27 एकड़ जमीन पर बनाया गया है। इस मंदिर में तापमान मापने और भूकंपीय गतिविधि पर नजर रखने के लिए उच्च तकनीक वाले 300 से अधिक सेंसर लगाए गए हैं। मंदिर के निर्माण में किसी भी धातु का उपयोग नहीं किया गया है और नींव को भरने के लिए उड़न राख यानी फ्लाई ऐश (कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से निकलने वाली राख) का उपयोग किया गया है। इस मंदिर को करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। मंदिर प्राधिकारियों के अनुसार, इस भव्य मंदिर को शिल्प और स्थापत्य शास्त्रों में वर्णित निर्माण की प्राचीन शैली के अनुसार बनाया गया है। शिल्प और स्थापत्य शास्त्र ऐसे हिंदू ग्रंथ हैं, जो मंदिर के डिजाइन और निर्माण की कला का वर्णन करते हैं। बीएपीएस के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रमुख स्वामी ब्रह्मविहरिदास ने पीटीआई से कहा, इसमें वास्तुशिल्प पद्धतियों के साथ वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। तापमान, दबाव और गति (भूकंपीय गतिविधि) को मापने के लिए मंदिर के हर स्तर पर उच्च तकनीक वाले 300 से अधिक सेंसर लगाए गए हैं। सेंसर अनुसंधान के लिए लाइव डेटा प्रदान करेंगे। यदि क्षेत्र में कोई भूकंप आता है, तो मंदिर इसका पता लगा लेगा। मंदिर के निर्माण प्रबंधक मधुसूदन पटेल ने पीटीआई से कहा हमने मंदिर में गर्मी प्रतिरोधी नैनो टाइल और भारी ग्लास पैनल का उपयोग किया है जो पारंपरिक सौंदर्यात्मक पत्थर संरचनाओं और आधुनिक कार्यक्षमता का मेल है। संयुक्त अरब अमीरात में अत्यधिक तापमान के बावजूद श्रद्धालुओं को गर्मी में भी इन टाइल पर चलने में दिक्कत नहीं होगी। मंदिर में अलौह सामग्री का भी प्रयोग किया गया है। मंदिर के दोनों ओर गंगा और यमुना का पवित्र जल बह रहा है जिसे बड़े-बड़े कंटेनर में भारत से लाया गया है। मंदिर प्राधिकारियों के अनुसार, जिस ओर गंगा का जल बहता है वहां पर एक घाट के आकार का एम्फीथिएटर बनाया गया है।मंदिर के अग्रभाग पर बलुआ पत्थर पर उत्कीर्ण संगमरमर की नक्काशी है, जिसे राजस्थान और गुजरात के कुशल कारीगरों द्वारा 25,000 से अधिक पत्थर के टुकड़ों से तैयार किया गया है। मंदिर के लिए उत्तरी राजस्थान से अच्छी-खासी संख्या में गुलाबी बलुआ पत्थर अबू धाबी लाया गया है। मंदिर स्थल पर खरीद और सामान की देखरेख करने वाले विशाल ब्रह्मभट्ट ने पीटीआई-भाषा को बताया कि मंदिर के निर्माण के लिए 700 से अधिक कंटेनर में दो लाख घन फुट से अधिक पवित्र पत्थर लाया गया है। इस मंदिर का निर्माण कार्य 2019 से जारी है। मंदिर के लिए जमीन संयुक्त अरब अमीरात ने दान में दी है। संयुक्त अरब अमीरात में तीन और हिंदू मंदिर हैं जो दुबई में स्थित हैं। अद्भुत वास्तुशिल्प और नक्काशी के साथ एक बड़े इलाके में फैला बीएपीएस मंदिर खाड़ी क्षेत्र में सबसे बड़ा मंदिर होगा।

चीन का चिप उद्योग गति पकड़ रहा है

● यह वैश्विक आर्थिक और सुरक्षा परिदृश्य को बदल सकता है

भाषा। लंदन

कंप्यूटर चिप - या सेमीकंडक्टर - डिज़ाइन और विनिर्माण के लिए चीन की दिग्गज कंपनियां, हाईसिलिकॉन और सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन (एसएमआईसी), वाशिंगटन में धूम मचा रही हैं। एसएमआईसी को लंबे समय से पिछड़ा माना जाता रहा है। 2000 में अपनी स्थापना के बाद से चीन सरकार से अरबों डॉलर प्राप्त करने के बावजूद, यह तकनीकी सीमा से बहुत दूर रही। लेकिन अब यह धारणा बदल रही है। अगस्त 2023 में, हुआवेई ने अपना हाई-एंड हुआवेई मेट 60 स्मार्टफोन लॉन्च किया। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (वाशिंगटन डीसी में स्थित एक अमेरिकी थिंक टैंक) के अनुसार, लॉन्च ने अमेरिका को आश्चर्यचकित कर दिया क्योंकि चिप की शक्ति से पता चला कि हाईसिलिकॉन के सेमीकंडक्टर डिजाइन और एसएमआईसी की विनिर्माण क्षमताओं में चीनी आत्मनिर्भरता एक चिंताजनक गति से बढ़ रही थी। हालिया खबर है कि हुआवेई और एसएमआईसी नई शंघाई उत्पादन सुविधाओं में तथाकथित 5-नैनोमीटर प्रोसेसर चिप्स का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की योजना बना रहे हैं, जिससे उनकी अगली पीढ़ी की क्षमता में उछाल के बारे में और आशंकाएं पैदा हो गई हैं। ए चिप्स वर्तमान अत्याधुनिक चिप्स से एक पीढ़ी पीछे हैं, लेकिन वे दिखाते हैं कि अमेरिकी निर्यात नियंत्रण के बावजूद, अधिक उन्नत चिप्स बनाने का चीन का कदम सही रास्ते पर है। अमेरिका लंबे समय से चिप डिजाइन में अपनी अग्रणी भूमिका स्पष्ट रूप से बनाए रखने में कामयाब रहा है, और यह सुनिश्चित किया है कि उसके करीबी सहयोगी ही अत्याधुनिक चिप्स का निर्माण करते रहें। लेकिन अब इसे चीन से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, जिसकी तकनीकी प्रगति के गहरे आर्थिक, भू-राजनीतिक और सुरक्षा निहितार्थ हैं। सेमीकंडक्टर एक बड़ा व्यवसाय है-दशकों से, चिप निर्माता अधिक कॉम्पैक्ट उत्पाद बनाने की मांग कर रहे हैं। छोटे ट्रांजिस्टर के परिणामस्वरूप ऊर्जा की खपत कम होती है और प्रसंस्करण गति तेज होती है, जिससे माइक्रोचिप के प्रदर्शन में व्यापक सुधार होता है।मूर का नियम - यह अपेक्षा कि माइक्रोचिप पर ट्रांजिस्टर की संख्या हर दो साल में दोगुनी हो जाती है - नीदरलैंड और अमेरिका में डिज़ाइन किए गए और कोरिया और ताइवान में निर्मित चिप्स में मान्य है। इसलिए चीनी तकनीक वर्षों पीछे रह गई है। जहां दुनिया की सीमा 3-नैनोमीटर चिप्स पर पहुंच गई है, वहीं हुआवेई की घरेलू चिप 7 नैनोमीटर पर है।यह दूरी बनाए रखना आर्थिक और सुरक्षा कारणों से महत्वपूर्ण रहा है। सेमीकंडक्टर आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। वे दूरसंचार, रक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उत्तर कोरिया ने फिर दागीं क्रूज मिसाइलः दक्षिण कोरिया

भाषा। सियोल

दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने उसके पूर्वोत्तर तट के जलक्षेत्र में कई क्रूज मिसाइल दागी हैं। कोरिया प्रायद्वीप में पहले से ही व्याप्त तनाव के बीच उत्तर कोरिया का जनवरी के बाद से यह पांचवां परीक्षण है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने हथियारों का परीक्षण और तेज कर दिया है और दक्षिण कोरिया एवं अमेरिका के साथ परमाणु संघर्ष संबंधी उकसाने वाले बयान दिए हैं। उत्तर कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका की सेनाएं परीक्षणों का विश्लेषण कर रही हैं जो पूर्वी तटीय शहर वॉनसन के पूर्वोत्तर में जलक्षेत्र में दागी गईं। दक्षिण कोरिया की सेना ने अभी यह नहीं बताया है कि उत्तर कोरिया ने कितनी मिसाइल दागीं और ए कितनी दूरी पर जाकर गिरीं। अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि क्या मिसाइल जमीन से दागी गईं या समुद्र में स्थित किसी संसाधन से दागी गईं। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा, हमारी सेना ने सतर्कता एवं निगरानी बढ़ा दी है और हम हमारे अमेरिकी सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं तथा उत्तर कोरिया से किसी भी अन्य गतिविधि के संकेतों पर निकटता से नजर रख रहे हैं। उत्तर कोरिया का इस साल यह पांचवां क्रूज मिसाइल परीक्षण है। इसके अलावा उसने 16 जनवरी को ठोस ईंधन चालित मध्यम दूरी की एक नई हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया था जो क्षेत्र में अमेरिका के दूरस्थ ठिकानों पर हमला कर सकती है।

लाखों वृद्धों को नहीं मिलते पर्याप्त पोषक तत्व

इसके बारे में क्या करें

भाषा। कॉर्कारीडिंग

2050 तक, ब्रिटेन की लगभग एक चौथाई आबादी 65 वर्ष से अधिक उम्र की होने की उम्मीद है। इसे ध्यान में रखते हुए, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपने एजेंडा पर "स्वस्थ वृद्धावस्थौ पर जोर दिया है। इसका मतलब है जीवन की अच्छी गुणवत्ता पाने और बाद के वर्षों का आनंद लेने के लिए स्वास्थ्य, खुशहाली और कार्यात्मक क्षमता को बनाए रखने के तरीके खोजना। हर किसी की उम्र अलग-अलग दर से बढ़ती है - लेकिन कुछ चीजें हैं जो हमारी उम्र बढ़ने पर प्रभाव डाल सकती हैं, जैसे कि हमारे द्वारा की जाने वाली गतिविधियों के प्रकार और हमारे द्वारा खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों में बदलाव करना। वृद्ध आम तौर पर अपने बचपन की तुलना में कम शारीरिक रूप से सक्रिय होते हैं और इस वजह से, उनकी ऊर्जा ग्रहण करने की आवश्यकता कम हो सकती है। हालाँकि, ऊर्जा आवश्यकताओं और पोषक तत्वों की आवश्यकताओं के बीच एक अंतर है, और जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, पोषक तत्वों की आवश्यकताएं यदि बढ़ती नहीं हैं तो वास्तव में समान रहती हैं। इसका मतलब है कि हमें कम ऊर्जा में अधिक पोषक तत्व प्राप्त करने की आवश्यकता है जो मुश्किल हो सकता है क्योंकि वृद्धों को अक्सर कम भूख लगती है। यही कारण है कि वैज्ञानिकों का सुझाव है कि पोषक तत्वों के सेवन को बनाए रखने के लिए वृद्ध लोगों के भोजन को समृद्ध करना आवश्यक हो सकता है। जब कोई पर्याप्त भोजन नहीं कर रहा हो तो उसका पता कैसे लगाएं ?कई अध्ययनों से पता चला है कि कुपोषण घर पर स्वतंत्र रूप से रहने वाले दस वृद्ध लोगों में से एक को प्रभावित करता है। हालाँकि, यह नर्सिंग होम में रहने वाले दस में से पाँच वृद्ध लोगों को और अस्पताल में रहने वाले दस में से सात वृद्ध लोगों को प्रभावित करता है।अधिक वजन, यहाँ तक कि मोटापा भी अल्पपोषण से बचाव नहीं करता है। और जब वृद्ध लोग वजन कम करते हैं, तो उनकी मांसपेशियां कम हो जाती हैं, जिसका अर्थ है कि उनकी दैनिक कार्य करने की क्षमता खोने की संभावना अधिक होती है। वृद्धों में वजन कम होना कुपोषण का एक प्रमुख संकेत है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है - लेकिन इसे आसानी से नजरअंदाज किया जा सकता है, खासकर जब कई वृद्ध पतला होने के विचार को अच्छे स्वास्थ्य से जोड़ते हैं। लेकिन बहुत ढीले कपड़े या घड़ी का पट्टा अगर कलाई पर ढीला होने लगे, तो ए सभी अल्पपोषण के चेतावनी संकेत हैं।इसी तरह, अगर आपके आसपास कोई वृद्ध है, जिसकी आप परवाह करते हैं, उसने ऐसी बातें कहना शुरू कर दिया है, "ओह, मुझे आज ज्यादा खाना नहीं चाहिए, मुझे भूख नहीं है, "मुझे भूख नहीं है, यह स्वाभाविक है, मैं बूढ़ा हो रहा हूँ, या "ईमानदारी से कहूं तो मैं सिर्फ एक बिस्किट खाना पसंद करूंगा", तो ए चेतावनी के संकेत हो सकते हैं।

नियमित आहार में बादाम को करें शामिल

अपने किसी स्पेशल के लिए ऐसे ही कुछ हेल्दी लेकिन अनूठे तोहफों में से एक हो सकता है चुनिंदा बादाम का एक बॉक्स। अच्छे व क्रंची स्वाद तथा कई तरह के सेहतमंद फायदों के बारे में मशहूर बादाम एक समझदारी भरा और पौष्टिकता से भरपूर व्यवहार साबित हो सकता है। अपने भोजन में बादाम को शामिल करने से आप स्वादिष्ट स्नैक के रूप में इसका मजा ले सकते हैं, वहीं कई सारे पौष्टिक तत्वों की भी पूर्ति करता है, जिससे आपकी सेहत पर कई प्रकार से अच्छा प्रभाव पड़ता है। प्यार के इस मौसम और रोजमर्रा के भोजन में बादाम को शामिल करने के महत्व के बारे में बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान कहती हैं, श्मेरे लिए वैलेंटाइन डेए प्यार का इजहार करने से अलग चीज है,यह अपनों की सेहत का ख्याल रखने के बारे में है। मैं इस बात का ध्यान रखती हूं कि मैं और मेरा परिवार सेहतमंद और संतुलित खाना खाए। हम अपने खाने में नियमित रूप से बादाम को शामिल करते हैं। रोजाना के भोजन में मुट्ठीभर बादाम को शामिल करने के महत्व के बारे मेंए रितिका समद्दर, रीजनल हेड, डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली का कहना है, मैं अपने क्लाइंट को नियमित आहार में मुट्ठीभर बादाम शामिल करने की सलाह देती हूं। यह सलाह इस तथ्य पर आधारित है कि बादाम में प्रोटीन और डाइटरी फाइबर समेत 15 आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। ये लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों जैसे डायबिटीज को प्रभावी रूप से नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक अध्ययन के मुताबिक, बादाम को अपने रोजमर्रा के भोजन में शामिल करने सेए इसमें कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों के ब्लड शुगर पर प्रभाव को कम करने की क्षमता होती है। किसी के फिटनेस के सफर पर बादाम के प्रभाव के बारे में, यास्मीन कराचीवाला, फिटनेस एवं सेलिब्रिटी इंस्ट्रक्टर कहती हैं श्बादाम में हेल्दी फैट्स होते हैंए जिसका ऊर्जा के स्तर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही यह प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत है। यह ऐसा पोषक तत्व है जोकि मसल मास के विकास व उसके रख.रखाव में मदद करता है। इसलिएए किसी अपने को चुनिंदा बादामों का बॉक्स तोहफे में देनाए सिर्फ एक तोहफा नहींए बल्कि सेहत में निवेश है। संतुलित भोजन के महत्व को मानते हुएए मैं बादाम को सबसे अच्छा प्री या पोस्ट वर्कआउट स्नैक मानती हूं।

मध्यक्रम को पूरी जिम्मेदारी से खेलना होगा

● तीसरा टेस्ट आज से, निर्भीक इंग्लैंड के खिलाफ कमजोरियों से पार पाना होगा भारत को

भाषा। राजकोट

भारतीय टीम गुरुवार से जब यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए उतरेगी तो उसे निडर और चतुराई भरा क्रिकेट खेलने के अलावा मध्यक्रम की कमजोरियों का भी समाधान ढूंढना होगा। इंग्लैंड ने हैदराबाद में श्रृंखला के पहले मैच में भारत को हराया लेकिन मेजबान टीम ने विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में वापसी करते हुए पांच मैच की श्रृंखला I-I से बराबर कर दी। यशस्वी जायसवाल (321 रन) और जसप्रीत बुमराह (15 विकेट) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की जीत सुनिश्चित की लेकिन मध्यक्रम टीम की चिंता का सबब बना हुआ है जहां योगदान देने की जिम्मेदारी अब युवा प्रतिभाओं पर है। आठ दिन के ब्रेक से पहले कप्तान रोहित शर्मा की बल्ले से खराब फॉर्म ने भारतीय बल्लेबाजी क्रम की चिंता बढ़ाई ही है। भारतीय टीम इस मैच में लोकेश राहुल के बिना उतरेगी जबकि विराट कोहली पूरी श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। पिछले लगभग एक साल से रोहित ने बल्ले से आक्रामक रुख अपनाया है लेकिन बड़ी पारियां खेलने में नाकाम रहे हैं। मौजूदा स्थिति को देखते हुए टीम को अपने कप्तान से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। राहुल के अनुपलब्ध होने से मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान को टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिल सकता है। अगर ऐसा होता है तो घरेलू क्रिकेट में ढेरों रन बनाने वाले सरफराज एक टेस्ट खेल चुके रजत पाटीदार के साथ मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे। इंग्लैंड की टीम भारतीय मध्यक्रम की अनुभवहीनता से अच्छी तरह वाकिफ है। विरोधी टीम के मजबूत अध्ययन और आक्रामक खेल से इंग्लैंड की टीम वांछित नतीजे हासिल करने में सफल रही है। विकेटकीपर केएस भरत की बल्ले से लगातार नाकामी को देखते हुए भारत के उत्तर प्रदेश के 23 साल के ध्रुव जुरेल को मौका देने की संभावना बढ़ गई है। जुरेल आक्रामक बल्लेबाजी के लिए भी पहचाने जाते हैं। जुरेल ने 15 प्रथम श्रेणी मैच में 46.47 की औसत से रन बनाए हैं और राजकोट की पिच के पूरी तरह से स्पिन के अनुकूल होने की संभावना नहीं है और ऐसे में उन्हें अगर पदार्पण का मौका मिलता है तो उनके लिए आसानी होगी। स्थानीय खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा अब भारतीय चयनकर्ताओं की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं लेकिन एक अन्य स्थानीय खिलाड़ी रविंद्र जडेजा से दर्शकों को काफी उम्मीदें होंगी। शुरुआती दो मैच में इंग्लैंड के स्पिनरों ने मेजबान टीम के स्पिनरों से बेहतर प्रदर्शन किया है। आंकड़े हालांकि कहानी का सिर्फ एक पक्ष बयां करते हैं और इस हिसाब से भारतीय स्पिनर (38.39 के औसत से विकेट) इंग्लैंड के स्पिनरों (33.90 के औसत से विकेट) से काफी पीछे नहीं हैं। पिछली कुछ घरेलू श्रृंखलाओं में स्पिनरों का दबदबा देखने को मिला है लेकिन मौजूदा श्रृंखला में तेज गेंदबाज भी भूमिका निभा रहे हैं और बुमराह ने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। पहले दो टेस्ट में बुमराह ने शानदार गेंदबाजी की और टीम के प्रतिष्ठित स्पिनरों को कुछ हद तक बचा लिया जो स्पिन की पूरी तरह से अनुकूल पिच की गैरमौजूदगी में काफी प्रभावी नजर नहीं आए हैं। राजकोट की पिच पारंपरिक रूप से बल्लेबाजी के अनुकूल होती है और भारत को बाएं हाथ के स्पिनरों कुलदीप यादव और अक्षर पटेल में से किसी एक को चुनना होगा। बेहतर बल्लेबाज होने के कारण अक्षर का पलड़ा हालांकि भारी है। भारत के शीर्ष स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के नाम 499 विकेट दर्ज हैं और इस मैच के दौरान उनके 500 टेस्ट विकेट के एलीट क्लब में शामिल होने की पूरी उम्मीद है। इंग्लैंड को उसी तरह सही कदम उठाते रहने होंगे जैसे वे अब तक भारत दौरे पर उठाते रहे हैं। इंग्लैंड की टीम ब्रेक के दौरान अबु धाबी में समय बिताने के बाद वापस लौट चुकी है। टीम ने भारत दौरे की तैयारी अबु धाबी में ही की थी।

उपलब्धियां अपनी जगह हैं, भारत के खिलाफ खेलने का लुत्फ उठाऊंगा: स्टोक्स

राजकोट। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अपने 100वें टेस्ट मैच को लेकर बनी हाइप को कम करने की कोशिश करते हुए बुधवार को यहां कहा कि उपलब्धियां अपनी जगह होती हैं लेकिन वह इस मैच में भारतीय दर्शकों के सामने भारत के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। स्टोक्स भारत के खिलाफ गुरुवार को तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जब इंग्लैंड की अगुवाई करने के लिए उतरेंगे तो वह 100 टेस्ट मैच खेलने वाले अपने देश के 16वें खिलाड़ी बन जाएंगे। इस आक्रामक बल्लेबाज ने हालांकि मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाता सम्मेलन में अपनी इस उपलब्धि को ज्यादा तवज्जो नहीं देने की कोशिश की। स्टोक्स से जब उनकी इस उपलब्धि के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, उपलब्धियां अपनी जगह होती हैं लेकिन मैंने हमेशा भारत के खिलाफ खेलने का लुत्फ उठाया है, क्योंकि इसमें कड़ी प्रतिस्पर्धा और लोगों की काफी दिलचस्पी होती है। पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला अभी I-I से बराबरी पर है। इंग्लैंड ने हैदराबाद में खेला गया पहला मैच जीता था जबकि भारत ने विशाखापत्तनम में खेले गए दूसरे मैच में जीत दर्ज करके वापसी की थी। स्टोक्स ने कहा कि उनका ध्यान अभी परिस्थितियों को समझने और इस महत्वपूर्ण मैच के लिए ठोस रणनीति तैयार करने पर है। जब आप विकेट देखते हो तो उसमें कुछ दरार होती हैं। यह समय ही बताएगा कि मैच में उनकी भूमिका होगी या नहीं। मैं पिच के बारे में अभी से बहुत अधिक नहीं सोचना चाहता हूं लेकिन आपके पास रणनीति होनी चाहिए जो आप अपने खिलाड़ियों को बताओगे।

रेहान का वीजा मामला सुलझा, बीसीसीआई ने किया शानदार काम

राजकोट। भारत सरकार और बीसीसीआई के हस्तक्षेप के कारण युवा लेग स्पिनर रेहान अहमद का वीजा मुद्दा कम समय में सुलझ गया जिस पर इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने बुधवार को राहत की सांस ली। पाकिस्तानी मूल के स्पिनर अहमद के पास राजकोट आगमन पर एकल-प्रवेश वीजा था। वह हालांकि भारत के खिलाफ तीसरा टेस्ट शुरू होने से एक दिन पहले अपनी कागजी कार्वाई पूरी करने मे सक्षम रहे। स्टोक्स ने तीसरे टेस्ट मैच से पहले कहा, किसी भी व्यक्ति के लिए वीजा का इंतजार करना हमेशा तनाव वाला समय होता है लेकिन शुक्र है कि हमने इसे आज सुबह पूरा कर लिया।

आरिज़ ने नेशनल आइस स्टॉक चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

लखनऊ। लखनऊ के आरिज हसन ने गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर में आयोजित 10वीं नेशनल आइस स्टॉक चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। गत 9 से 11 फरवरी 2024 तक गुलमर्ग के आइस रिंग में आयोजित प्रतियोगिता में इंडिविजुअल टारगेट में आरिज हसन ने ये सफलता हासिल की जिसे आइस स्टॉक फेडरेशन इंडिया के सचिव इरफान अजीज बोटा ने पदक प्रदान कर सम्मानित किया। आरिज हुसैन की इस सफलता पर उत्तर प्रदेश आइसस्टॉक एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. सैयद रफत जुबैर रिजवी, सचिव किरन कश्यप तथा लखनऊ आइसस्टॉक के सचिव मो नदीम, तथा अन्य ने आरिज़ हसन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

डिएगो अर्जेन्टीना ओपन से बाहर

ब्यूनस आयर्स। पूर्व चैंपियन और स्थानीय दावेदार डिएगो श्वार्ट्जमैन को मंगलवार को यहां अर्जेन्टीना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में कोलंबिया के डेनियल इलाही गेल्न के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। अर्जेन्टीना के श्वार्ट्जमैन को डेनियल ने 2-6, 6-I, 6-4 से हराया। श्वार्ट्जमैन ने 2021 में इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट का खिताब जीता था जबकि अगले साल फाइनल में नॉर्वे के कास्पर रूड के खिलाफ हार गए। वह 2023 में खराब फॉर्म से जूझते रहे और विश्व रैंकिंग में शीर्ष 100 खिलाड़ियों की सूची से बाहर हो गए।

कैरी ने पारी में आठ कैच लपकने के रिकॉर्ड की बराबरी की

एडीलेड। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने घरेलू एकदिवसीय क्रिकेट मैच में बुधवार को आठ कैच लेकर अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की। भारत में खेले गए एकदिवसीय विश्व कप के दौरान राष्ट्रीय टीम के अंतिम एकादश से बाहर होने के बाद 50 ओवर का अपना पहला मैच खेल रहे कैरी ने क्वीसलैंड पर साउथ ऑस्ट्रेलिया की जीत में आठ कैच लपके। उन्होंने इसमें से पांच कैच गेंदबाज जॉर्डन बकिंघम की गेंद पर लिए और मैट कुहनेमन का कैच लपक कर उन्होंने आठ कैचों के लिस्ट ए के रिकॉर्ड की बराबरी की। लिस्ट ए क्रिकेट में आठ कैच लेने वाले दो और विकेटकीपर डेरेक टेलर (1982 में समरसेट के लिए खेलते हुए) और जेम्स पाइप (2021 में वॉर्सेस्टरशर के लिए) है।

रीयाल मैड्रिड की जीत

लेपजिग (जर्मनी)। ब्राहिम डैज के गोल की मदद से रीयाल मैड्रिड ने मंगलवार को यहां चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल के पहले चरण के मुकाबले में लेपजिग के खिलाफ़I-0 से जीत दर्ज की। डैज को चोटिल ज्यूड बेलिंगहम की जगह शुरुआती एकादश में जगह मिली थी। उन्होंने मैच का एकमात्र गोल 48वें मिनट में दागा।

मैनचेस्टर सिटी ने एफसी कोपेनहेगन को हराया

कोपेनहेगन। केविन डि ब्रून ने एक गोल करने के अलावा दो गोल करने में मदद की जिससे मैनचेस्टर सिटी ने चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में एफसी कोपनहेगन को 3-I से हराया।

नामधारी एफसी और श्रीनिधि डेक्कन जीते

लुधियाना। नामधारी एफसी और श्रीनिधि डेक्कन ने बुधवार को आई लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज की। नामधारी ने पीटर सेमिनथांग हाओकिप के आखिरी क्षणों में किए गए गोल के दम पर नेरोका एफसी को 3-2 से हराया जबकि श्रीनिधि ने टीआरएयू एफसी पर 3-0 से जीत दर्ज की। नामधारी और नेरोका का मुकाबला ड्रा की ओर बढ़ रहा था लेकिन हाओकिप ने आखिरी सीटी बजने से कुछ समय पहले (90+3 मिनट) गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

इंग्लैंड को हराना मुश्किल नहीं, बस अलग तरह से खेलते हैं : जडेजा

भाषा। राजकोट

भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने बुधवार को कहा कि इंग्लैंड को हराना मुश्किल नहीं है और मेजबान टीम को पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला जीतने के लिए बस उनकी अति आक्रामक शैली से सामंजस्य बैठाने की जरूरत है। इंग्लैंड ने हैदराबाद में श्रृंखला के शुरूआती मैच में भारत को हराया था लेकिन मेजबान टीम ने विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में मजबूत वापसी करके बराबरी हासिल कर ली। तीसरा टेस्ट गुरुवार से यहां शुरू हो रहा है। जडेजा ने तीसरे टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, मैं इंग्लैंड को (सबसे कड़ी) टीमों में से एक नहीं कहूंगा। अन्य टीमों के लिए भारत आना और यहां आकर जीतना आसान नहीं है। वह आक्रामक होकर खेलते हैं। हमें बस इससे सामंजस्य बैठाना होगा और उसके अनुसार योजना बनानी होगी। पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण दूसरा टेस्ट नहीं खेलने वाले जडेजा ने कहा, अगर पहले टेस्ट की दूसरी पारी में छोटी-छोटी गलतियां नहीं होती तो हम नहीं हारते। जडेजा ने कहा कि भारत के लिए यह जरूरी है कि वे अपनी योजनाओं पर कायम रहें और इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति के खिलाफ अलग तरह से खेलने का प्रयास नहीं करें। उन्होंने कहा, टेस्ट क्रिकेट में जितना संभव हो उतना सरल गेंदबाजी करना बेहतर है क्योंकि उनके बल्लेबाज प्रत्एक मौके पर शॉट खेलने का प्रयास करेंगे। जडेजा ने कहा, अगर हम इसके अनुसार बदलाव करेंगे तो संभव है कि हम और अधिक रन लुटा दें और विकेट भी नहीं मिले। हम इसे सरल रखेंगे और वह जो करना चाहते हैं उन्हें वह करने देंगे। हमारी अपनी रणनीति है और अगर हम इस पर कायम रहते हैं तो सफल होने की संभावना अधिक है। हाल में चोटों से जूझने के बारे में जडेजा ने कहा, यह निराशाजनक है लेकिन इन दिनों क्रिकेट के मुकाबले काफी बढ़ गए हैं और यह हमेशा दिमाग में रहता है। मैं मैदान में कहीं छिप नहीं सकता, मैं किसी भी प्रारूप में हमेशा महत्वपूर्ण स्थानों पर रहता हूं और शायद यही कारण है (चोट लगने का) और गेंद अक्सर मेरे पास आती है। जडेजा ने कहा कि चोटों से बचने के लिए उन्हें चतुराई भरे बदलाव करने होंगे। उन्होंने कहा, मैं अपना शत प्रतिशत देना चाहूंगा और अपने शरीर को बचाना चाहूंगा और जब जरूरत नहीं हो तो कूदने से बचूंगा। बस यही है। मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचता क्योंकि ऐसा (चोट से वापसी) पहले भी हो चुका है। जडेजा तीसरे टेस्ट के लिए सपाट पिच की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यहां विकेट सपाट और सख्त है लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि उन्होंने इसे कैसे तैयार किया है। यह विकेट अच्छा दिखता है। यहां विकेट हर मैच में अलग तरह से व्यवहार करता है। कभी-कभी यह सपाट रहता है।

राजकोट में चलेगा बुमराह की रिवर्स स्विंग का जादू: जहीर

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान का मानना है कि राजकोट की पिच हैदराबाद और विशाखापत्तनम की पिच के समान होगी जिससे एक बार फिर रिवर्स स्विंग की भूमिका होगी। जसप्रीत बुमराह ने विशाखापत्तनम में रिवर्स स्विंग का शानदार नजारा पेश करते हुए मैच मे नौ विकेट चटकाए जिससे भारत ने दूसरा टेस्ट जीतकर पांच टेस्ट की श्रृंखला I-I से बराबरी की। जहीर ने जियो सिनेमा से कहा, उम्मीद करता हूं कि पिच हैदराबाद और विशाखापत्तनम की तरह ही होगी। उन्होंने कहा, इस तरह की पिच पर शुरुआती दो दिन बल्ले और गेंद के बीच अच्छा मुकाबला दिखना चाहिए और फिर तीसरे दिन से स्पिन की भूमिका होगी। जहीर ने कहा, आपको कुछ रिवर्स स्विंग भी दिखेगी। और चौथे तथा पांचवें दिन स्पिनरों का दबदबा होगा। इंग्लैड के पूर्व बल्लेबाज ओवैस शाह भी जहीर से सहमत दिखे। मुख्य मुकाबला जसप्रीत बुमराह और इंग्लैड के मध्यक्रम के बीच होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि राजकोट में बुमराह रिवर्स स्विंग हासिल कर पाएगा। जब वह पुरानी गेंद से गेंदबाजी करता है तो इंग्लैंड के बल्लेबाजों के लिए मुश्किल होती है। क्योंकि वह विकेट लेता है और रन नही देता। इसी को देखते हुए इंग्लैड ने अनुभवी जेम्स एंडरसन का साथ देने के लिए तेज गेंदबाज मार्क वुड को भी टीम में जगह दी है। भारत अपनी टीम की घोषणा गुरुवार को टॉस के दौरान करेगा।

ठाकुर ने शतरंज ओलंपियाड की मशाल बुडापेस्ट को सौंपी

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को यहां शतरंज ओलंपियाड की मशाल हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट को सौंपी जो इस साल इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में ठाकुर ने फिडे के अध्यक्ष अर्कडी ड्वोरकोविच और मेजबान शहर के प्रतिनिधियों को मशाल सौंपी। शतरंज ओलंपियाड में मशाल रिले की परंपरा चेन्नई में जुलाई अगस्त 2022 में खेली गई प्रतियोगिता से पहले जून 2022 में भारत ने शुरू की थी। चेन्नई में खेले गए शतरंज ओलंपियाड में 2500 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था तथा भारत ने इस प्रतियोगिता में नौ पदक जीते थे, जिनमें महिला टीम का ऐतिहासिक कांस्य पदक भी शामिल है। ठाकुर ने इस अवसर पर कहा, शतरंज एक बौद्धिक विरासत है जिसे संभवत: भारत ने दुनिया को दिया। यह महज एक खेल नहीं बल्कि रणनीति और दार्शनिक ज्ञान का प्रतिबिंब भी है। यह खेल बुद्धि को तेज करने के साथ धैर्य बनाए रखने का अमूल्य सबक भी सिखाता है।

डब्ल्यूपीएल के दूसरे सत्र में गुजरात की कप्तान होंगी मूनी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 23 फरवरी से शुरू होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे सत्र में गुजरात जाइंट्स की कप्तानी करेंगी। फ्रेंचाइजी ने बुधवार को इसकी घोषणा की। मूनी को पहले सत्र के लिए भी कप्तान बनाया गया था लेकिन पहले मैच के बाद वह चोटिल हो गईं और टूर्नामेंट के बाकी मुकाबलों में नही खेल सकीं। उनकी अनुपस्थिति में भारतीय ऑलराउंडर स्नेह राणा ने टीम का नेतृत्व किया था। स्नेह को दूसरे सत्र के लिए उप कप्तान बनाया गया है। गुजरात 2023 में पांच टीम की प्रतियोगिता में अंतिम स्थान पर रहा था। फ्रेंचाइजी ने बयान में कहा, वे (मूनी और स्नेह) मुख्य कोच माइकल क्लिंगर, मार्गदर्शक और सलाहकार मिताली राज तथा सहायक कोच नूशिन अल खादीर के साथ नेतृत्व समूह का हिस्सा होंगी। गुजरात जाइंट्स अपने अभियान की शुरुआत 25 फरवरी को बेंगलुरू में मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगा।

द.अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 211 रन पर समेटा

हैमिल्टन (न्यूजीलैंड)। ऑफ स्पिनर डेन पीट ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 89 रन देकर पांच विकेट चटकाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन न्यूजीलैंड को पहली पारी में 211 रन पर समेटकर 31 रन की बढ़त हासिल की। दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत छह विकेट पर 220 रन से करते हुए पहली पारी में 242 रन बनाए। बुधवार को गेंदबाजों का दबदबा देखने को मिला और दिन के खेल के दौरान 14 विकेट गिरे। न्यूजीलैंड के नौ विकेट 183 रन पर गिर गए थे लेकिन 10वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे नील वैगनर ने 33 रन की पारी खेलकर टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। पीट ने टॉम लैथम (40), केन विलियमसन (43), विल यंग (36) और ग्लेन फिलिप्स (04) को आउट करने के बाद वैगनर को विकेटकीपर क्लाइड फोरटुइन के हाथों स्टंप कराके न्यूजीलैंड की पारी का अंत किया। न्यूजीलैंड की पारी के पहले ओवर में डेवोन कॉनवे (00) को आउट करने वाले डेन पेटरसन ने 39 रन देकर तीन विकेट चटकाए। सेडन पार्क की पिच पर असमान उछाल दिख रहा है और बुधवार को दोनों टीम के दो-दो बल्लेबाज बल्ले के अंदरूनी हिस्से पर गेंद लगने के बाद बोल्ड हुए। जिंबाब्वे के खिलाफ 2014 में पदार्पण करने वाले 33 साल के पीट ने न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया।

आईसीसी रैंकिंग: नबी ने एकदिवसीय में शीर्ष हरफनमौला के तौर पर शाकिब का दबदबा खत्म किया

दुबई। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी बुधवार को जारी आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की नवीनतम एकदिवसीय रैंकिंग में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के लंबे समय से चले आ रहे दबदबे को खत्म कर शीर्ष हरफनमौला खिलाड़ी बन गए। टेस्ट रैंकिंग के शीर्ष स्थान पर हालांकि कोई खास बदलाव नही हुआ है। गेंदबाजों की सूची में जसप्रीत बुमराह और चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर रहने के बाद तीसरे टेस्ट में टीम में वापसी करने को तैयार रविंद्र जडेजा शीर्ष हरफनमौला बने हुए हैं। श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला के पहले मैच में 136 रन की यादगार पारी खेलने के बाद नबी रैंकिंग में शीर्ष पायदान पर पहुंचे। उन्होंने इस मैच में एक विकेट भी चटकाया जिससे एकदिवसीय गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गए। नबी (39 साल और एक महीने) हरफनमौला खिलाड़ियों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले सबसे उम्रदराज हरफनमौला बन गए। उनसे पहले यह रिकॉर्ड श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान के नाम था, जो जून 2015 में 38 साल और आठ महीने की उम्र में शीर्ष रैंकिंग पर पहुंचे थे। शाकिब सात मई 2019 से नौ फरवरी 2024 तक रिकॉर्ड 1739 दिनों के लिए वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पायदान पर रहे।

भरत ने शानदार विकेटकीपिंग की लेकिन उन्हें रन बनाने होंगे: पार्थिव पटेल

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैचो मे बल्ले से लचर प्रदर्शन करने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज कोना भरत को एक और मौका देने की वकालत करते हुए भारत के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने कहा कि आंध्र के इस खिलाड़ी ने विकेट के पीछे अपनी भूमिका शानदार तरीके से निभाई है। भरत ने अब तक सात टेस्ट मैच खेले है लेकिन वह एक भी अर्धशतक नही लगा सके है। इस बात की संभावना है कि गुरुवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में बेहतर बल्लेबाजी के कारण ध्रुव जुरेल को पदार्पण का मौका मिले। भारत के लिए 25 टेस्ट खेलने वाले पार्थिव ने माना कि भारतीय टीम में विकेटकीपर के स्थान को लेकर उथल-पुथल है। पार्थिव से ऑनलाइन बातचीत में कहा, भरत ने निश्चित तौर पर इस श्रृंखला में अब तक और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में भी (विकेटकीपिग मे) शानदार प्रदर्शन किया है। जहां तक रन बनाने की बात है तो इसमे कोई संदेह नही की आप उसके बल्ले से रन चाहते है। इस 38 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा, यह कुछ ऐसा है जो नही हो पाया है। इन परिस्थितियो में भरत और जुरेल भारत के दो सर्वश्रेष्ठ विकल्प है। आप जो देख रहे है वह पेचीदा मामला है। आप बिना किसी संदेह के उनसे रन चाहते है।

साक्षी और बजरंग ने डब्ल्यूएफआई पर निलंबन हटवाने के लिए कपटपूर्ण तरीके अपनाने का आरोप लगाया

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवानो साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख संजय सिंह ने यूनाईटेड वर्ल्ड रेस्लिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) द्वारा लगाया प्रतिबंध हटवाने के लिए कपटपूर्ण तरीके का इस्तेमाल किया और डब्ल्यूएफआई के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन फिर शुरू करने की धमकी दी। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने मंगलवार को भारत पर लगा अस्थाई प्रतिबंध हटा दिया लेकिन राष्ट्रीय महासंघ को निर्देश दिया कि वह लिखित गारंटी दे कि विरोध कर रहे पहलवानो बजरंग, साक्षी और विनेश फोगाट के खिलाफ कोई भेदभावपूर्ण कार्वाई नही की जाएगी। डब्ल्यूएफआई के समय पर चुनाव कराने में नाकाम रहने पर यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने यह निलंबन पिछले साल अगस्त में लगाया था। डब्ल्यूएफआई के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह की महिला पहलवानो के कथित यौन उत्पीड़न के लिए गिरफ्तारी की मांग करते हुए बजरंग, साक्षी और विनेश ने एक साल से अधिक समय तक विरोध-प्रदर्शन किया था। साक्षी ने एक्स पर डाले वीडियो में कहा, हमें कल पता चला कि संजय सिंह ने निलंबन हटवाने के लिए यूडब्ल्यूडब्ल्यू के साथ कोई सांठगांठ कर ली है। बृज भूषण और संजय सिंह ने स्वयं को कानून से ऊपर दिखाने के लिए कोई कसर नही छोड़ी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एफआईएच प्रो-लीग में जीत की लय कायम रखने उतरेगी भारतीय टीम

भुवनेश्वर। एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) प्रो-लीग के सत्र को लगातार दो जीत के साथ शुरू करने वाली भारतीय टीम गुरुवार को यहां जब ऑस्ट्रेलिया की मजबूत पुरुष टीम के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसका लक्ष्य जीत की हैट्रिक लगाना होगा। भारत ने स्पेन को 4-I से हारने के बाद गत चैम्पियन और विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज नीदरलैंड को शूटआउट में 4-2 से मात दी। नीदरलैंड के खिलाफ नियमित समय में मुकाबला 2-2 की बराबरी पर था। दोनों देशों के द्विपक्षीय मुकाबलों के जीत-हार का रिकॉर्ड बड़े अंतर से ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में है लेकिन पिछले कुछ समय में भारतीय टीम ने उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम इस लय को जारी रखना चाहेगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम भी इस मुकाबले में दो जीत के साथ आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। टीम ने स्पेन को 4-3 और आयरलैंड को 5-0 से करारी शिकस्त दी। टीम पिछले सत्र में भारत से मिली दो हार का बदला लेने की कोशिश करेगी।

सिंधू की जीत के साथ वापसी

● भारत ने चीन को 3-2 से हराया

भाषा। शाह आलम (मलेशिया)

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने चोट के कारण चार महीने बाद वापसी करते हुए बुधवार को यहां जीत दर्ज की जिससे भारत ने बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप (बीएटीसी) की महिला स्पर्धा में चीन की मजबूत टीम को 3-2 से हराया। ग्रुप डब्ल्यू में सिर्फ दो टीम होने के कारण पहले मुकाबले से पूर्व ही भारत की नॉकआउट में जगह सुनिश्चित थी लेकिन टीम ने शीर्ष वरीय चीन को हराकर शान से नॉकआउट में प्रवेश किया। थॉमस कप 2022 चैंपियन और पिछले साल एशियाई खेलों में पहली बार रजत पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम ने भी हांगकांग के खिलाफ 4-I की आसान जीत से ग्रुप ए से नॉकआउट में जगह बनाई। हांगकांग को मंगलवार को चीन के खिलाफ भी 0-5 से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। भारतीय पुरुष टीम गुरुवार को शीर्ष वरीय चीन से भिड़ेगी जिससे ग्रुप विजेता का फैसला होगा। पिछले साल फ्रेंच ओपन के दौरान घुटने में लगी चोट के बाद से बाहर रही सिंधू ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली हेन युई को 40 मिनट में 21-17 21-15 से हराकर भारत को I-0 की बढ़त दिलाई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता 28 साल की सिंधू की विश्व रैंकिंग 11 जबकि हेन युई की आठ है। तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी को इसके बाद ल्यु शेंग शु और टेन निंग की जोड़ी के खिलाफ 19-21 16-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी जबकि अस्मिता चालिहा भी दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी वैंग झी ई के खिलाफ 13-21 15-21 से हार गई जिससे तीन मैच के बाद भारत I-2 से पिछड़ ग त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने इसके बाद ली ई जिंग और लुओ शू मिन की जोड़ी को एक घंटे और नौ मिनट में 10-21 21-18 21-17 से हराकर भारत को बराबरी दिलाई।

यूपी की शुभी सेमीफाइनल में

शीर्ष वरीय अनाया को हराकर किया उलटफेर

लखनऊ। एसआरजीआई अंडर-12 बालक व बालिका ऑल इंडिया आइटा टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश की शुभी रंजन ने शीर्ष वरीय मध्य प्रदेश की अनाया राठी को रोमांचक मुकाबले में 7-5, 6-4 से हराते हुए उलटफेर के साथ बालिका एकल सेमीफाइनल में पहुंची। अवध स्कूल गोमतीनगर स्थित कमलेश शुक्ला टेनिस अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में बालिका क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश की अदित्रि सिंहए सिद्धि सिंह व सौंदर्या जायसवाल भी जीते। बालक एकल क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश के तेजस सिंह व कृष्णा सिंह सेमीफाइनल में पहुंचे। बालिका एकल क्वार्टर फाइनल में सिद्धि सिंह ने उत्तर प्रदेश की ही आशी किरन को 6-2, 6-0 से और सौंदर्या जायसवाल ने महाराष्ट्र की अनाया पटेल को 6-0, 6-0 से हराया। उत्तर प्रदेश की अदित्रि सिंह ने उत्तर प्रदेश की ही लावण्या सिंह के खिलाफ पहला सेट 6-4 से जीता। ूसरे सेट में लावण्या ने अस्वस्थता के चलते मैच छोड़ दिया जिससे अदित्रि भी सेमीफाइनल में पहंच गयी। बालक एकल क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश के तेजस सिंह ने उत्तर प्रदेश के ही अणर्व श्रीवास्तव को 6-1, 6-2 से और उत्तर प्रदेश के कृष्णा सिंह ने उत्तर प्रदेश के ही आयुष्मान पाठक को 6-4, 6-4 से हराया।

भारतीय निशानेबाजों के स्वर्ण और रजत पदक

नई दिल्ली। भारत ने स्पेन के ग्रेनाडा में चल रहे अंतराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) के 10 मीटर निशानेबाजी विश्व कप की 10 मीटर एयर राइफल जूनियर मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण और रजत पदक जीता। ईशा अनिल टकसाले और उमामहेश मादिनेनी ने अपनी व्यक्तिगत महिला और पुरुष स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतने के बाद मंगलवार को यहां मिश्रित टीम स्पर्धा के फाइनल में अनवी राठौड़ और अभिनव साव की हमवतन जोड़ी को 16-8 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। भारत के इस प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण पदक सहित सात पदक हो गए हैं। अनवी और अभिनव ने 629.0 अंक के संयुक्त स्कोर के साथ स्वर्ण पदक के मुकाबले में जगह बनाई थी। ईशा और उमामहेश 627.4 अंक के साथ उनसे पीछे थे। इससे पहले मंगलवार को दृष्टि सांगवान और पारस खोला एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के पदक मुकाबले में जगह बनाने में नाकाम रहे। यह जोड़ी क्वालीफिकेशन में छठे स्थान पर रही। जॉर्जिया की जोड़ियों ने इस स्पर्धा का स्वर्ण और रजत तदक जीता। विश्व कप में भारत का 34 सदस्ईय दल हिस्सा ले रहा है। इस प्रतियोगिता में सिर्फ जूनियर और सीनियर 10 मीटर एयर गन स्पर्धाएं हो रही हैं।

नार्डी हारे, रामकुमार क्वार्टर फाइनल में

बेंगलुरु। भारतीय डेविस कप खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन ने शीर्ष वरीयता प्राप्त लुका नार्डी के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज कर बुधवार को यहां बेंगलुरु ओपन के एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले रामकुमार ने केएसएलटीए स्टेडियम में प्री-क्वार्टर फाइनल में दो घंटे से कुछ अधिक समय तक चले मैच में इटली के खिलाड़ी पर I-6, 6-4, 6-4 से जीत हासिल की। भारतीय खिलाड़ी के लिए मैच की शुरुआत अच्छी नहीं रही और नार्डी ने शुरुआती सेट के पहले ही गेम में ही उनकी सर्विस तोड़ दी। रामकुमार इसके बाद इस खिलाड़ी को कोई चुनौती नहीं दे सके और नार्डी ने आसानी से पहला सेट जीत लिया। पहले सेट के बाद लगा की मैच एकतरफा होगा लेकिन दूसरे सेट में रामकुमार ने शानदार जज्बा दिखाया। रामकुमार ने शानदार खेल के दम पर नार्डी को बेसलाइन के पास रोके रखा। दूसरे सेट की शुरुआत चार गेम सर्विस करने वाले खिलाड़ियों ने जीते लेकिन रामकुमार ने पांचवें गेम में सर्विस ब्रेक कर 3-2 की बढ़त बनाई और फिर अपनी सर्विस को भुना कर इसे 4-2 किया। रामकुमार इसके बाद अपनी सर्विस पर दोनों गेम जीतकर मैच में वापसी करने में सफल रहे। दूसरे सेट में हार का सामना करने के बाद नार्डी अपने खेल में गलतियां करने लगे। तीसरे सेट के चौथे गेम तक दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का मुकाबला था लेकिन अपनी सर्विस पर 30-40 से पिछड़ने के बाद नार्डी ने बेसलाइन के ऊपर से एक ओवरहेड स्मैश लगाया जिससे रामकुमार 3-2 से आगे निकलने में सफल रहे।

नागल की नजरें अब ओलंपिक पर

बेंगलुरू। विश्व रैंकिंग में शीर्ष 100 में शामिल होने का सपना साकार होने के बावजूद सुमित नागल संतुष्ट नही है क्योंकि यह भारतीय टेनिस खिलाड़ी ग्रैंडस्लैम और पेरिस ओलंपिक में सीधे प्रवेश के लिए अपनी रैंकिंग मे सुधार या फिर इस रैंकिंग पर बने रहने की चुनौती के लिए तैयार है। हाल ही मे चेन्नई ओपन मे नागल की जीत ने उन्हें करियर की सर्वश्रेष्ठ 98वीं विश्व रैंकिंग पर पहुंचा दिया। वह 2019 मे प्रजनेश गुणेश्वरन के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय है। नागल ने मंगलवार रात बेंगलुरू ओपन के पहले दौर मे जीत के बाद पीटीआई से कहा, हर टेनिस खिलाड़ी शीर्ष 100 मे शामिल होने का सपना देखता है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205, द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।